@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 3 जुलाई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 239 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मुंबई, हिमाचल और जम्मू में आफत बनी बारिश

एजेंसी

विक्टोरिया। दिल्ली-एनसीआर में मानसून की पहली बारिश के बाद आंशिक राहत मिली। मौसम विभाग (IMD) के वरिष्ठ वैज्ञानिक नरेश यादव के मुताबिक मानसून जल्द ही पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और गुजरात के पश्चिमी तट के कुछ हिस्सों सहित अतिरिक्त क्षेत्रों को कवर करेगा। उन्होंने कहा कि अगले चार से पांच दिनों में कोंकण क्षेत्र, गोवा और दक्षिण गुजरात में अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है, और इन क्षेत्रों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। ओडिशा और मध्य भारत में भी बहुत भारी वर्षा के आसार हैं। मुंबई के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण गंभीर समस्या की खबर है। जलभराव के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बारिश के बाद सामने आई तस्वीरों में वाहनों की लंबी कतार देखी गई। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में दो जगह बादल फटने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। हिमाचल के लाहौल-स्पीति और चंबा में तीन जगह बादल फटने की घटनाएं सामने आईं। उत्तराखंड में केदारनाथ धाम के लिए हैली सेवा स्थगित करनी पड़ी है और देहरादून के जौलीग्रांट हवाईअड्डे से चार उड़ानों को दूसरी जगहों पर भेजना पड़ा है। मुंबई के अलावा उत्तराखंड में मानसून की तेज बारिश अब आफत बन रही है। चमोली जिले के ज्योतिर्मठ क्षेत्र में मलबा कुछ घरों मों भारी मलबा घुस गया। वहीं बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग बंद होने से चारधाम यात्रा भी प्रभावित हुई और कई वाहन रास्ते में फंस गए। एक अन्य पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भी बारिश का कहर दिख रहा है।

हिमाचल प्रदेश में मानसून की शुरुआत के साथ भारी बारिश और भूस्खलन से कई जिलों में व्यापक नुकसान हुआ है।

लाहौल-स्पीति में दो और चंबा में एक स्थान पर बादल फटने से सड़कें, फसलें और संपर्क मार्ग प्रभावित हुए। मंडी जिले में पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार 35 सड़कें बंद हैं और 127 बिजली ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं। उत्तराखंड के पांच जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बाकी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक फिलहाल बारिश से निजात मिलने के आशार नहीं है।

सामान्य से 251 फीसदी अधिक बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक हिमाचल में 30 जून की रात से एक जुलाई की शाम तक प्रदेश में सामान्य से 251 फीसदी अधिक बादल बरसे। इस अवधि में 4.1 मिलीमीटर बारिश को सामान्य माना गया है, जबकि 14.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। बिलासपुर में सामान्य से 308, चंबा में 544, हमीरपुर में 305, कांगड़ा में 572, कुल्लू में 501, मंडी में 171, शिमला में 11, सोलन में सात और ऊना में 3 फीसदी अधिक बारिश हुई। किन्नौर में सामान्य से 100, लाहौल-स्पीति में 64 और सिरमौर में 69 फीसदी कम बारिश दर्ज हुई।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर

असम के छह जिलों में 46,938 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, जबकि 3,809 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि पानी में डूब गई है। धेमाजी, लखीमपुर, बिस्वनाथ, नलबाड़ी, डिब्रूगढ़ और चिरांग जिले सबसे अधिक प्रभावित हैं। इन जिलों के 10 राजस्व सर्किलों के 221 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। अरुणाचल प्रदेश में भी हालात नाजुक हैं। कई इलाकों का संपर्क कटने की भी खबर है। एक दिन पहले यहां केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और किरेन रिजिजू बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करने पहुंचे थे।

भारत-जापान में रक्षा सह-उत्पादन समझौते पर मुहर

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची भारत के दौरे पर हैं। गुरुवार को ताकाइची और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बैठक हुई। इसके बाद दोनों नेताओं ने साझा तौर पर मीडिया को संबोधित किया। इसमें

दोनों ही नेताओं ने कई बड़े एलान किए। हालांकि, जो एक समझौता इस वक्त चर्चा में है, वह है दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में सह-उत्पादन से जुड़ा। दरअसल, पीएम मोदी ने खुद इस समझौते के तहत पहले प्रोजेक्ट की जानकरी दी। पीएम ने कहा कि हम क्षेत्र की शांति, नौपरिवहन की सुरक्षा और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए साझा तौर पर रक्षा तकनीक विकसित करेंगे। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर भारत-जापान के बीच जिस रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर की बात सामने आई है, वह क्या है? इसके तहत दोनों देश किस पहले प्रोजेक्ट पर काम करने जा रहे हैं? भारत को इससे क्या मिल सकता है? थलसेना से लेकर वायुसेना और नौसेना तक जापान भविष्य में भारत को किन हथियारों को बनाने में मदद कर सकता है? इसके अलावा भारत किस तरह जापान के लिए मददगार साबित हो सकता है? आइये जानते हैं... रक्षा सह-उत्पादन समझौता एक ऐसी रणनीतिक साझेदारी है जिसके तहत दो या दो से ज्यादा देश सिर्फ तैयार हथियारों की खरीद-बिक्री करने के बजाय, सैन्य उपकरणों, हथियारों और आधुनिक रक्षा तकनीकों का संयुक्त रूप से विकास और निर्माण करते हैं। भारत और जापान के लिए ऐसे किसी भी समझौते के जबरदस्त फायदे हैं... इस समझौते के तहत उन्नत तकनीक वाले देश अपनी विशेषज्ञता दूसरे देश के साथ साझा करते हैं। भारत और जापान के बीच हुआ पहला सह-विकास प्रोजेक्ट यूनिकॉर्न एंटीना मास्ट का है, जिसमें दोनों देश मिलकर उन्नत नौसैनिक तकनीक विकसित करेंगे। भारत के परिप्रेक्ष्य में, सह-उत्पादन समझौते मुख्य रूप से मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत नीतियों को गति देने के लिए किए जाते हैं। इसके जरिए देश के भीतर ही रक्षा औद्योगिक आधार का विस्तार किया जाता है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और तकनीकी क्षमता बढ़ती है। भारत-जापान के लिए इस समझौते का प्रमुख लक्ष्य किसी एक विदेशी आपूर्तिकर्ता, जैसे ऐतिहासिक रूप से भारत की रूस पर निर्भरता और जापान की अमेरिका पर निर्भरता, को कम करना और रणनीतिक आत्मनिर्भरता हासिल करना है। सह-उत्पादन के जरिए भारत और जापान का मकसद न सिर्फ अपनी सेना के लिए हथियारों का निर्माण करना है, बल्कि अपनी क्षमता बढ़ाकर एक प्रमुख वैश्विक रक्षा निर्यातक बनना भी है। इसका एक सफल उदाहरण भारत और रूस द्वारा सह-उत्पादित ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसे भारत ने दूसरे देशों को निर्यात करना शुरू कर दिया है। जापान जैसे देश के साथ हथियार सह-उत्पादन (जैसे संभावित मोगामी-क्लास स्टील्थ फ्रिगेट्स या जेट/टैंक इंजन्स) करना दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास को दर्शाता है। यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, समुद्री सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग को मबूत करने का एक ताकतवर माध्यम है।

विभाजन के समय पाकिस्तान से भारत आने वाले शरणार्थी नहीं, वे संघर्ष के योद्धा: संघ प्रमुख

कौमी पत्रिका

नागपुर। 1947 में बंटवारे के समय जो लोग पाकिस्तान से भारत आए, वे शरणार्थी नहीं थे, बल्कि वे संघर्ष के योद्धा थे। उन लोगों ने मातृभूमि और धर्म के प्रति अपने प्रेम और लगाव के कारण भारी कष्ट और पीड़ा सही। ऐसा कहना है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

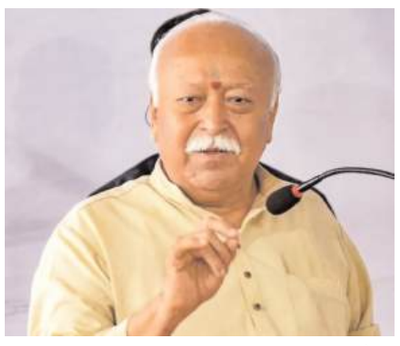

(आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत का। मोहन भागवत ने कहा कि मातृभूमि से प्रेम के कारण इन लोगों ने पाकिस्तान में अपनी पुरखों की मेहनत से अर्जित संपत्ति, जमीन और कारोबार छोड़कर भारत में आने का निर्णय लिया। मोहन भागवत गुरुवार को यहां सिंधी समुदाय की तरफ से संचालित सिंधु एजुकेशन सोसायटी के 75वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि बंटवारे के समय किसी मजबूरी के चलते नहीं, बल्कि लोगों ने सोच-समझकर सीमा पार से भारत आने का फैसला किया, क्योंकि वो पाकिस्तान में नहीं, बल्कि भारत में रहना चाहते थे, जहां वो पूरी आजादी के साथ अपने धर्म का पालन कर सकें। वो लोग शरणार्थी नहीं, बल्कि विस्थापित थे। उनको शरणार्थी कहना गलत होगा, क्योंकि वे मातृभूमि और अपने धर्म के प्रति लगाव और निष्ठा के कारण संघर्ष करने वाले योद्धा थे। भागवत ने कहा कि हालांकि हम सब भारत को एक रखने की लड़ाई हार गए थे, लेकिन उन्होंने न तो करियर चुना और न ही संपत्ति। उन्होंने अगर किसी को चुना तो वह है अपना देश और धर्म। उन्होंने कहा कि जीवन की विपरीत परिस्थितियों के सामने हमें घुटने नहीं टेकने चाहिए, बल्कि फिर से खड़ा होने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि परिस्थितियों के सामने खुद को निर्बल और असहाय समझने वाले असफल होते हैं, जबकि कठिन समय का मुकाबला करने वाले और उससे बच निकलने वाले ही अंत में सफल होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रोजगार और रोजी-रोटी के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन यह शिक्षा का अंतिम उद्देश्य नहीं होना चाहिए। क्योंकि बिना शिक्षा के भी लोग बड़े होते हैं और शिक्षित लोगों को नौकरी पर रखते हैं। विवेक प्राप्त करने के लिए वास्तविक शिक्षा घर से शुरू होती है, जहां पहली शिक्षक माता है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि पूरी मानव जाति को जीवन का उद्देश्य देना है, तो वे यही कि जीना अपने लिए नहीं, जीना है अपनों के लिए, स्वयं नेकी से जीना है और सबको नेकी सिखानी है। यही अपने यहा जीवन की रीति मानी जाती है।

जम्मू-कश्मीर में बादल फटने और बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दस्तक देते ही, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अनेक स्थानों पर बादल फटने और अचानक बाढ़ की भयावह स्थिति उत्पन्न हुई है। डोडा, किश्तवाड़ और बांदीपोरा सहित छह स्थानों पर बादल फटने से कई गांवों का संपर्क टूट गया और सड़कें अवरुद्ध हो गईं। प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, हालांकि अभी तक किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के निदेशक डॉ. मुख्तयार अहमद ने मॉनसून के सामान्य समय पर पहुंचने की पुष्टि की। इस आपदा के कारण किश्तवाड़ की मचैल और मिंधल यात्रा को फिलहाल स्थगित किया गया है, वहीं कटड़ा-सांझीछत हैलिकॉप्टर सेवा प्रभावित हुई। डोडा के कालजुगासर और सेरू तथा किश्तवाड़ के गहान और मचीपाल में बादल फटने से हुए भूस्खलन और मलबे ने बचाव कार्यों में बाधा डाली। गुरेज की तुलैल में जादीगे नाले के पास बादल फटने से किलशेय-जादीगे सड़क को भारी क्षति पहुंची और किशनगंगा नाले का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। तहसीलदार ने क्षति के आकलन और सड़क की बहाली के लिए दल तैनात करने की बात कही है, साथ ही नाले के समीप रहने वाले लोगों को सतर्क कर दिया गया है। वहीं अनंतनाग में भी मूसलाधार वर्षा से गुरिंदरमन गांव में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे स्थानीय विद्यालय में मौजूद विद्यार्थियों को ग्रामीणों ने समय रहते सुरक्षित निकाल लिया। कारगिल में शाफत नाले की बाढ़ के कारण जंस्कार-कारगिल मार्ग पर मलबा आने से यातायात बंद हो गया, और जिला कठुआ का बनी-बसोहली मार्ग भी भूस्खलन के कारण पांच घंटे तक अवरुद्ध रहा।

भारतीय नौसेना ने जहाज पर हमला किया नाकाम, समुद्री लुटेरे डर कर भागे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत आ रहे एक जहाज को लूटने की कोशिश को भारतीय नौसेना ने नाकाम कर दिया। जहाज पर बुधवार रात समुद्री लुटेरों का हमला हुआ था। बताया जा रहा है कि भारतीय नौसेना के मरीन कमांडो जहाज पर चढ़े। इस जहाज पर ही लुटेरों का हमला हुआ था। जहाज पर एक भारतीय क्रू मेंबर भी मौजूद था। यह जहाज भारत के लिए जरूरी सामान लेकर जा रहा था। जहाज के क्रू ने खुद को एक सुरक्षित कमरे में बंद कर लिया और कम्युनिकेशन चैनल के जरिए डकैती की कोशिश की जानकारी दी। जब भारतीय नौसेना का युद्धपोत उस जहाज की तरफ बढ़ा तो समुद्री लुटेरे डर कर भाग गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब भारतीय नौसेना ने अपना पराक्रम दिखाते हुए समुद्री लुटेरों से किसी जहाज को बचाया है। दो महीने पहले 26 मई को भी भारतीय नौसेना ने हिंद महासागर में एक मालवाहक जहाज को बचाया था। पश्चिमी हिंद महासागर में मालवाहक जहाज एमवी माशाअल्लाह-1 के पास समुद्री डाकुओं की गतिविधियां ट्रेक की गई थीं। इसके बाद तुरंत आईएनएस कोलकाता ने कार्रवाई करते हुए इस खतरे की जांच की और उसे रोक दिया था। समय पर की गई कार्रवाई से मालवाहक जहाज की सुरक्षा सुनिश्चित हुई और समुद्री डाकुओं के संभावित हमले को नाकाम कर दिया गया था। दरअसल, भारतीय नौसेना अदन की खाड़ी के आसपास में मिशन पर तैनात है। जब नौसेना के जहाज को एमवी माशाअल्लाह-1 के पास समुद्री लुटेरों की संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत कार्रवाई की थी। साल 2008 से भारतीय नौसेना अदन की खाड़ी में समुद्री लुटेरों के खिलाफ लगातार अपनी तैनाती बनाए हुए है।

खुले बोरवेल ने ली 4 साल के निरवैर की जान, 21 घंटे का रेस्क्यू ऑपरेशन नाकाम

अंबाला (एजेंसी)। अंबाला के धनयोड़ा गांव में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां 4 साल के मासूम निरवैर सिंह की खुले बोरवेल में गिरने से मौत हो गई। करीब 21 घंटे तक चले अथक बचाव अभियान के बावजूद, बच्चे को बचाया नहीं जा सका। उसके शव को बोरवेल से बाहर निकाला गया और बाद में गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। यह दर्दनाक हादसा मंगलवार हुआ था, जब खेलते समय निरवैर अचानक खुले पड़े बोरवेल में जा गिरा। सूचना मिलते ही प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचे और बच्चे को सुरक्षित निकालने के लिए लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। लेकिन जब उसे बाहर निकाला गया, तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। इस दर्दनाक हादसे के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खेत मालिक और दो ठेकेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। परिजनों का आरोप है कि पुराना बोरवेल खुला और बिना किसी चेतावनी बोर्ड के छोड़ दिया गया था, जिसकी बड़ी लापरवाही के चलते निरवैर की जान चली गई। एसपी अंबाला अजित सिंह शेखावत ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। बच्चे का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है और आगे की जांच जारी है।

पत्थर खदान में चट्टान गिरने से 9 मजदूरों की मौत

-बिहार और असम के थे मृतक, घायलों को अस्पताल में किया भर्ती

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के दक्षिण तालुक के मडापट्टना इलाके में गुरुवार सुबह एक पत्थर की खदान में बड़ा हादसा हो गया। खदान में काम के दौरान अचानक भारी चट्टान गिरने से नौ मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य मजदूर घायल हो गए। पुलिस और राहत दल ने तत्काल बचाव अभियान शुरू कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, हादसे के समय मजदूर खदान में पत्थर तोड़ने का काम कर रहे थे। इसी दौरान करीब 40 फुट ऊंचाई से एक विशाल चट्टान उनके ऊपर आ गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, उस समय खदान में लगभग 18 मजदूर काम कर रहे थे और चट्टान इतनी तेजी से गिरी कि उसके नीचे दबे मजदूरों को संभलने का मौका नहीं मिला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक मजदूर बिहार और असम के रहने वाले थे तथा दैनिक मजदूरी पर कार्यरत थे। हादसे में घायल हुए मजदूरों को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, घायलों की आधिकारिक संख्या अभी स्पष्ट नहीं की गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। पूरे क्षेत्र को घेरकर मलबा हटाने का काम जारी है। अधिकारियों को आशंका है कि कहीं और मजदूर मलबे के नीचे दबे न हों, इसलिए तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने मृतकों की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी है और उनके परिजनों को सूचना दी जा रही है। साथ ही यह जांच भी की जा रही है कि हादसा प्राकृतिक कारणों से हुआ या खदान में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी।

सीएम विजय ने किया खेला: एआईएडीएमके के 100 नेता टीवीके में शामिल होंगे

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में सियासी हलचल अपने चरम पर है, जहाँ मुख्यमंत्री सी. विजय जोसेफ के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पार्टी एक बड़ा विस्तार करने जा रही है। ऐसी खबरें हैं कि राज्य के प्रमुख दल एआईएडीएमके के लगभग सौ बड़े नेता टीवीके में शामिल होने को तैयार हैं, जिसे टीवीके के लिए एक अहम पड़ाव माना जा रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब एआईएडीएमके में आंतरिक कलह की खबरें जोरों पर हैं, और पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन लगातार विधानसभा चुनाव जल्द होने का दावा कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि करीब 15 पूर्व विधायक, 5 पूर्व मंत्री और सैकड़ों पार्टी कैडर गुरुवार को ममल्लापुरम के एक रिसॉर्ट में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में टीवीके का दामन थाम सकते हैं। इन नेताओं में पूर्व मंत्री सी. विजयभास्कर, एम.आर. विजयभास्कर, एम.एस.एम. आनंदन, एस. वलारमति और पूर्व केंद्रीय मंत्री एम.के. अलागिरि की बेटी कायलविझि जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इसके अलावा, करूर और पुदुकोट्टई जिलों से भी कई पूर्व नेता और जिला स्तरीय पदाधिकारी टीवीके में शामिल हो सकते हैं। यह कोई पहली बार नहीं है जब एआईएडीएमके के बड़े नेता टीवीके में आ रहे हैं; इससे पहले भी चार पूर्व मंत्री, जिनमें एमसी संपत, एन.आर. शिवपति, कादंबूर सी. राजू और उदुमलाई के. राधाकृष्णन शामिल हैं, टीवीके में शामिल हो चुके हैं।

इस बीच, टीवीके ने डीएमके पर अपने विधायकों को लुभाने और खरीदने की कोशिश करने का गंभीर आरोप भी लगाया है। तमिलनाडु के मंत्री और टीवीके नेता आर. निर्मल कुमार ने दावा किया कि डीएमके नेतृत्व, जिसमें एम.के. स्टालिन और उदयनिधि शामिल हैं, ने सेंथिल बालाजी जैसे लोगों के इशारे पर टीवीके के कई विधायकों से संपर्क किया और उन्हें 10 करोड़ से 50 करोड़ रुपये तक की पेशकश की। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पुलिस ने कृष्णगिरि जिले के उथंगराई विधानसभा क्षेत्र से टीवीके विधायक एन. इलैयाराजा से संपर्क करने के आरोप में नरेश नामक व्यक्ति समेत तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया है। पुलिस के अनुसार, विधायक को विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव में उनके सहयोग के बदले 35 करोड़ रुपये का प्रलोभन दिया गया था। कुमार ने आरोप लगाया कि पिछले लगभग 40 दिनों से डीएमके और एआईएडीएमके के शीर्ष नेता अनुचित तरीके से सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इन सभी घटनाक्रमों से तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है।

अमन की आशा पहल पर प्रियंका चतुर्वेदी ने दागे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद बहाल करने की मांग को लेकर लिखे गए संयुक्त पत्र पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करने वालों पर सवाल उठाते हुए कहा कि बार-बार उसी विचार को आगे बढ़ाया जा रहा है, जिसे अधिकांश भारतीय पहले ही खारिज कर चुके हैं। प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि अमन की आशा पहल का समर्थन करने वाले लोगों को यह बताना चाहिए कि वे पाकिस्तान से बातचीत के बेकार विचार को लगातार क्यों दोहरा रहे हैं। उन्होंने पूछा, क्या आपने पिछली कोशिशों से कोई सबक नहीं सीखा? क्या आप 26/11 मुंबई आतंकी हमले और 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले को भूल गए हैं? दरअसल, एक दिन पहले भारत और पाकिस्तान के 100 से अधिक प्रतिष्ठित नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को संयुक्त पत्र लिखकर दोनों देशों के बीच शांति, सामान्य कूटनीतिक संबंध और संवाद प्रक्रिया बहाल करने की अपील की थी। पत्र में नई दिल्ली और इस्लामाबाद में उच्चायुक्तों की नियुक्ति, सामान्य वीजा सेवाएं फिर से शुरू करने और दोनों देशों के बीच एयरस्पेस खोलने जैसी मांगें भी शामिल थीं। इस पहल पर हस्ताक्षर करने वालों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की महबूबा मुफ्ती, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा, पूर्व रॉ प्रमुख ए.एस. दुलत, पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर, पूर्व सांसद जवाहर सरकार, मीरवाइज उमर फारूक, प्रो. अपूर्वानंद, संदीप पांडेय, मोहम्मद यूसुफ तारिगामी, रीता मंचंदा और अन्य प्रमुख हस्तियां शामिल हैं।

मप्र भाजपा में 'चिट्ठी बम' से हड़कंप; विजयवर्गीय के कथित पत्र से सियासी पारा चढ़ा

- इंदौर के विकास, प्रशासनिक अनदेखी और विभागीय असहयोग पर उठे सवाल, विपक्ष ने साधा निशाना

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की सियासत में बुधवार को उस समय तेज हलचल मच गई जब नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का मुख्यमंत्री मोहन यादव को लिखा एक कथित पत्र सामने आने की चर्चा ने राजनीतिक गलियारों में गर्मी बढ़ा दी। इस पत्र को लेकर सत्ताधारी भाजपा के भीतर असंतोष और प्रशासनिक खींचतान की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सूत्रों के अनुसार, 20 जून की तारीख वाले इस कथित पत्र में इंदौर के विकास कार्यों, विशेषकर मास्टर प्लान में देरी, मेट्रोपॉलिटन रीजन में इंदौर की स्थिति तथा नगरीय विकास विभाग के कामकाज को लेकर गंभीर आपत्तियां जताई गई हैं। पत्र में यह भी उल्लेख है कि पिछले ढाई वर्षों से उन्हें लगातार ÷असहयोग, उपेक्षा और विरोध÷ का सामना करना पड़ रहा है।

कथित पत्र में यह आरोप भी लगाए गए हैं कि विभागीय स्तर पर महत्वपूर्ण तबादलों और निर्णयों में मंत्री की सहमति या जानकारी को दरकिनार किया जा रहा है। साथ ही, इंदौर से जुड़े विकास प्रकरणों पर अपेक्षित गति नहीं मिलने पर असंतोष जताया गया है।

बताया जा रहा है कि पत्र के अंत में चेतावनी भरे अंदाज में यह भी कहा गया है कि यदि शहर के विकास से जुड़े मुद्दों का समाधान शीघ्र नहीं हुआ तो वे जनता के बीच जाकर अपनी बात रखने को मजबूर होंगे।

हालांकि, इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कैलाश विजयवर्गीय ने मीडिया के सवालों को टालते हुए कहा कि उन्हें इस पत्र की जानकारी नहीं है और इसकी वास्तविकता के लिए अखबारों से पूछा जाना चाहिए। उनके इस बयान के बाद मामला और अधिक उलझ गया है।

उधर, विपक्षी कांग्रेस ने इस घटनाक्रम को भाजपा के भीतर गहरे मतभेद और आंतरिक शक्ति-संघर्ष का संकेत बताया है। कांग्रेस नेताओं में दिग्विजय सिंह और उमंग सिंघार सहित अन्य नेताओं ने इसे लेकर सोशल मीडिया पर तंज कसे हैं।

कांग्रेस का कहना है कि यह स्थिति सरकार के भीतर समन्वय की कमी और प्रशासनिक निर्णयों में टकराव को दर्शाती है, जिसका असर राज्य के विकास कार्यों पर पड़ सकता है।

फिलहाल, कथित पत्र की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह मामला राजनीतिक हलकों में चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है।

महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर की पड़ताल: शिंदे का लक्ष्य बहुमत या फडणवीस?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर दल-बदल और आंतरिक सत्ता संघर्ष के चरम पर है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) को लगातार झटके लग रहे हैं। लोकसभा के छह सांसदों के पाला बदलने के ठीक एक हफ्ते बाद, उद्धव सेना के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सचिन अहीर ने भी पाला बदल लिया है। बुधवार को उन्हें सत्तारूढ़ शिवसेना यानी एकनाथ शिंदे गुट के उम्मीदवार के रूप में निर्विरोध विधान परिषद का उपसभापति चुना गया। आदित्य ठाकरे के बेहद करीबी माने जाने वाले सचिन अहीर का यह कदम उद्धव गुट के लिए एक बड़ा मनोवैज्ञानिक झटका है, जिसने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की राजनीतिक ताकत को और मजबूत कर दिया है। राजनीतिक गलियारों में उद्धव सेना के सांसदों और नेताओं के इस सामूहिक दल-बदल को ऑपरेशन टाइगर का नाम दिया जा रहा है। इस ऑपरेशन के जरिए शिंदे न केवल राज्य की राजनीति में, बल्कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के भीतर भी खुद को एक अपरिहार्य नेता के रूप में

स्थापित करने में सफल रहे हैं।

महाराष्ट्र के राजनीतिक विश्लेषकों और अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, इस ऑपरेशन टाइगर के पीछे मुख्य रूप से दो बड़े कारण माने जा रहे हैं। पहला कारण संसद में दो-तिहाई बहुमत की रणनीति है। कहा जा रहा है कि इस ऑपरेशन को भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की हरी झंडी मिली है, क्योंकि केंद्र सरकार को आने वाले समय में परिसीमन, एक राष्ट्र, एक चुनाव और महिला आरक्षण जैसे कुछ बेहद महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधन विधेयकों को संसद में पारित कराना है, जिसके लिए लोकसभा और राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। शिंदे की यह मुहिम इस बहुमत को जुटाने में मददगार साबित हो रही है। दूसरा कारण एकनाथ शिंदे की अपनी महत्वाकांक्षा है। साल 2024 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को 132 सीटें मिली थीं, जबकि शिंदे की शिवसेना को 57 और एनसीपी (अजीत पवार) को 41 सीटें मिलीं, जिसके कारण मुख्यमंत्री पद देवेंद्र फडणवीस के पास चला गया और शिंदे को उपमुख्यमंत्री पद से संतोष करना पड़ा। शिंदे गुट का मानना है कि महायुति की चुनावी जीत उनकी सरकार की लाडकी बहिन योजना के कारण हुई थी, इसलिए सीएम पद न मिलने से शिंदे काफी समय से असहज थे। अब वे भाजपा के केंद्रीय आलाकमान के पसंदीदा नेताओं की सूची में आकर 2029 के चुनावों के लिए फिर से शीर्ष पद पर अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और दिलचस्प पहलू महायुति गठबंधन के भीतर का आंतरिक सत्ता संघर्ष है। गठबंधन के ही कुछ अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि शिंदे के राजनीतिक कद को जानबूझकर बढ़ावा देना एक रणनीतिक चाल भी हो सकती है, ताकि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बढ़ते प्रभाव को नियंत्रित रखा जा सके।

राम मंदिर दान चोरी : चंपत राय लापरवाह हैं तो एक्शन होगा : आलोक कुमार

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में हुई दान चोरी की घटना ने दुनियाभर के हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया है। इस मामले में एसआईटी जांच के बाद राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय पर विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) की संभावित कार्रवाई को लेकर वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने एक साक्षात्कार में स्वीकार किया कि चंपत राय लापरवाही के दोषी हो सकते हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि परिषद उनके खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई पर विचार करने से पहले एसआईटी जांच के नतीजों का इंतजार करेगी। इसके बाद मछली बड़ी हो या छोटी सभी पर एक्शन होगा। आलोक कुमार ने यह भी साफ किया कि राम मंदिर में हुई दान चोरी के लिए विश्व हिंदू परिषद सीधे तौर पर जवाबदेह नहीं है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के दिन ही उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि वीएचपी का काम अब खत्म हो गया है और मंदिर का निर्माण तथा उसका संचालन करना उनका काम नहीं है। उन्होंने इस चोरी को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि इस घटना का बचाव करने या कोई बहाना बनाने का सवाल ही नहीं उठता, और परिषद चाहती है कि पुलिस तथा एसआईटी सभी कोणों से इसकी गहन जांच करे। चंपत राय वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं, लेकिन आलोक कुमार ने कहा कि वीएचपी ने उन्हें ट्रस्ट के महासचिव पद के लिए नामित नहीं किया था और वह वहां वीएचपी का प्रतिनिधित्व नहीं करते। उन्होंने आरोप लगाया कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर इस मामले में वीएचपी, आरएसएस और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को निशाना बनाया जा रहा है। कुमार ने यह भी बताया कि अभी तक चंपत राय पर सीधे तौर पर कोई आरोप नहीं लगे हैं, बल्कि आरोप उनके ड्राइवर पर हैं, जिसके पास स्ट्रॉन्ग रूम की चाबियां थीं।

शांति के लिए दुश्मनों से भी बातचीत जरूरी: पूर्व रॉ प्रमुख दुलत

भारत-पाक संवाद बहाल करने की अपील का समर्थन, बोले- युद्ध नहीं, कूटनीति ही स्थायी समाधान का रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से ठप पड़े संवाद को फिर से शुरू करने की मांग के बीच रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख अमरजीत सिंह दुलत ने कहा है कि शांति स्थापित करने के लिए बातचीत आवश्यक है और कूटनीति का मूल सिद्धांत यही है कि बातचीत दुश्मनों से की जाती है, क्योंकि दोस्त तो पहले से ही साथ होते हैं।

भारत और पाकिस्तान के 100 से अधिक प्रमुख नागरिकों द्वारा दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों को लिखे गए संयुक्त पत्र का समर्थन करते हुए दुलत ने कहा कि कूटनीति और शांति स्थापना के लिए संवाद हमेशा जरूरी होता है। उन्होंने स्वीकार किया कि कश्मीर में आतंकवाद और हालिया पहलगाम हमले में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर कोई संदेह नहीं है, लेकिन इसके बावजूद बातचीत बंद रखना बेहतर विकल्प नहीं हो सकता।

एक बातचीत के दौरान दुलत ने कहा, शांति कायम करने के लिए सबसे पहले अपने दुश्मनों से ही बात की जाती है। बातचीत सफल होगी या नहीं, यह समय बताएगा, लेकिन संवाद का रास्ता बंद कर देना समाधान नहीं है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि मित्र देशों के नेताओं के साथ संवाद संभव है तो पड़ोसी देशों के बीच भी बातचीत की संभावनाएं तलाशनी चाहिए। उन्होंने पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का जिक्र करते हुए कहा कि वे हमेशा भारत-पाक शांति के समर्थक रहे हैं। दुलत ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की लाहौर यात्रा और उनका प्रसिद्ध संदेश हम जंग नहीं होने देंगे भी याद किया।

पूर्व रॉ प्रमुख ने कहा कि चाहे अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल हो, डॉ. मनमोहन सिंह का दौर या वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण, सभी ने अलग-अलग अवसरों पर यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। उनके अनुसार, दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए कूटनीतिक संवाद ही सबसे प्रभावी माध्यम है।

इसरो के सैटेलाइट ने भेजी मॉनसून की तस्वीरें, देखकर टेंशन हुई खत्म

-1500 किलोमीटर लंबी बारिश वाले बादलों की पट्टी दिखी, खूब बरसेगा पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के सैटेलाइट ने मॉनसून की काफी सुखद तस्वीरें दिखाई हैं। इन्हें देखकर पिछले कुछ दिनों से चली आ रही सबसे बड़ी टेंशन दूर हो जाएगी। सैटेलाइट की तस्वीरों ने मॉनसून की जबर्दस्त वापसी दिखाई है, ऐसे में 125 साल में 5वें सबसे ज्यादा सूखे रहे जून की भरपाई होने की संभावना है। इसरो ने बुधवार को सैटेलाइट से ली गई तस्वीरें जारी की हैं। इनमें साफ दिख रहा है कि अब उत्तर भारत में मानसून के घने बादल बहुत तेजी से फैल रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई की शुरुआत में अब मानसून जोर पकड़ रहा है

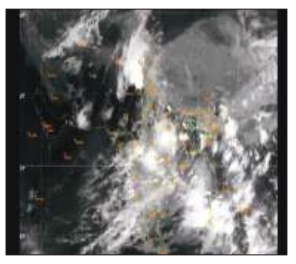

और आने वाले दिनों में अच्छी बारिश हो सकती है। इसरो की सैटेलाइट की इंफ्रारेड तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि मध्य भारत से लेकर उत्तर भारत के मैदानी इलाकों तक घने बादल छाए हुए हैं। बंगाल की खाड़ी से मौसम के बड़े बदलाव आ रहे हैं जिससे मानसून एकाएक सक्रिय हो गया है। इसके अलावा देखा भी जा रहा है कि इन बादलों की वजह से उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में अच्छी बारिश हो रही है। 2 जुलाई को दिल्ली समेत आसपास के इलाकों में भी बारिश की शुरुआत हो गई।

सैटेलाइट तस्वीरों में इस हफ्ते करीब 1500 किलोमीटर लंबी लगातार बारिश वाली बादलों की पट्टी दिखी जो पश्चिम बंगाल से लेकर जम्मू-कश्मीर तक फैली हुई थी। यह बताता है कि बादल बिखरे हुए नहीं हैं, बल्कि एक लंबी कतार में जुड़े हैं और अगर एक बार मॉनूसन की बारिश शुरू होती है तो फिर वह छिटपुट नहीं होगी बल्कि लगातार और मूसलाधार होगी। इसका फायदा जमीन, खेत, किसान और मौसम को होगा। गर्मी से राहत मिलेगी और सूखे की आशंकाओं पर भी विराम लगेगा। लिहाजा अब अल नीनो के असर से घबराने की जरूरत नहीं है। इन तस्वीरों से साफ है कि मौसम अब राहत देने के मूड़ में है और जुलाई में जून की भरपाई हो सकती है।

अमरनाथ यात्रा शुरू, जम्मू-कश्मीर एलजी ने हरी झंडी दिखाकर पहले जत्थे को किया रवाना

-बम-बम भोले के जयघोष के बीच श्रद्धालुओं में उत्साह, प्रशासन ने किए सुरक्षा इंतजाम

जम्मू (एजेंसी)। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए बहुप्रतीक्षित श्री अमरनाथ यात्रा 2026 का गुरुवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास बेस कैंप से जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष के बीच श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच तीर्थयात्रियों का काफिला बालटाल और पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

यात्रा के पहले दिन भगवती नगर बेस कैंप में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। प्रशासन की ओर से यात्रियों के पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच और अन्य औपचारिकताएं पूरी कर उन्हें निर्धारित वाहनों से उनके गंतव्य की ओर भेजा गया। सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में पूरे काफिले की आवाजाही सुनिश्चित की गई। इस साल यह यात्रा 57 दिनों तक चलेगी। श्रद्धालु समुद्र तल से करीब 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा तक दो मार्गों से पहुंचेंगे। इनमें अनंतनाग जिले का पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले का 14 किलोमीटर लंबा, लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाला बालटाल मार्ग शामिल है। दोनों मार्गों से यात्रा एक साथ संचालित की जाएगी।

यात्रा को लेकर जम्मू रेलवे डिवीजन ने भी तैयारियां की हैं। रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए अतिरिक्त इंतजाम किए हैं। भीड़ प्रबंधन, टिकट जांच, सुरक्षा निगरानी और जरूरी सेवाओं को लेकर विशेष योजना लागू की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जम्मू के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल ने बताया कि अमरनाथ यात्रा जम्मू-कश्मीर ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए अहम धार्मिक आयोजन है। इसे देखते हुए रेलवे ने सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और यात्री सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए रेलवे स्टेशन और अन्य प्रमुख स्थानों पर पेयजल, भोजन, विश्राम और सहायता केंद्र जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यात्रियों को सही जानकारी और मार्गदर्शन देने के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित किए गए हैं। प्रशासन ने यात्रा मार्ग पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है और पूरे मार्ग पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं, आपदा प्रबंधन और आपातकालीन सहायता के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। प्रशासन को उम्मीद है कि इस साल भी यात्रा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न होगी।

साइबर अपराध पर शुभेंदु सरकार सख्त, सभी थानों में स्थापित होंगे साइबर सहायता केंद्र

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार ने सभी थानों में साइबर सहायता केंद्र (साइबर हेल्प डेस्क) स्थापित करने का फैसला किया है। पुलिस अधिकारियों के साथ बृहस्पतिवार को हुई समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि साइबर ठगी अब महामारी का रूप ले चुकी है और ग्रामीण व कमजोर तबके के लोग भी बड़ी संख्या में इसका शिकार हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता दरबार में हर सप्ताह साइबर ठगी के कई मामले सामने आते हैं। कई लोगों के बैंक खातों से सरकारी योजनाओं की राशि भी कुछ ही सेकंड में निकाल ली जाती है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से शुरू किए जा रहे साइबर सहायता केंद्र पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराएंगे। सरकार के अनुसार, प्रत्येक थाने में साइबर हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे। साइबर अपराधों की जांच के लिए

पुलिसकर्मियों को वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त कर्मियों की नियुक्ति भी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि साइबर ठगी होने पर तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि शुरुआती गोल्डन ऑवर के भीतर सूचना मिलने पर ठगी गई रकम को रोकने या वापस पाने की संभावना अधिक रहती है। सरकार ने क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े वित्तीय अपराधों की निगरानी भी मजबूत करने की बात कही है।

यूजरनेम विवाद के बाद सरकार सख्त, व्हाट्सएप के बाद टेलीग्राम और सिग्नल को भी नोटिस

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। यूजरनेम विवाद के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने अब टेलीग्राम और सिग्नल को भी नोटिस भेजा है। पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। सूत्रों के अनुसार, टेलीग्राम को भेजे गए नोटिस में सरकार ने पूछा है कि उसे यूजरनेम फीचर बनाए रखने की अनुमति क्यों दी जानी चाहिए। साथ ही यह भी पूछा गया है कि प्लेटफॉर्म धोखाधड़ी और पहचान की नकल (इम्परसनेशन) से जुड़ी चिंताओं को कैसे संभाल रहा है। इससे पहले, भारत सरकार ने व्हाट्सएप के नए यूजरनेम फीचर के रोलआउट पर फिलहाल रोक लगा दी है। सरकार को डर है कि इस फीचर से साइबर अपराध, फिशिंग और डिजिटल अरेस्ट जैसी घटनाओं में तेजी आ सकती है। केंद्र सरकार ने मेटा को नोटिस भेजकर तीन दिनों के भीतर इस पर विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने अब अपनी जांच का दायरा अन्य मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स तक भी बढ़ा दिया है। सूत्रों के अनुसार, आईटी मंत्रालय ने टेलीग्राम और सिग्नल को भी पत्र लिखा है। दोनों प्लेटफॉर्म्स में पहले से यूजरनेम फीचर मौजूद है और उनसे पूछा गया है कि वे धोखाधड़ी और पहचान की नकल से जुड़ी चिंताओं को कैसे नियंत्रित कर रहे हैं। आईटी मंत्रालय का मानना है कि यूजरनेम फीचर की मदद से जालसाज सरकारी एजेंसियों, बैंकों या मशहूर हस्तियों के नाम से मिलते-जुलते अकाउंट बना सकते हैं। इससे लोगों की पहचान चोरी करना और उन्हें ठगना आसान हो जाएगा। सरकार ने साफ किया है कि जब तक वह सुरक्षा उपायों से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हो जाती, तब तक भारत में यह फीचर रोलआउट नहीं होगा। सरकार ने मेटा से पूछा है कि उन पर आईटी अधिनियम के तहत कार्रवाई क्यों न की जाए। भारत व्हाट्सऐप का सबसे बड़ा बाजार है, जहां इसके 50 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता हैं। यहां इसका उपयोगकर्ता (यूजर्स) आधार टेलीग्राम से कहीं अधिक है। पिछले एक महीने में टेलीग्राम भी भारत में नियामकीय जांच के दायरे में रहा है। उस पर धोखाधड़ी, पहचान की नकल और संवेदनशील सामग्री के प्रसार को लेकर सवाल उठे थे। इससे पहले सरकार ने टेलीग्राम और उससे जुड़े वेब सेवाओं पर 22 जून तक प्रतिबंध लगाया था, क्योंकि प्लेटफॉर्म पर नीट परीक्षा के लीक और फर्जी पेपर, भ्रामक सामग्री और मेडिकल प्रवेश परीक्षा से जुड़ी धोखाधड़ी को रोकने में विफल रहने के आरोप लगे थे। हालांकि, एक सप्ताह के सरकारी प्रतिबंध के बाद यह सेवा भारत में फिर से शुरू हो गई।

दिल्ली में दर्दनाक हादसा, घर की रसोई में आग से दो भाई बुरी तरह झुलसे

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के अजमेरी गेट इलाके में एक घर की रसोई में आग लगने से दो भाई झुलस गये। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के मुताबिक, गुरुवार देर रात करीब 11.25 बजे अजमेरी गेट के पास मोहल्ला नियरियान के एक घर में आग लगने की सूचना मिली।

दमकल की दो गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। अधिकारियों ने कहा कि जब तक अग्निशमन कर्मी घर पहुंचे, तब तक आग से दो लोग झुलस चुके थे, जिन्हें पीसीआर और स्थानीय निवासियों ने लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि आग घर की रसोई तक ही सीमित थी और उस पर काबू पा लिया गया। उनके मुताबिक, वारिस (14) लगभग 35 प्रतिशत जल गया और फरीद (18) करीब 20 प्रतिशत तक झुलस गया।

यमुना के साथ बहता रोजगार, नाविकों की विरासत और रोजी पर मंडराया खतरा

नई दिल्ली। यमुना बाजार इलाके में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद वहां रहने वाले नाविक समुदाय के सामने सिर्फ घर खोने का संकट नहीं है, बल्कि उनकी पीढ़ियों पुरानी आजीविका भी खतरे में पड़ गई है। यमुना के फ्लडप्लेन क्षेत्र में बसे ये परिवार दशकों से नाव चलाने, धार्मिक अनुष्ठानों और तीर्थयात्रियों को नदी पार कराने का काम करते आए हैं। गुरुवार को कार्रवाई के दौरान बुलडोजर ने घाट नंबर 2 और 32 के बीच बसी झुग्गियों और अस्थायी ढांचों को हटा दिया। इससे कई परिवार बेघर हो गए और उन्हें पास के शेल्टर होम की ओर जाना पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार, लगभग 100 से अधिक परिवार इस कार्रवाई से प्रभावित हुए हैं। नाविक समुदाय से आने वाले रमेश कुमार ने बताया कि यमुना उनके लिए सिर्फ नदी नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। वे पीढ़ियों से इसी नदी पर निर्भर हैं। उनका परिवार करीब 150 से 200 साल से इसी काम में लगा हुआ है। उन्होंने बताया कि अब उनके सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि नदी से दूर जाकर वे अपना काम जारी नहीं रख सकते। नाविक सुधाकर कुमार निषाद ने बताया कि वे सुबह से घटनास्थल पर स्थिति देख रहे हैं। उनके अनुसार, उनकी नाव ही उनकी एकमात्र संपत्ति है, जिससे उनका पूरा परिवार चलता है। अब उनके बच्चों की पढ़ाई और घर के खर्च को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि प्रशासन ने कुछ दिन पहले यमुना फ्लडप्लेन क्षेत्र को खाली करने का नोटिस दिया था। इसके बाद 24 जून को कार्रवाई की गई। प्रशासन का कहना है कि यह इलाका यमुना के 'ओ-जोन' फ्लडप्लेन का हिस्सा है, जहां निर्माण प्रतिबंधित है। हालांकि, प्रभावित परिवारों का कहना है कि उन्हें सिर्फ जगह खाली करने को कहा गया, लेकिन आजीविका के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बताई गई। उनका कहना है कि अगर वे नदी से दूर हुए, तो उनका पारंपरिक काम पूरी तरह खत्म हो जाएगा। एक अन्य नाविक विजय निषाद ने दावा करते हुए बताया कि उनका परिवार लगभग 200 साल से इस क्षेत्र में रह रहा है और यही उनका मुख्य रोजगार है। उन्होंने कहा कि हाल ही में एक घटना में स्थानीय नाविकों ने यमुना में कूदकर एक युवती की जान बचाई थी, जो इस समुदाय के नदी से गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। वहीं, नाविक राजेश ने बताया कि उनका परिवार कई पीढ़ियों से यमुना किनारे काम कर रहा है। यही उनकी आजीविका का एकमात्र साधन है। उन्होंने बताया कि अब उनके सामने सबसे बड़ी समस्या परिवार का पालन-पोषण और बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाने की है।

धौलाकुआं के सबवे में चाकू से गोदकर राजमिस्त्री की हत्या

नई दिल्ली। धौलाकुआं इलाके में एक सबवे में 62 साल के राजमिस्त्री की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त झारखंड निवासी चंपई के रूप में हुई है। वह झारखंड से दिल्ली पहुंचने के बाद भिवाड़ी जाने के लिए धौलाकुआं आए थे। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर एक आरोपी अनिल मंडल को गिरफ्तार किया है। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह 6.45 बजे धौलाकुआं चौकी पुलिस को सबवे के अंदर एक व्यक्ति के खून से लथपथ हालत में पड़े होने की जानकारी मिली। वहां पहुंचने पर एक व्यक्ति के शरीर पर चाकू के कई घाव थे। पुलिस ने उसे पास के अस्पताल में लेकर गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दिल्ली कैंट थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। जांच में पता चला कि चंपई झारखंड के घाटशिला से ट्रेन के जरिए दिल्ली आए थे। वह हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद राजस्थान के भिवाड़ी जाने के लिए धौलाकुआं पहुंचे थे। भिवाड़ी में वह किराये के कमरे में रहकर राजमिस्त्री का काम करते थे। उनका परिवार झारखंड में रहता है। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच की। उसमें पुलिस ने चंपई के साथ एक व्यक्ति को सबवे में जाते देखा। घंटों की तलाश के बाद पुलिस ने संदिग्ध को घटनास्थल के आस पास से पकड़ लिया। उसकी पहचान 48 साल के अनिल मंडल के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि अनिल पहले दिल्ली में ऑटो चलाता था। कुछ साल पहले वह बिहार स्थित अपने गांव लौट गया। वहां पत्नी से विवाद होने पर वह वापस दिल्ली आ गया और धौलाकुआं के पास आवारागर्द की तरह रह रहा था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि शुरुआती पूछताछ में लूटपाट का विरोध करने पर हत्या की बात सामने आई है।

शराब ठेके पर फायरिंग, दो सेल्समैन को लगी गोली

मुरादाबाद। मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को शराब के ठेके पर विवाद के बाद फायरिंग हो गई। इसमें ठेके पर कार्यरत दो सेल्समैन गोली लगने से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर आसपास के लोग बड़ी संख्या में एकत्र हो गए। जानकारी के अनुसार पंडित नगला बाईपास पर स्थित शराब के ठेके पर विक्की और राकेश नामक सेल्समैन मौजूद थे।

NAME CHANGE
I hitherto known as RASHEEDA KHATOON D/O Late. MOHD NAIMUL HASAN ANSARI, W/O MOHD SAMEER ANSARI, R/O B-42, FOURTH FLOOR, BACK SIDE, SHAHEEN BAGH, JAMIA NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI-110025, have changed my name and shall hereafter be known as RASHEEDA for all purpose in future.

NAME CHANGE
I, KAYOOM S/O ABDUL HAFEEZ Residing at H. NO. 630, Gali No-26, Jafrabad, Seelampur, North East Delhi, Delhi -110053 have changed my name to QAYYUM KHAN for all future purpose

NAME CHANGE
I hitherto known as PARVINDER KUMAR S/O BRIJ LAL Residing at A-343, MAIDAN GARHI ROAD, CHATTARPUR ENCLAVE, PHASE-2, CHATTARPUR, SOUTH DELHI, DELHI-110074, have changed the name of my minor daughter DIMPAL ALIAS DIMPAL GOSWAMI aged 17 years and she shall hereafter be known as DIMPAL GOSWAMI.

NAME CHANGE
I, C K LEENA wife of No.-2607185Y, Rank-HAV, Name-DINESH C B residing at VILL-KODAMBUR, PO-MURNAD (KANTHUR), TEHSIL-MADIKERI, DIST-KODAGU, KARNATAKA-571252, have changed my name from C K LEENA to LEENA C K for all future purposes vide Affidavit dated 02/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.-2607185Y, Rank-HAV, Name-DINESH C B legally father of C D VISMITHA residing at VILL-KODAMBUR, PO-MURNAD (KANTHUR), TEHSIL-MADIKERI, DIST-KODAGU, KARNATAKA-571252, have changed my minor daughter's name from C D VISMITHA to VISMITHA C D for all future purposes vide affidavit dated 02/07/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.-2607185Y, Rank-HAV, Name-DINESH C B legally father of C D VISMAYA residing at VILL-KODAMBUR, PO-MURNAD (KANTHUR), TEHSIL-MADIKERI, DIST-KODAGU, KARNATAKA-571252, have changed my minor daughter's name from C D VISMAYA to VISMAYA C D for all future purposes vide affidavit dated 02/07/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I REMESHCHAND S/O Sh MAWASI RAM, RESIDENT OF 555, MALIKPUR, SONIPAT, HARYANA - 131027 changed my name to RAMESH CHANDER.

नाम परिवर्तन
मैं, रजय मधुकर, पिता लेख राज सिंह, निवासी मकान नं. G-15, G-ब्लॉक, दुर्गा मंदिर के पास, ईस्ट विनोद नगर, पटपड़गंज, पूर्वी दिल्ली-110091, ने अपना नाम रजय मधुकर से बदलकर रजय कुमार मधुकर रख लिया है। भविष्य में मेरे सभी सरकारी, गैर-सरकारी एवं अन्य अभिलेखों में मुझे रजय कुमार मधुकर के नाम से ही जाना एवं पहचाना जाएगा।

PUBLIC NOTICE
MY CLIENTS BABULAL JANGID AND HIS WIFE JASODA JANGID BOTH R/O H.NO.D-19B, GALI NO. 3, SANGAM VIHAR, NEW DELHI 11062, HAVE SEVERED ALL RELATIONS WITH THEIR SON NAMELY SACHIN JANGID FROM THEIR ALL MOVABLE-IMMOVABLE PROPERTIES AND ABOVE NAMED SON IS BEYOND THEIR CONTROL AND SUPERVISION. ANY ACT DONE BY HIM WHICH EVEN INCLUDE MONEY, PROPERTY, EMOTIONAL ACTIVITIES IS NOT RELATED TO MY CLIENTS. MY CLIENTS SHALL NOT BE LEGALLY RESPONSIBLE FOR ANY CLAIM MADE BY HIM OF ANY KIND.
KULDEEP KUMAR
(ADVOCATE)
Chamber No.:- Ch. No. 574,
Saket District Courts,
New Delhi-110017
MOB: 7053221779,8287846190
email:-
advkuldeepgupta0712@gmail.com

सार्वजनिक सूचना
आपको सूचित किया जाता है कि श्री सुखदेव अरोड़ा और श्री मुकेश कुमार गुप्ता, प्लॉट नंबर 92 (क्षेत्रफल 50 वर्ग गज) के मालिक हैं। यह प्लॉट खसरा नंबर 63/2 का हिस्सा है और दिल्ली के हस्तसाल गाँव इलाके में मोहन गार्डन कॉलोनी (ब्लॉक-रू उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059) में स्थित है। वे श्रीमती महारानी देवी द्वारा 18.05.2026 को निष्पादित GPA, ATS और वसीयत के माध्यम से इसके मालिक बने हैं और इसे सोनू कुमार शुक्ला को बेचने जा रहे हैं। कृपया ध्यान दें कि इस प्रॉपर्टी के लिए आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (नोएडा, उत्तर प्रदेश शाखा) से फाइनेंस (ऋण) लेने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE
My client Smt. Rajwanti W/o Late Sh. Rajpal R/o J-74, Shakurpur, Delhi has severed her relations and debarred her son Amit Kumar and his wife Usha and their children from all her movable and immovable property because of their bad behavior and not under control of my client. If anybody deals with them which is at his own risk & responsibility and my client is not responsible for their acts.
AMIT GABA Advocate
Ch.No. T-7,
Tis Hazari Courts, Delhi

NAME CHANGE
I hitherto known as Aatik S/O: Jahid, R/O Bhaipura, post-sahkari nagar, Bulandshahr, Uttar Pradesh, 203150,have changed my name and shall hereafter be known as Mohd Atif.

NAME CHANGE
I, Vishnu Bahadur Thapa S/o Lal Bahadur R/o E-263, Navjeevan Camp, Govindpuri, Kalka Ji, Delhi-110019 have changed my name to Vishnu Bahadur for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Tanishq S/o Arun Kumar R/o - 191, Third Floor, Gali, No.11, Shiv Nagar, New Delhi-110058 have changed my name to Tanishq Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I TANISHQUE MITTAL S/O AMIT MITTAL R/O FLAT NO-G-5 BLOCK-2EXPRESS GARDENS SOCIETY, PLOT NO-6, INDIRAPURAM, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201014 HAVE CHANGE MY NAME TO TANISHQ MITTAL FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, Vijya Devi W/o Gambhir Singh Birthwal R/o X-199/A, Gali No.11/3, X-Block, Brahampuri, Delhi-110053 have changed my name to Vijay Devi.

NAME CHANGE
I GAJENDRA SINGH S/o YAMNESHWAR DAYAL R/o HOUSE NO.E-304, MAIN 30 FUTA ROAD, GOGAJI COMMUNICATION, KHAJOORI KHAS, DELHI-110094. Have changed my name to GAJENDER SINGH PANWAR.

NAME CHANGE
I, KM Farha Naz W/o Mohd Arafeen R/o 2585-86, Gali Shankar, Sita Ram Bazar, Chandni Chowk, Delhi-110006 have changed my name to Ifrha.

NAME CHANGE
I, Ifrha W/o Mohd Arafeen R/o 2585-86, Gali Shankar, Sita Ram Bazar, Chandni Chowk, Delhi-110006 have changed the name of my minor son from Mohammed Arham to Mohd. Arham.

NAME CHANGE
I Kushagra Sharma, S/O Aditya Sharma, R/O A-3/34 Shakti Nagar Extension, Delhi- 110052 have changed my name to Yash Kumar Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as MANJULA GUPTA W/o CHANDRA SEN D/o AVADH KUMAR GUPTA R/o FLAT NO. - 802, PALM GROVE APARTMENTS, F-5, SECTOR-50, NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH - 201301 have changed my name and shall hereafter be known as MANJULA.

NAME CHANGE
I,KRITIKA ARORA D/O PAWAN KUMAR ARORA R/O C-1/6 TIBBIA COLLAGE KAROL BAGH DELHI 110005, CHANGED MY NAME TO KRITIKA.

NAME CHANGE
I NAHIDA SHAMSI W/O SHAHABUDDIN KHAN R/O FD-3 FLAT NO 2A U/G/F NORTH SIDE SHAHEEN BAGH JAMIA NAGAR OKHLA ABUL FAZAL ENCLAVE II SOUTH DELHI HAVE CHANGED MY NAME TO NAHIDA SHAHAB KHAN

NAME CHANGE
I, Parvinder Taneja S/o. Jagjit Singh Taneja R/o. A-960, Sushant Lok Phase-1, Gurgaon Haryana-122001 have changed my name to Parvinder Singh Taneja permanently

NAME CHANGE
I, Anju Rani W/O Varun Batra R/O House No 1404, Sector-14, Hisar Haryana - 125001 have changed my name to Anju Batra for all future purposes.

NAME CHANGE
I, CHANMATHY mother of No.-5456668Y, Rank-HAV, Name-DINESH KUMAR CHAUHAN residing at VILL-MOGLAHA, PO-JHUNGIA BAZAR, TEHSIL-SADAR, DIST-GORAKHPUR, UTTAR PRADESH-273013, have changed my name from CHANMATHY to CHANMATI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 02/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NITU CHAUHAN wife of No.-5456668Y, Rank-HAV, Name-DINESH KUMAR CHAUHAN residing at VILL-MOGLAHA, PO-JHUNGIA BAZAR, TEHSIL-SADAR, DIST-GORAKHPUR, UTTAR PRADESH-273013, have changed my name from NITU CHAUHAN to NEETU CHAUHAN for all future purposes vide Affidavit dated 02/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, USHA KUMARI, wife of Army No-15712836H, Rank- HAV, Name-AJAY SINGH, resident of MAHALA KI DHANI, TEETANWAR, TEHSIL-GUDHA GORJI, DISTT- JHUNJHUNU, RAJASTHAN-333012, husband posted at 22 RAPID (S) Sig Regt (AREN) PIN-917822 C/o 56 APO, in my husband's service records, my name has been wrongly mentioned as USHA DEVI, whereas my correct name is USHA KUMARI, vide affidavit dated 21/05/2026, before Notary Public, Rajasthan.

NAME CHANGE
I NIDA SIDDIQUI W/O SHIRAZ ALI R/O 130/4 SHANKAR VIHAR PO PALAM VIHAR CARTERPURI GURGAON HARYANA-122017, HAVE CHANGED MY NAME TO NIDA FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, SAJID PARVEEN W/o Naseem Ahmed R/o H.No.76, Band Gali, Nr. Saeedia Masjid, Chauhan Banger, Delhi-110053, have changed my name from SAJID PARVEEN to SAJIDA PARVEEN permanently

NAME CHANGE
I, JAMSHED AHMAD, S/O MOHAMMAD YAMEEN, R/O HOUSE NO A-215, FIRST FLOOR, TODAY BLOSSOMS-1, SECTOR-47, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO JAMSHED AHEMAD FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, HARSH YADAV S/O RAJPAL R/O HOUSE NO-642P, SECTOR-10 A,NEAR G D GOENKA PUBLIC SCHOOL, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO HARSH RAO S/O RAJPAL YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I KM SHABEEH ZEHRA W/O ABBAS R/O K-7/C 4TH/F GALI NO-12 BRAHAMPURI SEELAMPUR DELHI-110053 , have changed my name to SHABI ZEHRA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, NO-15492207X, Rank-DFR, Name-KESHAR SINGH GORKHA residing at PLOT NO-40, H.NO-05, SOURABH NAGAR, BHINGAR, AHILIYANAGAR, MAHARASHTRA-414002, have changed my mother's name from KHIMA DEVI to KHIMADEVI RAMSINGH GORKHA for all future purposes vide Affidavit dated 02/07/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, MOHD SHAMSHUDDIN alias SHAMSHUDDIN S/O ABDUL HAMEED R/o 313/4B 1ST FLOOR NEAR BILAL MASJIDTULSI NAGAR DELHI 110035 have changed my name to SHAMSUDDIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANJIDA ALIAS SANJEEDA W/O SHAMSUDDIN R/o 313/4B 1ST FLOOR GALI NO 2 NEAR BILAL MASJIDTULSI NAGAR INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to SANJIDA KHATOON for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHD SADIQUE S/O MOHD FAROOQ R/o 455 1ST FLOOR SHAHZADA BAGH INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to MOHD SADIQ for all future purpose.

NAME CHANGE
I DEEPAK S/O KULDEEP SINGH R/O VILLAGE RATTANTHAL REWARI HARYANA-123301, HAVE CHANGED MY NAME TO DEEPAK KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, MOHD SHAKIR S/O ABDUL HAFEEZ R/o 313/92 F-1 A TULSI NAGAR GALI NO-11 INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to MOHAMMAD SHAKIR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SADIQIN S/O MOHD SUALEHEEN R/o HOUSE NO-378 4TH FLOOR SHAHZADA BAGH INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to MOHD SADIQIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, NASIMA BEGUM W/O MOHD SHAHAN R/O HOUSE NO. 1816 GALI MOHAMMADIN ELACHI WALI TURKMAN GATE DELHI - 110006, HAVE CHANGED MY NAME SPELLING FROM NASIMA BEGUM TO NASEEMA BEGUM FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, NITIN KUMAR SHARMA S/o Narendra Kumar Sharma R/o V/410-411, F/F, Mohalla Maharam, Shahdara, Delhi-110032, have changed my name to NITIN SHARMA permanently

NAME CHANGE
I, SHEESH PAL SINGH S/o Shiv Narayan Singh R/o E-253, 3rd Floor, Central School, Tagore Garden, Delhi-110027, have changed my name to SHISHPAL SINGH permanently.

NAME CHANGE
I, FAROOQ KHAN S/o Mohd Aslam Khan R/o 36/344, Block -36, Trilok Puri, Delhi-110091, have changed my name to MOHAMMED FAROOQ KHAN for all future purposes

NAME CHANGE
I, PRABHA RANI VADHAWAN W/o Naresh Kumar R/o F-49, Mangal Bazar, Vishnu Garden, Tilak Nagar,Delhi-110018, have changed my name to PRABHA RANI permanently.

NAME CHANGE
I, NARESH KUMAR VADHAWAN S/o Wazir Chand R/o F-49, Mangal Bazar, Vishnu Garden, Tilak Nagar, Delhi-110018, have changed my name to NARESH KUMAR permanently

NAME CHANGE
I, RUQAIYA W/o Aamir Malik R/o 334, Street No.6, Gurudwara Mohalla, Maujpur, Delhi-110053, have changed my name to RUQAIYA MALIK permanently

NAME CHANGE
I KUNWAR PAL S/O OM SINGH R/O VILLAGE BAS KUSLA POST OFFICE BHANGROLA GURGAON HARYANA-122505, HAVE CHANGED MY NAME TO KANWAR PAL FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, PRIYANSHU HIMANSHU BHARDWAJ S/O HIMANSHU RAMANAND KUMAR BHARDWAJ R/O H.NO-104,SECTOR-20,GURGAON, HARYANA-122016,HAVE CHANGED MY NAME TO PRIYANSHU BHARDWAJ FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I SANGEETA W/O SUNIL KAPOOR R/O H NO 243P, DHANWA PUR ROAD BIHIND BLUE BELL SCHOOL SECTOR-4 GURGAON HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO SANGEETA KAPOOR FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I PRIYANKA GUPTA W/O ROHIT SAHNI R/O H NO 1469 URBAN ESTATE NEAR HUDA SHOPPING CENTRE SECTOR-4 GURGAON HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO PRIYANKA SAHNI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I SANJIT GHOSH S/O LATE ASHOKE CHANDRA GHOSH R/O H NO 448 BLOCK C-1 NEAR GATE NO 13 PALAM VIHAR CARTARPURI GURGAON HARYANA-122017, HAVE CHANGED MY NAME TO SANJIT KUMAR GHOSH FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I KM SUMAN LATA SHARMA W/O AJAY KUMAR SHARMA R/O PLOT NO 20 GALI NO F 8 J BLOCK SCR MODEL SCHOOL ASHOK VIHAR PHASE-3 GURGAON HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO SUMAN SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, Sandeep Kumar S/O Ram Kumar R/O H No 310, Balore Road Gali No-4, Near Community Centre Arya Nagar Bahadurgarh Jhajjar 124507 I, Have Channged My name To Sandeep Kumar Sharma

NAME CHANGE
I, Namish Kaushik Alias Niyan Kaushik S/O Sandeep Sumar Sharma R/O H No 310, Balore Road Gali No-4, Near Community Centre Arya Nagar Bahadurgarh Jhajjar 124507 I, Have Channged My name To Niyan Kaushik

NAME CHANGE
I REMESHCHAND S/O Sh MAWASI RAM, RESIDENT OF 555, MALIKPUR, SONIPAT, HARYANA - 131027 changed my name to RAMESH CHANDER.

NAME CHANGE
I YASHAWI DUTTA D/0 Sunil Dutta R/0 RZ-15 2nd Floor Opposite GH -8 Area Sayed Gaon Pashchim Vihar Delhi 110087 Changed my name to YASHASWI DUTTA

NAME CHANGE
I hitherto known as VASEEP S/o Shahid Ali, R/o 333, Nahal, PO-Nahal, Distt. Ghaziabad, Uttar Pradesh-201302, have changed my name and shall be hereafter known as WASIF, for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as MUSKAN SINGH D/O Gavendra Singh R/O 1/23 DORI NAGAR BHADESHI POST-KOIL ALIGARH UTTAR 202001, have changed my name and shall hereafter be known as RADHA KUMARI

NAME CHANGE
I hitherto known as DEEKSHA NAGAR alias DEEKSHA SHARMA D/o Bikram Singh Nagar W/o Gaurav Sharma R/o A-802, GH-5, Swasthya Enclave, Doctors Park, Sector-5, Vasundhara, Po. Vasundhara Distt. Ghaziabad Uttar Pradesh-201012 have changed my name and shall hereafter be known as DEEKSHA SHARMA.

NAME CHANGE
I, MADHU BALA KALRA W/O GURCHARAN KALRA residing at H NO-24/17, FIRST FLOOR, OLD RAJINDER NAGAR, CENTRAL DELHI, DELHI-110060 have changed my name to MADHU KALRA for all future purposes.

NAME CHANGE
I,Joshua.S.Chariyan S/o Sanjeev Kumar Chariyan R/o B-46, F-4, Bharat Appartment, Shalimar Garden Extn-2, Sahibabad, PO: Sahibabad, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201005 have changed my name and shall hereafter be known as Joshua Chariyan

NAME CHANGE
I SAIMA W/O HARIS AHMED R/O 587, GALI JUTE WALI CHURIWALAN, JAMA MASJID, DELHI 110006 , have changed my name to SAIMA HARIS AHMED for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHEETAL MEHNDIRATTA D/O SURENDRA NATH DUBEY R/O 275 BHARAT VANDANA APARTMENT POCKET-1, DWARKA SECTOR 19, DWARKA, DELHI 110075 HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS *SHEETAL DUBEY.*

NAME CHANGE
I, SHARADIYA KHAN W/O PINTOO BERA R/O P-25 P-BLOCK VIJAY VIHAR UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059 HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS *SHARADIYA BERA.*

NAME CHANGE
I hitherto known as HASEENA KHATOON W/O MD TAAJ R/O E-1371, J.J. Colony, Bawana, Po-Bawana, Dist-North West Delhi, Delhi-110039 have changed my name and shall hereafter be known as ARFUN NISHA.

NAME CHANGE
I AATIFA NOOR W/O MOHD FARHAN JUMLANA R/O 2114 GALI QASIMJAN AHATA KALEY SAHIB , have changed my name to ATIFA NOOR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MUNINDRA SARMAH father of No 15727605K, Rank-NK, Name-KRISHNA SARMAH of Unit 500 (I) NW SIG COY permanent residing at VILL-BHERIKI, PO & TEH-PANIGAON, DIST-LAKHIMPUR, ASSAM-787052, have changed my name MUNINDRA SARMAH to MUNIN SHARMA for all future purposes vide Affidavit Dated 02/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I AMAIRA BAGGA D/0 Ashok Sethi R/0 7/35 Geeta Colony Delhi 110031 Changed my name to AMAIRA SETHI

NAME CHANGE
I, hitherto known as Rajan W/O Late Virpal Singh R/O ghanghauli, Jaidpura, Aligarh, Jaidpura, Uttar Pradesh, 202165, have changed my name and shall hereafter be known as RAJENDRI.

NAME CHANGE
I hitherto known as NAFISA D/O MOHD ANIS R/O 3819, Gali Hafiz Bane Wali Churiwalan, Delhi G.P.O, Po-Delhi, G.P.O, Dist-North Delhi, Delhi-110006, have changed my name and shall hereafter be known as ANISA.

NAME CHANGE
I, LAXMI W/o Rajesh Kumar Bhatija, R/o H.No. 2, Gali No. 30, A-1 Block Sant Nagar, Burari, PO-Burari, Distt. North Delhi, Delhi-110084, have changed the name of my minor son HARDIK aged 15 years and he shall hereafter be known as HARDIK BHATIJA, for all future purposes.

NAME CHANGE
I,hitherto known as Shammi Sharma alias Shama Rani D/O Sohan Lal W/O Vinod Kumar Sharma, R/O E-2/81 A1, Gali No-2, Shastri Nagar, Shastri Nagar (north West Delhi), PO: Ashok Vihar, DIST: North West Delhi,Delhi - 110052, have changed my name and shall hereafter be known as Shammi Sharma.

NAME CHANGE
I, Chander Hansh, S/O Maha Singh Bidhan, R/O House No-C15, Gali Number- 13, Shastri Park Ext nathpura, Burari, Delhi-110084 have changed my name to Chander Hans Bidhan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Nirmala W/O Sandeep Kumar Sharma R/O H No 310, Balore Road Gali No-4, Near Community Centre Arya Nagar Bahadurgarh Jhajjar 124507 I, Have Channged My name To Nirmala Kumari

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Vilayati Singh S/o Mr. Chanan Singh is the owner of Freehold Residential Plot No. 70A, area measuring 25 Sq. Yds., out of total land area measuring 50 Sq. Yds., out of Khasra No. 4127 Mi., Situated at Vikas Nagar, Phase 2, in the area of Village Loni, Pargana Loni, Tehsil & District Ghaziabad, U.P. by virtue of Regd. GPA dated 12.09.1994, Vide Doc. No. 1137, in Book No. 4, Vol. No. 48A/72, on Pages No. 48/32-34, on dated 12.09.1994, in the office of SR-Ghaziabad. now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Amar Pal and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सड़क हादसों में दो की मौत

सोनीपतः गन्नौर में अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों की मौत हो गई। पहले हादसे में लड़सौली रेस्ट हाउस के पास देर रात एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी दीवार से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार चालक जैनपुर टिकोला निवासी 35 वर्षीय नितिन, घायल हो गया। सूचना मिलते ही थाना बड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकोंने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद स्वजन को सौंप दिया। जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। दूसरे हादसे में जीटी रोड स्थित अपोलो इंटरनेशनल स्कूल के पास मंगलवार रात टैंपो की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। गांधी नगर निवासी 25 वर्षीय आशीष बहालगढ़ स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत था। वह ड्यूटी पर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आए टेंपो ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर थाना बड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले में कार्रवाई शुरू की। उप निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि टेंपो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

गन्नौर-आहुलाना सड़क का दोबारा होगा निर्माण

सोनीपत। गन्नौर से आहुलाना तक जाने वाले मार्ग के पुनर्निर्माण को मंजूरी मिल गई है। करीब 11 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण नाबार्ड योजना के तहत लगभग 11 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। यह सड़क वर्ष 2018 में बनाई गई थी, लेकिन अब इसकी स्थिति खराब होने के कारण इसे पूरी तरह उखाड़कर नए सिरे से तैयार किया जाएगा। मार्ग के निर्माण से गन्नौर, खेड़ी गुज्जर, अटायल व आहुलाना सहित आसपास के कई गांवों के लोगों को बेहतर और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। वर्तमान में सड़क जगह-जगह सड़क क्षतिग्रस्त होने से वाहन चालकों और ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नई सड़क बनने से सफर आसान होने के साथ वाहनों की आवजाही भी सुगम होगी। परियोजना को स्वीकृति मिल चुकी है और लोक निर्माण विभाग निर्माण कार्य शुरू करने की तैयारियों में जुटा हुआ है। जल्द ही आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर पुराने मार्ग को उखाड़कर नए सिरे से सड़क का निर्माण शुरू होगा। ग्रामीणों ने कहा कि नई सड़क बनने से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी और रोजाना आवागमन करने वाले हजारों लोगों को राहत मिलेगी।

सिरसा जिले को बड़ी सौगात, 22 अमृत सरोवरों का उद्घाटन

सिरसा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अंबाला के नारायणगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से सिरसा को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने जिले के 22 अमृत सरोवरों का वर्चुअल माध्यम से उदघाटन किया। इसी कड़ी में सिरसा के स्थानीय पंचायत भवन में जिला स्तरीय अमृत सरोवर उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।अमृत सरोवर मिशन के तहत सिरसा जिला के विभिन्न खंडों के गांवों को शामिल किया गया है। जिन मुख्य गांवों के तालाबों का आज उद्घाटन हुआ उनमें प्रमुख रूप से गांव बीरूवाला गुढा, झोरड़ोही, मलड़ी, नेजाडेला खुर्द के दो तालाब, रोड़ी, अहमदपुर दारेवाला, बनवाला, गोदिकां के दो तालाब, जमाल, रूपावास, पन्नीवाला मोटा, बचेर, बनी, केहरवाला, खारियां, मंगालिया, बाजेकां, भावदीन के दो तालाब तथा शाहपुर बेगू का तालाब शामिल हैं। इस दौरान चेयरमैन देव कुमार शर्मा ने कहा कि अमृत सरोवर मिशन सरकार का एक महत्वाकांक्षी विजन है। इसका मुख्य उद्देश्य गांवों के पुराने तालाबों का जीर्णोद्धार करना है। इन तालाबों को साफ कर इनका सौंदर्यीकरण किया गया है, जिससे न केवल गांवों का पर्यावरण सुधरेगा बल्कि भूमिगत जल स्तर में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि ये सरोवर केवल जल स्रोत नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत का भी महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए इनका संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनाने में सीए की भूमिका अहमः डा. राजभूषण चौधरी

गुरुग्राम। केंद्रीय जलशक्ति राज्य मंत्री डा. राजभूषण चौधरी ने कहा कि विकसित हरियाणा का सपना तभी साकार होगा जब समाज का प्रत्येक वर्ग अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करेगा। उन्होंने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंटों की देश की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका हैं, जबकि चिकित्सक स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देते हैं। उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी से मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। वे यहां भाजपा कार्यालय गुरुकमल में सीए दिवस एवं जीएसटी दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री डा. राजभूषण चौधरी और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने इस अवसर पर प्रदेशभर के 35 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया। इसके साथ ही समाज सेवा और स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पांच चिकित्सकों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा सीए सेल हरियाणा के प्रदेश संयोजक नितिन बंसल ने की।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वास्थ्य अवसंरचना सुदृढ़ीकरण में एपीसीपीएल के योगदान को किया सम्मानित

एजेंसी

साल्हावास। सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए झाड़ली स्थित एपीसीपीएल पॉवर प्लांट को हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान राज्य की स्वास्थ्य मंत्री श्रीमती आरती राव की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया गया। वित्तीय वर्ष 2025- 26 के दौरान एपीसीपीएल ने अपनी नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत सिविल अस्पताल, झज्जर में स्वास्थ्य सुविधाओं के उन्नयन हेतु महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

इस सहयोग के तहत अस्पताल को लेप्रोस्कोपिक सर्जरी सेट, पोर्टेबल डिजिटल रेडियोग्राफी सिस्टम, डिफिब्रिलेटर सहित अन्य आवश्यक आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराए गए। इन उपकरणों के उपयोग से अस्पताल की जांच एवं शल्य चिकित्सा संबंधी क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे मरीजों को समय पर बेहतर जांच और उपचार की सुविधा मिल रही है, वहीं झज्जर तथा आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता भी सुदृढ़ हुई है। हरियाणा सरकार द्वारा प्रदान किया गया यह सम्मान समाज के प्रति पॉवर प्लांट की प्रतिबद्धता और जनहित से जुड़े कार्यों में सक्रिय भागीदारी का परिचायक है।

कंपनी का मानना है कि विकास तभी सार्थक है जब उसका लाभ समाज के हर एक व्यक्ति तक पहुंचे और बुनियादी सेवाएं अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनें। समारोह में एपीसीपीएल की ओर से अरुण कुमार, मुख्य वित्त अधिकारी एपीसीपीएल, अतुल कुमार अग्रवाल, महाप्रबंधक अनुरक्षण तथा राकेश बिष्ट उप महाप्रबंधक मानव संसाधन ने यह सम्मान ग्रहण किया। एपीसीपीएल पॉवर प्लांट द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा और सामुदायिक विकास से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में समय-समय पर किए जा रहे प्रयास क्षेत्र के सामाजिक विकास को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत बनाने की यह पहल भी इसी निरंतर प्रयास का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है, जिसका लाभ आने वाले वर्षों में हजारों लोगों को मिलेगा।

राज सिंह और उर्वशी रंगारा बने अतिरिक्त निदेशक, हरियाणा सरकार ने जारी किए पदोन्नति आदेश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के दो वरिष्ठ अधिकारियों राज सिंह और उर्वशी रंगारा को बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए तत्काल प्रभाव से संयुक्त निदेशक से अतिरिक्त निदेशक के पद पर पदोन्नत कर दिया है। इस संबंध में विभाग की ओर से प्रशासनिक आदेश जारी कर दिए गए हैं। जारी आदेशों के अनुसार दोनों अधिकारियों को एफपीएल-13 (ग्रुप 'ए') वेतन स्तर में पदोन्नति प्रदान की गई है। पदोन्नति तत्काल प्रभाव से लागू होगी और दोनों अधिकारी अब अतिरिक्त निदेशक के रूप में अपनी नई जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। हरियाणा राज्य सेवा नियम, 1982 के तहत दोनों अधिकारियों को एक वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा गया है। हालांकि यदि इस अवधि से पहले उनकी सेवानिवृत्ति होती है तो परिवीक्षा अवधि सेवानिवृत्ति की तिथि तक ही प्रभावी रहेगी। सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के आयुक्त एवं सचिव द्वारा पदोन्नति संबंधी सभी आवश्यक प्रशासनिक आदेश जारी कर दिए गए हैं। माना जा रहा है कि इस निर्णय से विभाग की प्रशासनिक कार्यप्रणाली और जनसंपर्क व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी।

गुरु कृपा ही जीवन की सबसे बड़ी शक्ति हैः डा. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने पानीपत के इसराना स्थित गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर गुरु साहिबान के चरणों में शीश नवाया और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति तथा कल्याण की अरदास की। इस दौरान उन्होंने गुरु महाराज का आशीर्वाद लेते हुए समाज में आपसी भाईचारे, सेवा और सद्भाव की भावना मजबूत होने की कामना की। गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने के बाद डा. अर्चना गुप्ता ने संगत के साथ भी संवाद किया। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि गुरु साहिबान की शिक्षाएं मानवता, सेवा, त्याग और समानता का संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि गुरु कृपा ही जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है जो हर व्यक्ति को सही मार्ग पर चलने और समाज की सेवा करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि हमें गुरु साहिबान के बताए आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि गुरूओं की शिक्षाएं मानव कल्याण का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार भी सेवा, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गुरूओं के आदर्श पर चलते हुए समाज में भाईचारा, सद्भाव और राष्ट्र सेवा की भावना को और मजबूत करना हम सभी का दायित्व है। प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि सेवा, समर्पण और परोपकार की भावना भारतीय संस्कृति की पहचान है तथा गुरु परंपरा हमें इन्हीं मूल्यों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। डा. अर्चना गुप्ता ने प्रदेशवासियों के सुखद, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना करते हुए कहा कि सभी लोग मिलकर सामाजिक सद्भाव और विकास की भावना को मजबूत करें। गुरुद्वारा साहिब में उन्होंने श्रद्धापूर्वक मत्था टेककर प्रदेश और देश की निरंतर उन्नति, शांति तथा खुशहाली के लिए भी अरदास की।

हरियाणा के मुख्य सचिव ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने आज हरियाणा लोक भवन में राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने मुख्य सचिव से प्रदेश से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए इनके प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया, ताकि इन योजनाओं का लाभ अधिकतम पात्र लाभार्थियों तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि सुशासन एवं विकास की गति को बनाए रखने के लिए जनहितकारी योजनाओं का पारदर्शी, प्रभावी और समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने राज्यपाल को शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश के विभिन्न प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में हो रही प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने विकास कार्यों, प्रशासनिक सुधारों तथा जनकल्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी। बैठक के दौरान राज्य के समग्र विकास, सुशासन को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने खोला विकास का पिटारा, 337 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण एवं शुभारंभ

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 325 अमृत सरोवर के साथ-साथ 70 एडवांस्ड लाइफ स्पोर्ट एंबुलेंस जनता को समर्पित की है। मुख्यमंत्री अंबाला के नारायणगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कुल 337 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शुभारंभ किया। 114 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 7 महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परियोजनाएं शामिल हैं। इसके साथ ही 223 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 325 अमृत सरोवर भी प्रदेश की जनता को समर्पित किए गए। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव, विधायक शैली चौधरी, स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा, एनएचएम के एमडी आरएस ढिल्लो तथा पंचायत विभाग के डायरेक्टर अनीश यादव भी मौजूद थे। कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर रहे मंत्रीगण और विधायक तथा अन्य गणमान्य भी जुड़े थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि आज का अवसर केवल नारायणगढ़ के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे हरियाणा के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है, जब उन्होंने आज 337 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शुभारंभ किया है। यह केवल परियोजनाओं का उद्घाटन नहीं है, बल्कि स्वस्थ हरियाणा, समृद्ध

हरियाणा और विकसित हरियाणा के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे पहले उन्होंने डॉक्टर्स डे के अवसर पर देश एवं प्रदेश के सभी डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ, आशा वर्करों तथा स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सभी कर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भारत के महान चिकित्सक, प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, उत्कृष्ट प्रशासक एवं दूरदर्शी राष्ट्र निर्माता डॉ. बिधान चंद्र राय को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि डॉ. राय का यह विचार कि 'स्वस्थ नागरिक ही मजबूत राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं' आज भी अत्यंत प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले साढ़े 11 वर्षों में नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य किए गए हैं। आज की परियोजनाओं सहित इस क्षेत्र में 858 करोड़ रुपये के विकास कार्य किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में कराए गए प्रमुख विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि यमुनानगर-पंचकूला राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-73 का निर्माण 1,112 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। बड़ागढ़ में राजकीय महिला महाविद्यालय, फतेहगढ़-रायवाली सड़क एवं पुल, नारायणगढ़ फोरलेन सड़क, रायवाली सड़क, आधुनिक खेल स्टेडियम सहित अनेक विकास कार्य पूर्ण किए गए हैं। शहजादपुर एवं अंबली में सीएचसी भवन तथा भूरेवाला, धनाना एवं चाणसौली में पीएचसी भवनों का निर्माण एवं विस्तार किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज लगभग 32 करोड़ रुपये की लागत से बने 50-बेड के नए अस्पताल ब्लॉक का उद्घाटन किया गया है, जिससे नागरिक अस्पताल की क्षमता 100 बिस्तरों की हो गई है।

प्रत्येक जिले के नागरिक अस्पताल में प्लेटलेट्स की सुविधा पूरी तरह से मुफ्त : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में मानसून की दस्तक के साथ ही स्वास्थ्य विभाग डेंगू के खिलाफ पूरी तरह से मुस्तैद हो गया है। इसी कड़ी में हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने प्रदेश की जनता को सचेत रहने और सावधानी बरतने की सलाह दी है। स्वास्थ्य मंत्री ने 'आओ मिलकर डेंगू रोकें' का नारा देते हुए राज्य के नागरिकों से अपील की है कि वे जुलाई महीने को 'डेंगू रोधी महीने' के रूप में मनाएं और अपने आस-पास पानी जमा न होने दें। उन्होंने बताया कि डेंगू एडीज मच्छर के काटने से फैलता है, जो मुख्य रूप से दिन के समय काटता है और हमेशा रुके हुए साफ पानी में ही पनपता है। स्वास्थ्य मंत्री ने जनता से अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाने और 'पानी ठहरेगा जहां - मच्छर पनपेगा वहां' की बात को गंभीरता से लेने का आग्रह किया है। आरती सिंह राव ने प्रदेशवासियों को सलाह दी है कि वे प्रत्येक रविवार को अपने घरों में और शुक्रवार को अपने कार्यालयों में 'सुखा दिवस' जरूर मनाएं। इस दिन सभी पानी के बर्तनों, कूलर, टंकी, फ्रिज के पीछे बनी ट्रे, गमले तथा गमलों के नीचे रखी ट्रे को खाली करके कम से कम 24 घंटे

तक सुखाएं ताकि मच्छर के अंडे और लार्वा पूरी तरह नष्ट हो जाएं।

इसके साथ ही उन्होंने छतों पर रखी पानी की टंकियों को हमेशा ढक्कन लगाकर बंद रखने तथा मानसून की बरसात शुरू होने से पहले छत पर पड़े बेकार प्लास्टिक के सामान, पुराने टायर और नारियल के खोल आदि को साफ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि घरों के आस-पास के गड्ढों को मिट्टी से भरवा दें, पूरी बाजू के कपड़े पहनें, मच्छर रोधी क्रीम या कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी का उपयोग करें। स्वास्थ्य मंत्री ने हरियाणा सरकार की ओर से राज्य के नागरिकों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा के प्रत्येक जिले के नागरिक अस्पताल में प्लेटलेट्स की सुविधा पूरी तरह से मुफ्त उपलब्ध करवाई गई है। इसके अतिरिक्त, राज्य के प्रत्येक जिले के नागरिक अस्पतालों में कुल 27 सरकारी डेंगू जांच प्रयोगशालाएं क्रियाशील हैं, जहां डेंगू की जांच पूरी तरह निःशुल्क की जा रही है। निजी क्षेत्र पर नियंत्रण की बात करते हुए उन्होंने साफ किया कि सभी प्राइवेट लैब को एलाइजा आधारित एनएस-1 एवं आई.जी.एम. डेंगू टेस्ट अधिकतम 600 रुपये में ही करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। इन सभी सरकारी सुविधाओं का लाभ लेने के लिए नागरिक अपने जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी या जिला मलेरिया अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन बहुत जिमेदारीपूर्ण कार्यःडीसी

एजेंसी

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने सम्बन्धित अधिकारियों के साथ जिला में चल रहे एसआईआर-2026 अभियान के तहत गणना प्रपत्र संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य की समीक्षा की। उन्होंने सबन्धित ईआरओ को निर्देश दिए कि वो सभी अतिरिक्त ईआरओ ,सुपरवाइजर स्टाफ से समन्वय रखते हुए गणना प्रपत्र डिजिटाइजेशन कार्य को और गति प्रदान करना सुनिश्चित करें ताकि अतिशीघ्र डिजिटाइजेशन कार्य को पूरा किया जा सके। उन्होंने मतदाताओं से एकत्रित किए जा रहे गणना प्रपत्रों तथा उनके डिजिटाइजेशन की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए जरूरी निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने सभी अतिरिक्त ईआरओ व सुपरवाइजर के माध्यम से गणना फार्म के एकत्रीकरण और डिजिटाइजेशन को जिम्मेदारी से पूरा करने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। इस कार्य की हर दो-दो घण्टे में मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शुद्ध और त्रुटि रहित मतदाता सूची लोकतंत्र की असली पहचान है। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान को लेकर 14 जुलाई तक गणना प्रपत्र को एप पर डिजिटाइज करना अत्यंत जरुरी है। ऐसे में प्रत्येक पात्र मतदाता 14 जुलाई का इंतजार ना करते हुए जल्द से जल्द अपना गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को जमा कराएं। फार्म डिजिटाइज होने उपरांत मतदाता सूचियों का ड्राफ्ट प्रकाशन किया जाएगा। डीसी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए गणना प्रपत्र समय पर प्राप्त किए जाएं। उन्होंने कहा कि एकत्रित सभी प्रपत्रों का बिना विलंब के डिजिटाइजेशन किया जाए ताकि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण निर्धारित समयावधि में सफलतापूर्वक पूरा हो सके। जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि इस विशेष अभियान में किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने पुनः अधिकारियों एवं सुपरवाइजर को नियमित मॉनिटरिंग करने तथा अभियान की दैनिक प्रगति पर नजर रखने के निर्देश दिए।

मानसून से पहले जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने पर प्रशासन का फोकस : डीसी

एजेंसी

झज्जर। आगामी मानसून को देखते हुए जिला प्रशासन ने जलभराव की संभावित समस्या से निपटने के लिए पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए हैं। विभागीय स्तर पर जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने पर पूरा फोकस किया जा रहा है। जिला में जल निकासी व्यवस्था प्रभावी रूप से क्रियान्वित हो इसके लिए डीसी वर्षा खांगवाल ने जिला परिषद चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना व सम्बन्धित अधिकारियों के साथ फील्ड विजिट करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

डीसी वर्षा खांगवाल ने रेवाड़ी रोड स्थित ड्रेन, कोसली रोड स्थित एसटीपी प्लांट, कलोई के पास से निकल रही ड्रेन नम्बर 8 सहित अन्य जल निकासी प्रंबधों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समय रहते सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीसी ने नालों की सफाई, सीवरेज व्यवस्था, जल निकासी के लिए लगाए गए पंपसेट तथा अन्य मशीनरी की कार्यक्षमता की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी नालों और ड्रेन की नियमित सफाई कराई जाए ताकि

वर्षा के दौरान पानी का निर्बाध निकास हो सके और कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। डीसी वर्षा खांगवाल ने निर्देश दिए कि सभी पंपसेट पूरी तरह कार्यशील अवस्था में रहें तथा मानसून के दौरान पंप ऑपरेटरों की 24 घंटे ड्यूटी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को संवेदनशील स्थलों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने तथा वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में डीजी सेट पूरी तरह तैयार रखने के निर्देश भी दिए। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य मानसून के दौरान नागरिकों को सुरक्षित एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता से कार्य करें तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पहले से तैयार रहें। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार के झूठे वादों से जनता त्रस्त, प्रदेश बिजली-पानी संकट से जूझ रहा है : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी.) की सदस्य, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा आज बिजली, पेयजल, जल निकासी और बुनियादी सुविधाओं के गंभीर संकट से गुजर रहा है, लेकिन सरकार केवल घोषणाओं और प्रचार में व्यस्त है। जनता को राहत देने के बजाय लगातार भ्रमित किया जा रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि आज पूरे प्रदेश में बिजली संकट गहराता जा रहा है। लगातार बिजली कटौती से आम नागरिक, किसान, व्यापारी और उद्योग सभी परेशान हैं। दूसरी ओर प्रदेश के अनेक हिस्सों में पेयजल का भी गंभीर संकट पैदा हो गया है। सिरसा जिले सहित राजस्थान सीमा से लगते अनेक गांवों में लोगों को पीने के पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। यह स्थिति सरकार की विफल जल प्रबंधन नीति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले वर्षों में जनता से अनेक बड़े-बड़े वादे किए। कभी स्मार्ट सिटी के सपने दिखाए गए, कभी अमृत सरोवर योजना का प्रचार किया गया, कभी वर्ष 2022 तक सभी को पक्का मकान देने का दावा किया गया, कभी किसानों की आय दोगुनी करने और कभी विदेशों से काला धन लाकर प्रत्येक नागरिक को लाभ पहुंचाने जैसी बातें कही गईं। आज इन वादों की वास्तविकता जनता के सामने है और लोग स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार हर वर्ष दावा करती है कि 20 जून तक नहरों, ड्रेनों और नालों की सफाई पूरी कर दी जाएगी, लेकिन 1 जुलाई आने के बावजूद अनेक स्थानों पर न तो सफाई कार्य पूरा हुआ है और न ही घग्गर सहित अन्य नदियों के तटबंधों को पर्याप्त रूप से मजबूत किया गया है। यदि समय रहते आवश्यक कार्य नहीं किए गए तो बरसात के मौसम में जलभराव और बाढ़ जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

ईवी की हिस्सेदारी 2030 तक 20 प्रतिशत पहुंचने से एक लाख करोड़ रुपए कम हो सकता है आयात बिल- एसबीआई रिसर्च

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया संकट के चलते भारतीयों का इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की तरफ रुझान बढ़ा है और 2030 तक ईवी की बाजार हिस्सेदारी 20 प्रतिशत पहुंचने से आयात बिल में एक लाख करोड़ रुपए की कमी आ सकती है। यह जानकारी एसबीआई रिसर्च की ओर से गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। मौजूदा समय में भारतीय बाजार में ईवी की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत है। अमेरिका-ईरान युद्ध 28 फरवरी को शुरू होने के बाद भारत में ईवी के पंजीकरण में जोरदार तेजी देखने को मिली। मार्च-जून की अवधि में देश में औसत 2.3 लाख ईवी प्रति माह पंजीकृत हुए हैं, यह आंकड़ा 2025 में औसत 1.3 लाख प्रति माह था। रिपोर्ट में कहा गया, ÷मौजूदा रफ्तार को देखते हुए, हमें लगता है कि 2026 में कुल ईवी पंजीकरण 25 लाख का आंकड़ा पार कर सकते हैं।÷ कुल पंजीकरण में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। 2024 में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत से भी कम थी, जो 2026 में अब तक बढ़कर 8 प्रतिशत से अधिक हो गई है। कुछ राज्यों में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 29,151 चार्जिंग स्टेशन हैं। कुल चार्जिंग स्टेशनों में से 35 प्रतिशत सिर्फ दो राज्यों (कर्नाटक और महाराष्ट्र) में हैं। नई ईवी पॉलिसी के तहत, दिल्ली सरकार अगले चार सालों में 32,000 चार्जिंग पॉइंट का इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की योजना बना रही है। रिपोर्ट में कहा गया है, ÷ईवी की सफलता काफी हद तक चार्जिंग स्टेशनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।÷ भारत में 2025 तक 2.86 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थीं और यह आंकड़ा 2030 तक 4 करोड़ गाड़ियों तक पहुंचने का अनुमान है। इन गाड़ियों में से 20 प्रतिशत ईवी होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में दिल्ली की नई ईवी पॉलिसी की तारीफ की गई, जिससे तहत पहले तीन सालों में दो-पहिया गाड़ियों के लिए खरीद पर इंसेंटिव (कुल मिलाकर 60,000 रुपए) दिया जाएगा। तीन-पहिया गाड़ियों के लिए, कुल इंसेंटिव 1,20,000 रुपए है। एन1 कमर्शियल ट्रकों को पहले साल में 1 लाख रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। दिल्ली में ईवी के लिए रोड टैक्स और एक बार की रजिस्ट्रेशन फीस पर 100 प्रतिशत छूट दी गई है।

'यूजरनेम' फीचर को व्हाट्सएप ने बताया वैकल्पिक, कहा-फोन नंबर की तरह ही नहीं होगा पाएगा सर्च

नई दिल्ली।

व्हाट्सएप ने अपने नए 'यूजरनेम' फीचर को लेकर एफएक्यू (लगातार पूछे जाने वाले सवालों के जवाब) जारी किया है, जिसमें सोशल मीडिया कंपनी ने कहा कि 'यूजरनेम' फीचर अनिवार्य नहीं, बल्कि वैकल्पिक है। सोशल मीडिया पर जारी इस एफएक्यू में 'यूजरनेम' फीचर की प्राइवेसी पर व्हाट्सएप ने कहा कि जैसे आप व्हाट्सएप में किसी अनजान का फोन नंबर नहीं खोज सकते, वैसे ही आप यूजरनेम भी नहीं खोज सकते हैं। साथ ही, अनचाहे संपर्क को रोकने के लिए सभी मौजूदा उपाय लागू रहेंगे, जिनमें अनजान मैसेज भेजने वालों के बारे में जानकारी देने वाली चेतावनियां (जैसे कि क्या वे नया अकाउंट हैं, क्या आप कोई ग्रुप शेयर करते हैं, या वे किस देश में हैं) और ब्लॉक व रिपोर्ट करने की सुविधा शामिल है। इसके अलावा, कंपनी यूजर्स को सलाह दी कि किसी को आपसे संपर्क करने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप एक यूजरनेम की जोड़ें और ऐसा यूजरनेम चुनें जो व्हाट्सएप पर यूनिक हो। व्हाट्सएप ने आगे कहा कि अगर कोई यूजरनेम इंस्टाग्राम या फेसबुक पर किसी यूजर के द्वारा उपयोग हो रहा है, तो वह उनके लिए रिजर्व होगा। इसके साथ व्हाट्सएप ने कहा ही कि लोग लोकप्रिय या जाने-माने यूजरनेम रिजर्व करने के बारे में जो दावे कर रहे हैं, वह सच नहीं है, सिर्फ असली अकाउंट के मालिक ही मशहूर सार्वजनिक हस्तियों के नाम रिजर्व कर सकते हैं। हमने इस साल के आखिर में यूजरनेम लॉन्च होने से पहले ही रिजर्वेशन की सुविधा शुरू कर दी है, क्योंकि हमें लगता है कि लोग इस बात को लेकर काफी उत्साहित होंगे कि वे व्हाट्सएप पर कौन सा यूजरनेम चाहते हैं। हम इसमें जल्दबाजी नहीं कर रहे हैं और लोगों की राय भी सुन रहे हैं, ताकि जब इसे इस साल के आखिर में लॉन्च किया जाए, तो यह बिल्कुल सही हो।

लगातार दूसरे दिन बाजार में छाई हरियाली, सेंसेक्स में 579 अंकों की उछाल आईटी सेक्टर ने किया बेहतर प्रदर्शन

मुंबई।

अमेरिका और ईरान के बीच व्यापार वार्ता के सकारात्मक संकेतों के चलते तेल की कीमतों में गिरावट आने से गुरुवार के सत्र में भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे कारोबारी दिन तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी50, दोनों में 0.70 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 0.75 प्रतिशत या 579.48 अंक बढ़कर 77,502.12 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी50 0.71 प्रतिशत यानी 169.85 अंक बढ़कर 24,175.70 पर बंद हुआ। दिन के सत्र में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,922.64 से 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77083.14 पर खुला और दिन के कारोबार में इसने 656.28 अंकों यानी 0.85 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,578.93 का इंट्रा-डे हाई छुआ। वहीं एनएसई निफ्टी अपने पिछले बंद 24,005.85 से 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,062.20

पर खुला और दिन के कारोबार में इसने 0.78 प्रतिशत की उछाल के साथ 24194.55 का दिन का उच्चतम स्तर छुआ। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमशः 0.48 प्रतिशत और 1.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

तमिलनाडुः बारिश की कमी के कारण वडामाल्ली के किसानों को भारी नुकसान की आशंका

कोयंबटूर।

लंबे समय से बारिश न होने के कारण तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले के वडमल्ली किसान अपनी फसल बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। थोंडामुथुर ब्लॉक में फूलों वाले पौधों के बड़े-बड़े हिस्से सूखने लगे हैं। इस इलाके के किसानों का कहना है कि गर्मियों में अच्छी बारिश न होने और उसके बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून की कम बारिश की वजह से पानी की भारी कमी हो गई है। इससे ओणम के मुनाफे वाले बाजार के लिए लगाई गई फसलों पर बुरा असर पड़ा है। वडिवेलमपालयम, मुगासिमंगलम, मोलापालयम और कलिमंगलम गांवों में 500 एकड़ से अधिक जमीन पर वडमल्ली (गोम्फ्रेना ग्लोबोसा, जिसे आम तौर पर ग्लोब अमरैंथ कहा जाता है) की खेती की गई है। इस फसल को तैयार होने में लगभग 150 दिन लगते हैं और करीब 120 दिनों के बाद इसमें फूल आने लगते हैं। ओणम के मौसम में केरल में त्योहार की मांग को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर इसकी खेती की जाती है। हालांकि, कई कमर्शियल फसलों की तुलना में इसे कम सिंचाई की जरूरत होती है, लेकिन किसानों का कहना है कि नमी की मौजूदा कमी ने पौधों को खत्म होने की कगार पर पहुंचा दिया है।

अदाणी ग्रुप के लिए ओडिशा पूर्वी भारत के आर्थिक विकास का केंद्र करण अदाणी

भुवनेश्वर/अहमदाबाद।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अदाणी ने गुरुवार को कहा कि अदाणी ग्रुप के लिए ओडिशा पूर्वी भारत के आर्थिक विकास का केंद्र है। उन्होंने यह बयान अदाणी ग्रुप और इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी (आईएचसी) द्वारा ओडिशा में नए एल्युमीनियम प्लांट के लिए 11.5 अरब डॉलर (करीब 1.08 लाख करोड़ रुपए) के निवश के ऐलान के दौरान दिया। लोगों को संबोधित करते हुए करण अदाणी ने कहा कि अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी, ÷ओडिशा में सिर्फ संसाधन ही नहीं, बल्कि मजबूती भी देखते हैं।÷ उन्होंने कहा कि ओडिशा में भारत के औद्योगिक विकास की अगली लहर का नेतृत्व करने की ताकत है और यह प्रोजेक्ट उस दिशा में एक बड़ा कदम है।÷ करण अदाणी ने कहा कि ओडिशा एक अनोखी जगह है जहां पुरानी विरासत और आधुनिक उम्मीदें एक साथ मिलती हैं। उन्होंने कहा, ÷ओडिशा में खनिज संसाधन भरपूर हैं और यह देश की औद्योगिक रीढ़ को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है। इस राज्य में बॉक्साइट का सबसे बड़ा भंडार है, भारत के लौह अयस्क भंडार का 50 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा यहीं है; और यहां कोयले का भी काफी भंडार है, जो बिजली और औद्योगिक विकास में मदद करता है।÷ करण अदाणी ने कहा, ÷मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के असरदार नेतृत्व में एक सक्रिय सरकार और मजबूत पॉलिसी सपोर्ट के साथ, ओडिशा कच्चे माल के आपूर्तिकार्ता से बदलकर वैल्यू-एडेड मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है।÷ उन्होंने आगे कहा कि ÷उद्यम, साहस, संस्कृति और अपार संभावनाओं वाली इस महान धरती पर आज आना सौभाग्य की बात है।÷ करण अदाणी ने आगे कहा, ÷इस तरह के प्रोजेक्ट उस विजन की नींव हैं।

मजबूत आर्थिक संकेतकों से भारत की विकास यात्रा को मिला नया बल, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी अर्थव्यवस्था दिखा रही मजबूती

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार द्वारा जारी ताजा आर्थिक संकेतक बताते हैं कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है।

मजबूत जीडीपी वृद्धि, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का विस्तार, रिकॉर्ड वाहन बिक्री, बेहतर जीएसटी संग्रह और निर्यात में स्थिरता इस बात का संकेत हैं कि देश में घरेलू मांग और निवेश का माहौल लगातार मजबूत बना हुआ है।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जिससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा। अंतिम तिमाही में विकास दर और तेज हुई तथा चौथी तिमाही में रियल जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 7 प्रतिशत से अधिक है। इस वृद्धि में विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, उपभोग और निवेश का महत्वपूर्ण योगदान रहा। देश के विनिर्माण क्षेत्र में भी लगातार मजबूती बनी हुई है। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जून 2026 में 54.2 पर रहा, जो लगातार 37वें महीने 50 अंकों के स्तर से ऊपर बना हुआ है। यह संकेत देता है कि विनिर्माण गतिविधियों में लगातार विस्तार हो रहा है।

सर्वेक्षण के अनुसार उत्पादन, नए ऑर्डर, रोजगार और खरीद गतिविधियों में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है, जो वैश्विक चुनौतियों के बावजूद घरेलू मांग और कारोबारी विश्वास के मजबूत बने रहने को दर्शाती है। सेवा क्षेत्र में भी सकारात्मक रुझान देखने को मिला। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अप्रैल के 58.8 से बढ़कर मई 2026 में 59.8 पर पहुंच गया, जो नवंबर 2025 के बाद सबसे तेज विस्तार को दर्शाता है। औद्योगिक उत्पादन में भी सुधार जारी है। इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (आईआईपी) अप्रैल के 4.9 प्रतिशत से बढ़कर मई 2026 में 5.1 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो पिछले पांच महीनों का उच्चतम स्तर है।

इस वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र की 5.5 प्रतिशत और बिजली एवं गैस आपूर्ति की 9.9 प्रतिशत वृद्धि का अहम योगदान रहा। वहीं, मोटर वाहन और इलेक्ट्रिकल उपकरण जैसे क्षेत्रों में दोहरे अंकों की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा, पूंजीगत वस्तुओं (कैपिटल गुड्स) के उत्पादन में 12.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो निवेश गतिविधियों में तेजी और औद्योगिक क्षमता के विस्तार का संकेत है। केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) अभियान भी नए वित्त वर्ष में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अप्रैल-मई 2026 के दौरान पूंजीगत व्यय 2.51 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 2.21 लाख करोड़ रुपए था। यानी सिर्फ दो महीनों में करीब 29,650 करोड़ रुपए की अतिरिक्त पूंजीगत निवेश किया गया। सरकार का यह निवेश मुख्य रूप से सड़क, रेलवे, दूरसंचार, रक्षा और अन्य बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में किया जा रहा है, जो सार्वजनिक निवेश रणनीति का प्रमुख हिस्सा बना हुआ है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद कर संग्रह भी मजबूत बना हुआ है। अप्रैल-मई 2026 के दौरान सकल कर राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रहा, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार का राजस्व आधार स्थिर बना हुआ है। जून 2026 में सकल जीएसटी संग्रह 13.9 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.95 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष जून में यह 1.71 लाख करोड़ रुपए था। वहीं, 17 जून तक चालू वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 14.64 प्रतिशत बढ़कर 5.21 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिसमें कॉरपोरेट और गैर-कॉरपोरेट दोनों श्रेणियों से कर संग्रह में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई।

एफएसएसएआई ने एनर्जी ड्रिंक के दावे को लेकर रेड बुल, पेप्सिको इंडिया, कैम्पा सहित कई ब्रांड्स को भेजा नोटिस

नई दिल्ली।

भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बेवरेज ब्रांड्स को एनर्जी ड्रिंकशब्द के इस्तेमाल और प्रोडक्ट लेबल पर कथित तौर पर गुमराह करने वाले दावों को लेकर रेड बुल, पेप्सिको इंडिया, कैम्पा सहित कई ब्रांड्स को नोटिस जारी किए हैं। एफएसएसएसएआई का कहना है कि खाद्य सुरक्षा नियमों के तहत ऐसे प्रोडक्ट्स के लिए कोई स्टैंडर्ड तय नहीं किया गया है। सोशल मीडिया पोस्ट में खाद्य नियामक ने कहा कि उसने गलत ब्रांडिंग और लेबलिंग के नियमों के उल्लंघन को लेकर कई ब्रांड्स जैसे रेड बुल एनर्जी ड्रिंक, हेल एनर्जी (हेल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड), कैम्पा एनर्जी ड्रिंक, मॉन्स्टर एनर्जी और पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के एड्रेनालिन रश और स्टिंग को नोटिस भेजे थे। एफएसएसएआई के अनुसार, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 और इसके तहत बने नियमों और रेगुलेशन में एनर्जी ड्रिंक्स या ऐसे ही दूसरे प्रोडक्ट्स के लिए कोई स्टैंडर्ड तय नहीं किया गया है। नियामक ने स्पष्ट किया कि फूड सेफटी एंड स्टैंडर्ड्स (फूड प्रोडक्ट्स स्टैंडर्ड्स एंड फूड एडिटिव्स) रेगुलेशन, 2011 के तहत फूड कैटेगरी सिस्टम का इस्तेमाल प्रोडक्ट का नाम रखने या

लेबलिंग के मकसद से नहीं किया जाना चाहिए। एफएसएसएआई ने आगे कहा कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 के तहत खाद्य उत्पादों के लिए ऐसे दावे करने को मंजूरी नहीं दी गई है जिनसे कार्यात्मक या चिकित्सीय फायदे का पता चले, जैसे कि एनर्जी लेवल बढ़ाना, फोकस बेहतर करना, शरीर और दिमाग को ताजगी देना, दिमाग को स्टिम्युलेट करना, शरीर को एनर्जी देना, आम कमजोरी में मदद करना आदि। नियामक ने यह भी आरोप लगाया कि इन ब्रांड्स ने अपने प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग और लेबलिंग में एनर्जी ड्रिंक जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया और ऐसे दावे किए जो मौजूदा नियमों के तहत मान्य नहीं हैं।

भारतीय शेयर बाजार कच्चे तेल में गिरावट और आईटी शेयर में खरीदारी से उछला; सेंसेक्स 77,000 के पार

मुंबई ।

कच्चे तेल में गिरावट के बीच भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत हरे निशान में हुई। सुबह 9ः15 पर सेंसेक्स 217 अंक या 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,139 और निफ्टी 74 अंक या 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,074 पर था। शुरुआती कारोबार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयर कर रहे थे। इस कारण सूचकांकों में निफ्टी आईटी 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ टॉप गेनर था। इसके अलावा निफ्टी मेटल, निफ्टी ऑटो, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी कमोडिटीज हरे निशान में थे। दूसरी तरफ निफ्टी एनर्जी, निफ्टी पीएसई, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी मीडिया लाल निशान में थे। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी बनी हुई है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 187 अंक या 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,196 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 86 अंक की मजबूती के साथ 19,018 पर था।

भारत-जापान के बीच रक्षा क्षेत्र की पहली सह-विकास परियोजना पर हुआ समझौता, एआई और सेमीकंडक्टर सहयोग को भी मिलेगी नई रफ्तार- पीएम मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत और जापान ने रक्षा क्षेत्र में पहली सह-विकास परियोजना पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को नई ऊंचाई देने वाला महत्वपूर्ण कदम है।

हैदराबाद हाउस में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के साथ वार्षिक भारत-जापान शिखर सम्मेलन (इंडिया-जापान एनुअल समिट) के बाद आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान ने भारत की विकास यात्रा में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने जापानी प्रधानमंत्री को अपनी छोटी बहन बताते हुए कहा कि उनकी यह यात्रा भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के एक नए अध्याय की शुरुआत है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जापान की प्रिसीजन टेक्नोलॉजी और भारत की सॉफ्टवेयर क्षमता का संगम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के वैश्विक विकास को नई गति और नई शक्ति देगा। रक्षा क्षेत्र में भी आज भारत और जापान के बीच पहली संयुक्त विकास परियोजना पर समझौता हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री साने ताकाइची का स्वागत करते हुए कहा कि यह उनका भारत का पहला आधिकारिक दौरा है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ताकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। वह दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता हैं तथा जापान के नारा प्रांत से आती हैं, जो भारत और जापान की साझा बौद्ध विरासत का एक प्रमुख केंद्र है।

उन्होंने याद दिलाया कि हाल ही में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा था कि वैश्विक उथल-पुथल के इस दौर में पारस्परिक विश्वास सबसे बड़ी रणनीतिक पूंजी है और भारत-जापान संबंध इस कसौटी पर पूरी तरह खरे उतरते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वतंत्र, समृद्ध और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत दोनों देशों की साझा प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि भारत और जापान एशिया की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक और बाजार आधारित अर्थव्यवस्थाएं हैं और दोनों देशों ने कई नई पहल शुरू की हैं, जो पूरे क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि की मजबूत नींव रखेंगी।

टाटा स्टील 40 एमटीपीए क्षमता के लक्ष्य की ओर अग्रसर अगले विस्तार चरण की तैयारी शुरू एन. चंद्रशेखरन

नई दिल्ली।

टाटा स्टील ने अपनी दीर्घकालिक उत्पादन क्षमता को 40 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) तक पहुंचाने के लक्ष्य की दिशा में अगला विस्तार चरण शुरू करने की तैयारी कर दी है। कंपनी के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने गुरुवार को कंपनी की 119वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। चंद्रशेखरन ने कहा कि कलिंगनगर संयंत्र के दूसरे चरण (फेज द्वद्ध) के चालू होने के बाद टाटा स्टील की कुल इस्पात (स्टील) उत्पादन क्षमता बढ़कर 26.1 एमटीपीए हो गई है। उन्होंने कहा कि यह विस्तार कंपनी के 40 एमटीपीए उत्पादन क्षमता के दीर्घकालिक लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी बताया कि इस लक्ष्य के आगे की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने नए संयंत्रों के लिए संभावित स्थानों और भूमि अधिग्रहण के विकल्पों का भी मूल्यांकन शुरू कर दिया है। यूरोप में कंपनी के कारोबार को लेकर चंद्रशेखरन ने कहा कि वहां पुनर्गठन की प्रक्रिया सकारात्मक परिणाम दे रही है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि नीदरलैंड में परिचालन का माहौल पहले की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है, क्योंकि वहां पर्यावरण संबंधी नियम अब यूरोपीय संघ (ईयू) के मानकों से भी अधिक कड़े हो चुके हैं। उन्होंने कहा, ÷कंपनी डच सरकार और अन्य संबंधित पक्षों के साथ लगातार बातचीत कर रही है, ताकि ऐसा दीर्घकालिक समाधान निकाला जा सके जो पर्यावरणीय नियमों के अनुरूप होने के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी व्यवहारिक और टिकाऊ हो।÷ चंद्रशेखरन ने बताया कि टाटा स्टील अपने डिजिटल परिवर्तन कार्यक्रम के तहत अब तक 860 से अधिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित मॉडल अपने विभिन्न परिचालनों में लागू कर चुकी है, जिनका उद्देश्य उत्पादन क्षमता बढ़ाना, परिचालन दक्षता में सुधार करना और लागत को कम करना है। उन्होंने कहा कि कंपनी के डिजिटल प्लेटफॉर्म आशियाना और डिगईसीए ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान मिलकर 9,360 करोड़ रुपए का सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) दर्ज किया।

सोने में सपाट कारोबार, चांदी में आधा प्रतिशत से अधिक की तेजी

मुंबई ।

सोने और चांदी में गुरुवार को मिलाजुला कारोबार देखने को मिल रहा है। एक तरफ सोना करीब सपाट बना हुआ है, दूसरी तरफ चांदी में आधा प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी जा रही है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,44,430 रुपए के मुकाबले 548 रुपए या 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,43,882 रुपए पर खुला, लेकिन शुरुआती कारोबार में ही इसमें खरीदारी देखने के मिली।

सुबह 9ः48 पर यह 244 रुपए या 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,44,206 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,43,882 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,44,448 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

सोने की अपेक्षा चांदी में तेजी देखी जा रही है। चांदी का 5 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,30,384 रुपए के मुकाबले 812 रुपए या 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,31,196 रुपए पर खुला।

फिलहाल यह 1,253 रुपए या 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,31,637 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,30,973 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,32,339 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। सोना 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,076 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 60.59 डॉलर प्रति औंस पर थी।

जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी के सीमित दायरे में कारोबार करने की वजह फेड चेयर केविन वॉर्श की स्पीच को माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि महंगाई पहले के मुकाबले कम हुई है, लेकिन अभी भी अधिक है। वहीं, आने वाली फेड बैठक में ब्याज दरों की दिशा को लेकर कोई संकेत नहीं दिया, जिससे निवेशक सतर्क बने हुए हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम चरण में, भारत को मिलेगा प्रतिस्पर्धात्मक लाभः पीयूष गोयल

नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। अधिकांश प्रमुख मुद्दों पर सहमति बन चुकी है और दोनों देश ऐसे समझौते की दिशा में काम कर रहे हैं, जिससे भारत को अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर व्यापारिक लाभ मिल सके।

एनडीटीवी इंडो-जापान स्ट्रैटेजिक डायलॉग में बोलते हुए गोयल ने कहा कि वॉशिंगटन में हाल के कानूनी और नीतिगत घटनाक्रमों के बावजूद उन्हें भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर कोई बड़ी बाधा नजर नहीं आती।उन्होंने कहा, हमें अमेरिका के साथ किसी तरह की कठिनाई नहीं दिख रही है। रियायतों और अन्य अधिकांश पहलुओं पर लगभग सहमति बन चुकी है। उन्होंने बताया कि भारत ने लगातार यह मांग की है कि उसे अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर

बाजार पहुंच मिले और अमेरिकी प्रशासन ने इस दृष्टिकोण को समझा है।अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत लगाए गए टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद की स्थिति पर गोयल ने कहा कि अमेरिका अब एक वैकल्पिक व्यवस्था तैयार कर रहा है।

प्लास्टिक बैग से जकड़ी जीवन-शैली से पर्यावरण तबाह

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस

ललित गर्ग

आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है।

पृथ्वी आज जिस सबसे बड़े पर्यावरणीय संकट से जूझ रही है, उसमें जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता का क्षरण और प्रदूषण के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण भी एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुका है। कभी आधुनिक जीवन की सुविधा और विकास का प्रतीक मानी जाने वाली प्लास्टिक आज मानव सभ्यता के लिए अभिशाप सिद्ध हो रही है। विशेष रूप से सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग ने हमारी जीवन-शैली को इतना जकड़ लिया है कि उससे मुक्ति के बिना न स्वच्छ पर्यावरण की कल्पना की जा सकती है और न ही स्वस्थ भविष्य की। इसी चिंता को लेकर प्रतिवर्ष 3 जुलाई को 'अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी का दिन है कि यदि अब भी हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी।

आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि प्लास्टिक अब केवल धरती पर बिखरा कचरा नहीं रहा, बल्कि हमारे शरीर का भी हिस्सा बन चुका है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हवा, पानी, भोजन, नमक, दूध, शहद और यहाँ तक कि मानव रक्त, फेफड़ों तथा गर्भनाल में भी माइक्रोप्लास्टिक के कण पाए जा चुके हैं। एक सामान्य व्यक्ति प्रतिवर्ष हजारों सूक्ष्म प्लास्टिक कण भोजन, पेयजल और साँस के माध्यम से अपने शरीर में पहुँचा रहा है। यह स्थिति कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, हृदय रोग, प्रजनन संबंधी समस्याओं और प्रतिरक्षा तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव जैसी अनेक स्वास्थ्य चुनौतियों को जन्म दे रही है।

आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक बैग हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। सब्जी और किराने की खरीदारी से लेकर कपड़े, दवाइयाँ, भोजन, ऑनलाइन डिलीवरी, उपहार पैकिंग और घरेलू सामान तक लगभग हर कार्य में प्लास्टिक बैग का उपयोग हो रहा है। सुविधा और सस्तेपन के कारण इनका प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे हमारा जीवन मानो प्लास्टिक की गिरफ्त में आ गया है। एक बार उपयोग के बाद फेंके जाने वाले ये बैग पर्यावरण, जल

स्रोतों, वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। इसलिए समय की मांग है कि हम कपड़े, जूट या कागज के थैलों को अपनाकर प्लास्टिक बैग से मुक्ति का संकल्प लें।

प्लास्टिक केवल मनुष्य के स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पर्यावरण का भी शत्रु है। यह मिट्टी की उर्वरता को कम करता है, जल स्रोतों को प्रदूषित करता है, नालियों को जाम कर शहरी बाढ़ का कारण बनता है तथा पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों की असमय मृत्यु का कारण बनता है। गायों के पेट से कई-कई किलो प्लास्टिक निकलने की घटनाएँ अब सामान्य हो गई हैं। समुद्री कछुए, डॉल्फिन, व्हेल और पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं और धीरे-धीरे मृत्यु का शिकार बन जाते हैं। इस प्रकार प्लास्टिक केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जीवन के पूरे जैविक तंत्र को नष्ट कर रहा है। विडम्बना यह है कि प्लास्टिक का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी सुविधा है और यही सुविधा सबसे बड़ा संकट बन गई है। कुछ मिनटों के उपयोग के लिए बना प्लास्टिक बैग सैकड़ों वर्षों तक नष्ट नहीं होता। जिस वस्तु का उपयोग हम कुछ मिनट करते हैं, उसका दुष्प्रभाव कई पीढ़ियाँ भुगतती हैं। सुविधा की यह संस्कृति वास्तव में विनाश की संस्कृति बनती जा रही है।

भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण एक गंभीर चुनौती है। देश में प्रतिदिन हजारों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसका बड़ा भाग खुले में पड़ा रहता है या नदियों एवं समुद्र तक पहुँच जाता है। विभिन्न राज्यों ने सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है, किन्तु प्रतिबंध का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब समाज स्वयं इसके प्रति जागरूक होगा। केवल कानून से आदतें नहीं बदलतीं, उसके लिए सामाजिक चेतना आवश्यक होती है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस दिशा में अनेक सकारात्मक पहल की हैं। स्वच्छ भारत अभियान, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व जैसी नीतियाँ महत्त्वपूर्ण कदम हैं। किंतु इनकी सफलता तभी संभव है जब उद्योग, व्यापार, स्थानीय निकाय और आम नागरिक समान रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

आज आवश्यकता केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की नहीं, बल्कि जीवनशैली बदलने की है। जब तक हमारी खरीदारी की आदतें नहीं बदलेंगी, तब तक प्लास्टिक का उपयोग कम नहीं होगा। कपड़े या जूट का थैला साथ रखना, पुनः उपयोग योग्य बोतलों और डिब्बों का प्रयोग करना, अनावश्यक पैकेजिंग से बचना तथा स्थानीय स्तर पर पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा देना-ये छोटे-छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। उद्योगों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। उत्पादों की पैकेजिंग को पर्यावरण-अनुकूल बनाना, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का उपयोग करना और प्लास्टिक कचरे के संग्रह एवं पुनर्चक्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करना समय की माँग है। केवल लाभ कमाने की मानसिकता से प्रकृति का संरक्षण संभव नहीं है। उद्योगों को 'ग्रीन बिजनेस' की दिशा में आगे बढ़ना होगा। शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यदि विद्यालयों और महाविद्यालयों में पर्यावरणीय जीवनशैली को व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, बच्चों को कपड़े के थैले उपयोग करने, प्लास्टिक-मुक्त परिसर बनाने और पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों से जोड़ा जाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ अधिक संवेदनशील बनेंगी। पर्यावरण शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक का विषय नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार बननी चाहिए।

आज पूरी दुनिया 'सर्कुलर इकोनॉमी' की ओर बढ़ रही है, जहाँ उत्पादों का पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और संसाधनों का न्यूनतम दोहन प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए भी यही भविष्य का मार्ग है। यदि हम पारंपरिक भारतीय जीवन-पद्धति को देखें तो वहाँ कपड़े के झोले, मिट्टी के बर्तन, धातु के पात्र और प्राकृतिक संसाधनों का पुनः उपयोग सामान्य जीवन का हिस्सा थे। आधुनिकता के नाम पर हमने इन्हें छोड़ दिया और प्लास्टिक को अपना लिया। अब समय आ गया है कि आधुनिक विज्ञान और भारतीय परंपरा का समन्वय करते हुए टिकाऊ जीवनशैली अपनाई जाए। यह भी समझना होगा कि प्लास्टिक प्रदूषण केवल सरकार का विषय नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जिस दिन प्रत्येक व्यक्ति यह संकल्प ले ले कि वह प्लास्टिक बैग स्वीकार नहीं करेगा, उसी दिन इस समस्या का बड़ा समाधान प्रारम्भ हो जाएगा। बाजार वही वस्तु देता है जिसकी माँग होती है। यदि माँग समाप्त होगी तो आपूर्ति भी स्वतः कम हो जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस हमें केवल प्लास्टिक छोड़ने का संदेश नहीं देता, बल्कि यह प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते को पुनर्जीवित करने का अवसर भी है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारे पूर्वजों की विरासत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। यदि हम इसे सुरक्षित नहीं रख पाए तो विकास के सारे दावे अर्थहीन हो जाएँगे। महात्मा गांधी ने कहा था-'प्रकृति प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच को नहीं।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। प्लास्टिक का अनियंत्रित उपयोग हमारी आवश्यकताओं का नहीं, बल्कि उपभोक्तावादी लालच का परिणाम है।

आइए इस 3 जुलाई को केवल एक दिवस न मानें, बल्कि एक जन-आंदोलन का प्रारंभ करें। अपने घर, परिवार, विद्यालय, कार्यालय और बाजार से प्लास्टिक बैग को विदा करने का संकल्प लें। कपड़े का थैला हमारी पहचान बने, पर्यावरण हमारी प्राथमिकता बने और स्वच्छ पृथ्वी हमारी विरासत बने। जब प्लास्टिक का उपयोग घटेगा, तभी प्रकृति मुस्कुराएगी, जब प्रकृति मुस्कुराएगी, तभी मानवता का भविष्य सुरक्षित होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस का वास्तविक संदेश है और यही हमारे समय का सबसे बड़ा पर्यावरणीय धर्म भी।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

संपादकीय

पर्यटक सीजन की घिसाई

हिमाचल में जून का महीना, कितना पसीना और कितना सुकून से जीना की अवधारणा से पर्यटन की मांग को निरूपित करता रहा है। हम मान सकते हैं कि विभिन्न पर्यटक स्थलों पर होटलों में ऑक्यूपेंसी सौ फीसदी चल रही है, लेकिन ऐसे उफनते पर्यटन से कितने किनारे टूटे, इस पर गौर नहीं। अगर ऑक्यूपेंसी सौ या सौ प्रतिशत से ऊपर है, तो इसके साइड व अशोभनीय फैक्टर भी होंगे। क्या सौ फीसदी या इससे ऊपर ऑक्यूपेंसी के रिकार्ड पर खुश हों या इस खनक से पैदा हुए खनन को पहचाने। एक पर्यटक वह भी है जो वाहनों को सडक किनारे खड़े करके बस स्टॉप या वर्षाश्रालय में पनाह लेता है। कुछ डेस्टिनेशन पर्यटक ऑक्यूपेंसी के साइड इफैक्ट के रूप में कहीं अन्यत्र चले जाते हैं। मसलन मकलोडगंज फुल हो गया, तो सैलानी कांगड़ा घाटी के अलग-अलग स्थानों को कूच कर जाते हैं, लेकिन ट्रैफिक जाम के सिलसिलों में पूरे सीजन की घिसाई हो गई। कहना न होगा कि बढ़ते पर्यटन से हिमाचल की सादगी, विनम्रता और सदाशयता को खतरा पैदा हो रहा है। ऐसा लगता है कि सोशल मीडिया पर कोई वीडियो युद्ध चल रहा है। बेशक कुछ सिरफिरे पर्यटक भी सामाजिक, सांस्कृतिक मान्यताओं के विपरीत हिमाचल में माहौल खराब करते हैं, लेकिन यह भी सच है कि प्रदेश की पर्यटन अधोसंरचना व व्यवस्था अपूर्णीय व अक्षम है। बाहर से आने वाला पर्यटक किसी डेस्टिनेशन पर नहीं, बल्कि प्रवेश द्वार पर पर्यटक माना जाए, इसके लिए पंजीकरण तथा ऐप के जरिए संचालन चाहिए। प्रवेश द्वारों पर ही ऐप पर पंजीकरण से रूट तथा ठहराव चिन्हित हो और अगर किसी कारण कहीं अत्यंत भीड़ या अनियंत्रित भीड़ है, तो सैलानियों को विकल्प देकर उन्हें सहूलियत प्रदान की जाए। मकलोडगंज में रिहाइश न मिलने पर ही पर्यटक क्यों पालमपुर या समीपवर्ती स्थलों का रुख अख्तियार करे। यह तो पंजीकरण करते वक्त ही ऐप सुनिश्चित कर सकती है। इसी परिप्रेक्ष्य में सडकों के विकल्प, वन-वे परिवहन की सुविधा तथा होटलों में बुकिंग की स्थिति प्रदर्शित हो सकती है। पिछले कई सालों से प्रमुख पर्यटक स्थलों से खाली हाथ लौटते पर्यटकों की सहूलियत के लिए क्या किया। बिना बुकिंग के कई परिवार अगर भटकते हैं, तो उनके लिए रेस्ट हाउस बुकिंग का एक विकल्प पैदा करना होगा था इन्हें इमरजेंसी राहत का कोई आश्वासन मिलना चाहिए। सरकार जून के महीने में आपात की स्थिति में भूखे-प्यासे या बिना प्री बुकिंग के भटकते सैलानियों के लिए राहत का बंदोबस्त करे। इसके लिए रेस्ट हाउस व छात्रावासों में भुगतान के साथ इंतजाम हो सकता है। इसी सीजन में फॉरेस्ट विभाग के दखल से कुछ डाक बंगले अगर छह लाख कमा सकते हैं, तो एक तैयारी के तहत सारे रेस्ट हाउस शिरकत कर सकते हैं। जून का पर्यटक सीजन एक चुनौती बनता जा रहा है, लिहाजा सभी विभागों की समन्वय समितियां बना कर योजनाएं व बंदोबस्त होने चाहिएं।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वार्तालाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।
की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे।

हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

ईरान का आमंत्रण, भारत के लिए रिश्ते सुधारने का एक मौका

सनत जैन

ईरान के सुप्रीम लीडर रहे धर्मगुरु अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ईरान की सरकार ने दुनिया के सैकड़ों राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और शासकों को उनके अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। ईरान की सरकार ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, कांग्रेस के नेता पवन खेड़ा, पूर्व केंद्रीय विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और जैन संत जो अहिंसा विश्वा भारती के संस्थापक हैं आचार्य लोकेश मुनि को भी आमंत्रण भेजा है। जैन मुनि ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि वह शांति और सद्भाव के लिए ईरान जाएंगे। अमेरिका के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिक पार्टी के नेता भी ईरान जा रहे हैं। इस अवसर पर लगभग 2 करोड़ लोग खामनेई को श्रद्धांजलि देने के लिए ईरान में एकत्रित हो रहे हैं। भारत सरकार की ओर से जो शुरूआती संकेत मिले हैं, उसके अनुसार भारत सरकार का प्रतिनिधित्व बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा करेंगे। भारत के साथ ईरान के बहुत पुराने सांस्कृतिक एवं राजनीतिक रिश्ते रहे हैं। दोनों देशों के बीच में शिक्षा, व्यापार और संस्कृति को लेकर बड़े घनिष्ठ संबंध रहे हैं। पिछले कई दशकों में जब भी भारत को ईरान की जरूरत पड़ी ईरान भारत के साथ खड़ा रहा। पिछले कुछ वर्षों में भारत की नजदीकी अमेरिका और इजराइल के साथ बढी। इसके साथ ही भारत और ईरान के संबंधों में वह मधुरता नहीं रही जो उसके पहले होती थी। ईरान ने भारत के साथ राजनीतिक, कूटनीतिक और व्यापारिक संबंध हमेशा बनाए रखे। यहां तक की जब अमेरिका ने ईरान के ऊपर प्रतिबंध लगाए उस समय ईरान सरकार ने भारत को भारतीय मुद्रा में न केवल कच्चा तेल सप्लाई किया वरन उतनी ही कीमत का सामान भारत से आयात करके अपने रिश्तों को बेहतर बनाए रखने का हर संभव प्रयास किया।

समय के साथ बदलाव आते हैं पिछले कुछ वर्षों में भारत की इजराइल के साथ नजदीकी बढ़ती रही और ईरान के साथ दूरी बढ़ती गई। भारत को ऐसा लगता था कि अमेरिका और इजराइल अजेय हैं। भारत ने ईरान की उपेक्षा शुरू कर दी। भारत की विदेश नीति में एक बड़ा बदलाव आ गया। ईरान और भारत के रिश्तों में एक बड़ा तनाव तब देखने को मिला जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइल जाकर यह कह दिया कि इजराइल फादरलैंड है। उसके दो दिन बाद इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका और इजराइल को इस युद्ध में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ईरान आज एक विजेता के रूप में फिर से एक महत्वपूर्ण स्थिति में आ गया है। ईरान की सरकार अभी भी भारत के साथ अपने पुराने रिश्तों को ध्यान में रखते हुए अपने संबंध बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ता हुआ दिख रहा है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को जो रिश्ते बिगड़ चुके हैं उनको एक बार फिर पटरी में लाने का मौका है। अमेरिका और इजराइल के हमले में सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई सहित कई बड़े योद्धा तथा ईरान के स्कूल में पढ़ने वाली 165 से ज्यादा बच्चियों की मौत हुई थी। उस समय भारत ने चुप्पी साध रखी थी। भारत ने ईरान के अनुरोध करने के बाद भी ब्रिक्स संगठन देशों की बैठक नहीं बुलाई। अब स्थिति बहुत हद तक साफ हो चुकी है। ऐसे समय पर भारत सरकार को ईरान के साथ अपने रिश्ते बेहतर बनाने के लिए दुख की इस घड़ी में ईरान जाकर घाव में मलहम लगाने की जरूरत है। इस मौके पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिन लोगों को ईरान ने आमंत्रित किया है, उनमें शामिल हैं। उन्हें भारतीय दल के रूप में साथ ले जाकर ईरान के साथ भारत के रिश्ते फिर बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इस समय जो अवसर मिला है, इसका लाभ उठाया जा सकता है।

पारिवारिक और सामाजिक पुनर्वास की मानवीय पहल

उमेश चतुर्वेदी

अभी हाल ही में पिता दिवस गुजरा है। इस दिन सोशल मीडिया समेत तमाम जगहों पर हुई चचाओं में एक बात प्रमुखता से छायी रही। ऐसा कहा गया कि पिता बनने के बाद लोगों की शख्सियत में बदलाव आ जाता है। चूंकि जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, लिहाजा इन दायित्वों के चलते कठोर से कठोर हृदय वाला व्यक्ति भी नरम हो जाता है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने जब पूर्व नक्सलियों की जबरिया कराई गई नसबंदी को खोलने वाले जटिल ऑपरेशन को हरी झंडी दिखाई, पता नहीं, उसके दिमाग में यह तथ्य था या नहीं। लेकिन उसकी इस कोशिश से कभी इंन्सानी खून से लाल रही बस्तर की धरती के कई आंगन किलकारियां गूंज रही हैं।

देश के एक तिहाई जिलों पर लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहा नक्सलवाद अब आखिरी सांसें गिन रहा है। गृहमंत्री अमित शाह के दावे के मुताबिक, 31 मार्च 2026 तक देश तकरीबन नक्सलमुक्त हो चुका है। इस दौरान सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ज्यादातर बड़े नक्सली कमांडर मारे जा चुके हैं, या कई ने आत्मसमर्पण कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2700 नक्सली आत्म समर्पण कर चुके है। इन पूर्व नक्सलियों के पुनर्वास के लिए केंद्रीय सहयोग के साथ नक्सल प्रभावित राज्यों की सरकारें कई सारी योजनाएं चला रही हैं। नक्सलवाद से सर्वाधिक प्रभावित रहे छत्तीसगढ़ और झारखंड में आर्थिक सहयोग, रोजगार, घर आदि की सुविधाएं दी जा रही हैं। इससे नक्सलियों के पुनर्वास को गति मिली है। लेकिन पूर्व नक्सलियों के पुनर्वास कार्यक्रमों में एक अनूठी मुहिम चलाई जा रही है। यह विशेष मुहिम सिर्फ छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ही चला रही है। इस मुहिम को पारिवारिक और सामाजिक पुनर्वासन कहा जा सकता है।

दरअसल नक्सली संगठनों में फील्ड कार्य कर रहे नक्सलियों के लिए अमानवीय प्रथा थी। फील्ड में काम कर रहे कम उम्र के नक्सलियों की अमानवीय तरीके से जबरिया नसबंदी करा दी जाती थी, ताकि नक्सली कार्य करते वक्त वे अपना परिवार न बढ़ा सकें। नक्सली संगठनों में महिला नक्सली भी सक्रिय थीं, उनके बीच रिश्ते पनपने संभव थे। लेकिन उन रिश्तों से बच्चे ना हों, इसलिए पुरूष नक्सलियों को जबरदस्ती नसबंदी के लिए मजबूर किया गया। जिनमें बहुत सारे नक्सलियों की उम्र बेहद कम थी। लेकिन सरकारी मुहिम के बाद जब उन्होंने आत्मसमर्पण किया तो उनके मन में भी परिवार बसाने और अपने घर-आंगन में किलकारी गूंजने की चाहत जगी। चूंकि इनकी नसबंदी हो चुकी थी, लिहाजा इन्हें मन-मसोस कर रह जाना पड़ता था। छत्तीसगढ़ सरकार इन्हीं समर्पित प्रजनन उम्र वाले नक्सलियों के लिए पारिवारिक तौर पर ज्यादा सक्रिय होने के लिए यह मानवीय पहल शुरू की है।

पशुपति यानी नेपाल से लेकर तिरूपति यानी आंध्र के जंगली गलियारे तक तूती बोलने के दौर में छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित था। खूंखार नक्सलियों के लिए कुख्यात इसी बस्तर संभाग से छत्तीसगढ़ सरकार ने मानवीय पहल शुरू की है। इसके तहत प्रजनन की उम्र वाले उन नक्सलियों का रिवर्स वैसेक्टॉमी शुरू किया है। नसबंदी करा चुके लोगों के लिए रिवर्स वासेक्टॉमी एक तरह से उनकी नसों को फिर से खोलने और उन्हें प्रजनन योग्य बनाने की जटिल प्रक्रिया है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने इस अनूठी पहल को यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के विशेषज्ञों की मदद से शुरू किया है। 14 जून तक के आंकड़ों के अनुसार, दो चरणों में 73 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी खोलने का ऑपरेशन पूरा किया जा चुका है। पहले चरण में 33 पूर्व नक्सलियों को खुशहाल जिंदगी गुजारने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए इस ऑपरेशन को अंजाम दिया गया तो दूसरे चरण में 40 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी को खोला गया। पहले चरण में जिन 33 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी खोलने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है, उनमें से 27 के आंगन किलकारियों से गूंज रहे हैं। बस्तर के पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा के अनुसार, बस्तर के एक पूर्व नक्सली के घर दो महीने पहले ही बच्ची का जन्म हो चुका है। उस पूर्व नक्सली का परिवार इस बच्ची के साथ अपना पारिवारिक जीवन आनंद से बिता रहा है।

आमतौर नसबंदी खोलने के इस जटिल ऑपरेशन के लिए बड़े शहरों और महानगरों के सुविधा संपन्न अस्पतालों में जाना पड़ता है। लेकिन यह पहला मौका है, जब छत्तीसगढ़ के दूर-दराज के बस्तर संभाग में स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर इस जटिल ऑपरेशन प्रक्रिया को सफलता के साथ अंजाम तक पहुंचाया गया। इस पहल में बस्तर के जिला प्रशासन के साथ ही बस्तर पुलिस और यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के पश्चिमी जोन की बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका रही। यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और इंदौर निवासी डॉक्टर राजेश कुकरेजा का कहना है कि बस्तर जैसे इलाके में इतने बड़े स्तर पर नसबंदी खोलने का सफल ऑपरेशन किया जाना चिकित्सा क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि है। इस ऑपरेशन की शुरूआत जगदलपुर के महारानी अस्पताल में की गई। इसके लिए विशेष शिविर आयोजित किए गए। जगदलपुर के जिला अस्पताल में नसबंदी खोलने के विशेष शिविरों में देश के जाने माने यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुशील राठी, डॉ. ललित शाह एवं डॉ. योगेश बरापात्रे सहित इंदौर के डॉ. राजेश कुकरेजा, पुणे के डॉ. सागर भालेराव और डॉ. राहुल, महाराष्ट्र के नांदेड़ के डॉ. अभिषेक, मुंबई के डॉ. निनाद तंबोली और डॉ. पार्थ मानेक के साथ ही रायपुर के डॉ. राहुल कपूर एवं डॉ. घनश्याम हटवार की टीम ने पूर्व नक्सिलियों का सफल ऑपरेशन किया

है। इनके सहयोग के लिए छह स्थानीय डॉक्टरों सहित करीब 50 सदस्यों वाली मेडिकल टीम जुटी रही।

छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल बाकी राज्यों द्वारा नक्सलियों के आर्थिक और जमीनी पुनर्वास नीति से अलग है। विष्णुदेव साय सरकार की इस मानवीय पहल की प्रशंसा मेडिकल जगत के साथ ही समाजविज्ञानी भी कर रहे हैं। इस पहल के तहत शारीरिक और मेडिकल जांच के साथ ही प्रजनन योग्य पाए जाने वाले नक्सलियों के ही ऑपरेशन किए जाते हैं। इनमें चालीस साल तक की उम्र वाले पूर्व नक्सलियों को ही प्राथमिकता दी जाती है। जगदलपुर के महारानी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर संजय प्रसाद के मुताबिक, राज्य सरकार की पहल पर जल्द ही तीसरे चरण का भी शिविर लगाने की तैयारी है, जिसमें दो दर्जन से ज्यादा पूर्व नक्सलियों के ऑपरेशन किये जायेंगे।

छत्तीसगढ़ की यह मानवीय पहल समर्पित नक्सलियों को ना सिर्फ अपने समाज, बल्कि परिवार से भी जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह पहल नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा रणनीति से आगे बढ़कर विश्वास निर्माण और सामाजिक-मानवीय पुनर्वास मॉडल के रूप में आगे आ रहा है। ये 73 ऑपरेशन महज चिकित्सकीय आंकड़ा नहीं है, बल्कि इन परिवारों की उम्मीद और सामान्य जीवन की ओर आगे बढ़ने का भी प्रतीक है। उम्मीद की जानी चाहिए कि झारखंड और दूसरे नक्सल प्रभावित राज्यों की सरकारें भी इस पहल से प्रेरित होंगी।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप प्रशासन ने न्यूयॉर्क की मेडिकेड धोखाधड़ी जांच इकाई की फंडिंग रोकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने न्यूयॉर्क की मेडिकेड फ्रॉड कंट्रोल यूनिट की संघीय फंडिंग 30 सितंबर तक रोक दी है। स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के महानिरीक्षक ने आरोप लगाया कि एजेंसी ने धोखाधड़ी के मामलों में पर्याप्त आरोप तय और दोषसिद्धि नहीं कराई। हालांकि न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स ने इस फैसले का विरोध करते हुए कहा कि उनके कार्यालय ने मेडिकेड धोखाधड़ी के मामलों में 627 मिलियन डॉलर से अधिक की वसूली की है। राज्य सरकार ने इस कार्रवाई को राजनीतिक बताया और कहा कि फैसले के खिलाफ सभी कानूनी विकल्प अपनाए जाएंगे।

इंडोनेशिया के पूर्व शिक्षा मंत्री को भ्रष्टाचार में 10 साल का कारावास

नुसंतारा, एजेंसी। इंडोनेशिया की एक अदालत ने पूर्व शिक्षा मंत्री व राइड-हेलिंग और पेमेंट कंपनी गोजेक के सह-संस्थापक नादिम अनवर मकारिम को भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराया और 10 साल के कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने पाया कि मकारिम ने अपने कार्यकाल के दौरान स्कूलों के लिए गूगल क्रोमबुक (लैपटॉप) खरीदने के लिए अपने मंत्रालय पर दबाव डाला था और अमेरिकी टेक कंपनी गोजेक की मूल कंपनी में निवेश करने पर विचार कर रही थी।

सॉन्डरलिंग स्थायी श्रम मंत्री नामित किएगए

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कीथ सॉन्डरलिंग को श्रम मंत्री के पद पर नामित करने की घोषणा की है। इससे पहले वह कार्यवाहक श्रम मंत्री के रूप में कार्य कर रहे थे। यह नियुक्ति पूर्व श्रम मंत्री लोरी चावेज-डीरेमर के पद छोड़ने के दो माह बाद की गई है। उन्होंने सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों के बीच इस्तीफा दे दिया था। सॉन्डरलिंग पेशे से वकील हैं।

अमेरिका ने मेक्सिको के जलिस्को कार्टेल पर कसा शिकंजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने मेक्सिको के कुख्यात जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कार्टेल से जुड़े दो लोगों और नौ कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन पर ईंधन की तस्करी और टैक्स चोरी के जरिए कार्टेल के लिए हर साल करोड़ों डॉलर जुटाने का आरोप है। साथ ही अमेरिकी बैंकों और वित्तीय संस्थानों को ऐसे लेनदेन की पहचान के लिए अलर्ट जारी किया गया है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह कार्टेल अब केवल मादक पदार्थों की तस्करी ही नहीं, बल्कि ईंधन तस्करी जैसे अवैध कारोबार से भी कमाई कर रहा है।

न्यूयॉर्क के स्कूल की चिमनी में मिले इंसानी अवशेष, जांच शुरू

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के क्वींस इलाके में एक सरकारी स्कूल की चिमनी से इंसानी अवशेष मिलने के बाद हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, यह पता नहीं चल सका है कि अवशेष कितने पुराने हैं और वहां कैसे पहुंचे। घटना की जांच की जा रही है, जबकि मौत के कारण का पता मेडिकल एग्जामिनर लगाएंगे। स्कूल में उस समय कोई छात्र मौजूद नहीं था, क्योंकि गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और इमारत में मरम्मत का काम हो रहा है। शिक्षा विभाग ने घटना को बेहद चिंताजनक बताते हुए पुलिस जांच में सहयोग की बात कही।

इटली में पीएम जॉर्जिया मेलोनी लाईं नया चुनावी फॉर्मूला, विपक्ष बता रहा तानाशाह

रोम, एजेंसी। इटली में अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले बहुत बड़ा राजनीतिक बदलाव होने जा रहा है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी एक ऐसा नया चुनावी फॉर्मूला लेकर आई हैं जिससे देश का पूरा चुनावी सिस्टम बदल जाएगा। प्रधानमंत्री इसे राजनीतिक स्थिरता के लिए जरूरी कदम बता रही हैं जबकि विपक्ष इसे पूरी तरह से तानाशाही रवैया कह रहा है। मेलोनी का दावा है कि अगर यह नया प्रस्ताव लागू होता है तो इटली में हमेशा के लिए राजनीतिक स्थिरता आ जाएगी। इटली यूरोप के सबसे अस्थिर देशों में से एक है जहां पिछले पच्चीस साल में 10 प्रधानमंत्री हो चुके हैं। मेलोनी 11वीं प्रधानमंत्री हैं और यहां ज्यादातर नेता अपना पांच साल का कार्यकाल भी पूरा नहीं कर पाते हैं। इस नए सिस्टम में आनुपातिक प्रतिनिधित्व की व्यवस्था की गई है जिसे मेजोरिटी प्राइज या बोनस का नाम दिया गया है। संसद में 17.5% अतिरिक्त बोनस सीटें हासिल करने के लिए गठबंधन को कम से कम 42% वोट हासिल करने होंगे। अगर कोई गठबंधन 42% वोट नहीं लाता है तो सीटों का बंटवारा वोट शेयर के हिसाब से ही किया जाएगा।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई अस्पतालों पर भारी दबाव; कैसे बढ़ा बीमारियों का खतरा?

कारकास, एजेंसी। दो जबरदस्त भूकंपों के लगभग एक हफ्ते बाद वेनेजुएला का पहले से कमजोर स्वास्थ्य तंत्र अपनी क्षमता की सीमा तक पहुंच गया है। राहत संगठनों ने मंगलवार को चेतावनी दी कि क्षतिग्रस्त और कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे अस्पताल घायलों से भर चुके हैं, जबकि आपदा प्रभावित इलाकों में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा तेजी से बढ़ रहा है।

मंगलवार को कितने लोगों को बचाया गया : इस बीच, सरकार ने बताया कि पिछले तीन दिनों में आधिकारिक तौर पर बचाए गए लोगों की संख्या में भारी गिरावट आई है। भूकंप के बाद शुरुआती दो दिनों में 5,380 लोगों को बचाया गया था, जबकि सोमवार को अधिकारियों को केवल चार लोग जिंदा मिले। भूकंप के बाद जीवित लोगों को खोजने का सबसे अहम समय आमतौर पर 48 से 72 घंटे माना जाता है, लेकिन तापमान और पानी या भोजन की उपलब्धता जैसे कारकों के आधार पर इससे ज्यादा समय तक भी कोई जीवित रह सकता है। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिग्ज ने बताया कि मंगलवार दोपहर तक बचाए गए लोगों में केवल एक छोटा बच्चा जिंदा मिला, जो छह दिनों तक गिरी हुई इमारत के मलबे में फंसा रहा। इन आंकड़ों में देशभर में स्वयंसेवी समूहों द्वारा किए गए कई बचाव अभियान शामिल नहीं हैं। सरकार की धीमी प्रतिक्रिया से निराश होकर इन समूहों ने अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के पहुंचने से कई दिन पहले ही अपने फंसे हुए परिजनों को बचाने के लिए अभियान शुरू कर दिया था।

कितनी हुई मृतकों की संख्या : सरकार के मुताबिक, मरने वालों की संख्या 1,900 से ज्यादा हो चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आंकड़ा वास्तविकता से काफी कम हो सकता है, क्योंकि हर दिन मलबे से और शव निकाले जा रहे हैं तथा मुर्दाघरों में शव रखने की जगह भी कम पड़ रही है। जीवित बचे लोगों के बीच मानवीय संकट गहराता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों ने हजारों बेघर लोगों की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चिंता जताई है। ये लोग कई दिनों से खुले आसमान के नीचे या भीड़भाड़ और गंदगी वाले अस्थायी ठिकानों पर रहने को मजबूर हैं।

भूकंप से अब तक कितने लोग हुए प्रभावित : जिनेवा में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रवक्ता क्रिश्चियन लिंडमेयर ने कहा कि दशकों से कम निवेश और वर्षों के आर्थिक संकट से जूझ रही वेनेजुएला की स्वास्थ्य व्यवस्था अब अभूतपूर्व दबाव में है। अचानक बढ़े ट्रॉमा के मामलों ने अस्पतालों की क्षमता को पूरी तरह चुनौती दे दी है। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी की प्रवक्ता कार्लोटा वोल्फ ने बताया कि वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार भूकंप से 15,800 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। यह आंकड़ा उन लोगों का है जो बेघर हो चुके हैं। कई लोग कारों, पार्कों और दूसरी खुली जगहों पर रात बिताने को मजबूर हैं। वोल्फ ने कहा कि यह संख्या आगे और बढ़ सकती है। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य ला गुएरा, जो राजधानी काराकास के पास समुद्र तटीय क्षेत्र में स्थित है, वहां बड़ी संख्या में लोग भोजन और पेयजल की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं। लिंडमेयर ने कहा कि शौचालय, स्नान की सुविधा और साबुन जैसी बुनियादी चीजों की कमी के कारण बेघर लोगों में खसरे जैसी रोकी जा सकने वाली बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि वहां पहले से ही टीकाकरण की दर कम है। इसके अलावा डेंगू, पीला बुखार और मलेरिया जैसी जलजनित और मच्छर जनित बीमारियों के फैलने के लिए भी हालात अनुकूल हैं।

सरकार के अनुसार, पिछले सप्ताह आए भूकंपों से देशभर में 38 अस्पताल क्षतिग्रस्त हुए हैं या उनका कामकाज प्रभावित हुआ है। डब्ल्यूएचओ ने अब तक इनमें से 21 अस्पतालों का आकलन किया है। इनमें तीन अस्पताल पूरी तरह बंद हो चुके हैं, छह को गंभीर नुकसान पहुंचा है और बाकी अस्पताल घायलों की लगातार बढ़ती संख्या से जूझ रहे हैं। डब्ल्यूएचओ ने बताया कि मलबे में कई विशेषज्ञ डॉक्टर लापता हैं, जिनमें ला गुएरा में प्रसूति देखभाल के प्रभारी अधिकारी भी शामिल हैं। इससे उस देश में स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौती और बढ़ गई है, जहां से हाल के वर्षों में डॉक्टरों और नर्सों सहित लगभग 80 लाख लोग देश छोड़ चुके हैं। लिंडमेयर ने कहा, 'प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि मरीजों के इलाज और अस्पतालों तक पहुंच की व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित हो गई है। अस्पतालों में अत्यधिक भीड़ है, सर्जरी लंबित हैं और जैव सुरक्षा मानकों का भी ठीक से पालन नहीं हो पा रहा है।' मंगलवार को ला गुएरा और आसपास के इलाकों में गैर सरकारी संगठनों की सक्रियता साफ दिखाई दी। रेड क्रॉस, वर्ल्ड फूड प्रोग्राम और अन्य संगठनों ने फुटपाथों, समुद्र किनारे बने रास्तों और खेल परिसरों में राहत शिविर लगाए।

पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं: 'दमन न रुका तो भारत के साथ जाएंगे'

रावलकोट , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में इस्लामाबाद के नियंत्रण को बड़ा झटका लगा है। महंगाई, आर्थिक संकट, जरूरी खाद्य पदार्थों और राशन की आपूर्ति पर रोक व प्रशासनिक विफलता से भड़के हजारों प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान को सीधी चुनौती देते हुए मंच से खुलेआम कहा कि पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। अगर उनके दमन का सिलसिला नहीं रुका, तो वे स्थायी रूप से भारत के साथ जाने पर विचार कर सकते हैं। पाकिस्तान के प्रशासनिक दमन के खिलाफ पीओके के रावलकोट के ईदगाह मैदान में हजारों लोग 22 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। पीओके में नागरिक विद्रोह का नेतृत्व कर रहे नागरिक अधिकार आंदोलनकारी सरदार अमन खान ने ईदगाह मैदान में उमड़े जनसैलाब के सामने कहा कि पीओके पाकिस्तान का नहीं है। हमें पाकिस्तान की जरूरत नहीं है, बल्कि पाकिस्तान को अपने अस्तित्व के लिए पीओके की जरूरत है। नौ जून से प्रदर्शनकारियों का एक समूह नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास धरने पर है। अमन खान ने संकेत दिया कि मौजूदा हालात ऐसे बने रहे, तो स्थानीय लोग भारत के साथ घनिष्ठ संबंध तलाश सकते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पीओके की सीमाएं खुल सकती हैं और ऐसा हुआ, तो इस्लामाबाद को पीओके के लोगों से रुकने की भीख मांगनी पड़ेगी। पीओके में दशकों के राजकीय दमन, महंगाई व प्रशासनिक उपेक्षा के खिलाफ 38 सूत्रीय मांगों को लेकर जन विद्रोह शुरू हुआ है। वे पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहे हैं। पीओके की जमीनी हकीकत दुनिया के सामने न आए, इसके लिए पाकिस्तानी सरकार ने 5 जून से क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएं बंद कर रखी हैं। आवाज दबाने के लिए नागरिकों पर जुल्म किया जा रहा है। पीओके प्रवासी विद्रोह के समर्थन में अलग-अलग देशों में पाकिस्तानी दूतावासों और उच्चायोगों के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। उधर, आंदोलनकारियों ने साफ कह दिया है कि यह विद्रोह मुजफ्फराबाद समेत सभी हिस्सों के पाकिस्तानी कब्जे से आजादी मिलने से पहले नहीं थमेगा।

भारतीय-अमेरिकी सांसद खन्ना बोले- 30 साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंचे दोनों देशों के संबंध

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेहद विनाशकारी नीतियों के कारण भारत-अमेरिका संबंध पिछले 30 वर्षों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। यह बात भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा, हाल ही में उनकी चीन यात्रा के दौरान वहां भारत के राजदूत ने उनसे कहा कि ट्रंप की नीतियों की वजह से दोनों देशों के बीच भरोसा खत्म हो गया है। रो खन्ना ने कहा मैं बातों को घुमा-फिराकर कहने वालों में से नहीं हूं। चीजें जैसी हैं मैं उन्हें वैसा ही बताता हूं। अमेरिका-भारत संबंध पिछले 30 वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर हैं। ईरान के साथ युद्ध में शामिल होने की ट्रंप की नीति बेहद विनाशकारी साबित हुई है। इसका भारत में पेट्रोल-गैस दामों पर भी बुरा असर पड़ा है। अगर आपको मेरी बात पर भरोसा नहीं है, तो विदेश मंत्री एस. जयशंकर से पूछ लीजिए। रो खन्ना ने ट्रंप की ईरान और क्यूबा को धमकाने तथा ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की नीतियों की भी कड़ी आलोचना की। वह बोले अमेरिका नैतिक नजरिया भूल गया है। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा, उभरती प्रौद्योगिकियां भारत-अमेरिका सहयोग के अगले चरण को परिभाषित करेंगी। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) सम्मेलन में बोलते हुए क्वात्रा बोले, भारत ने खुद को उन कंपनियों के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित किया है, जो पारंपरिक विनिर्माण केंद्रों से आगे बढ़कर अपने उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाना चाहती हैं। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी, एआई और सेमीकंडक्टर को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में सूचीबद्ध करते हुए कहा, भारत ने इन रणनीतिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाया है। इसका नतीजा यह हुआ कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में उसकी भूमिका और मजबूत हो गई। क्वात्रा ने बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को लेकर बाधा के दौर में भारत को वैश्विक आर्थिक वृद्धि और स्थिरता का अनिवार्य आधार बताया। उन्होंने कहा, भारत के आर्थिक परिवर्तन ने उसे विकसित होती वैश्विक व्यवस्था के केंद्र में ला खड़ा किया है वह विकसित-उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए विश्वसनीय साझेदार है।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान पर बड़ा पलटवार, आईएसआईएस के ठिकानों पर की भयंकर बमबारी

काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सैन्य तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। तालिबान सरकार ने दावा किया है कि उसने पाकिस्तानी सीमा के भीतर घुसकर आतंकी संगठन आईएसआईएस के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है। इन आतंकी ठिकानों से अफगानिस्तान के निर्दोष नागरिकों पर जानलेवा हमलों की बहुत गहरी साजिश रची जा रही थी। यह दावा पाकिस्तान के हालिया हवाई हमलों के ठीक दो दिन बाद सामने आया है, जिससे दोनों देशों में तनाव बढ़ा है।

तालिबान का कहना है कि यह बहुत बड़ी सैन्य कार्रवाई पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में की गई है। अफगान न्यूज चैनल टोलो न्यूज ने भी तालिबान के इस बहुत बड़े और अहम दावे की पूरी तरह से पुष्टि कर दी है। तालिबान के ड्रोन विमानों ने सीधे उन ठिकानों पर बमबारी की जहां खतरनाक आतंकी छिपकर रह रहे थे। खैबर पख्तूनख्वा के सरान इलाके में आतंकियों के गुप्त ठिकाने वाले एक स्कूल को पूरी तरह से मलबे में तब्दील कर दिया गया है।

आम नागरिकों को कोई नुकसान नहीं : तालिबान ने साफ किया है कि इस भीषण ड्रोन हमले में कई खतरनाक आतंकी ढेर हुए हैं। इस पूरी सैन्य कार्रवाई में किसी भी आम नागरिक को बिल्कुल कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। यह बड़ा एक्शन रविवार को पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान पर की गई बमबारी का नतीजा माना जा रहा है। दो दिन पहले पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की सीमा में घुसकर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए थे।

पाकिस्तानी हमले में हुई थीं मौतें : संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की उस कार्रवाई में कम से कम 28 बेकसूर लोग मारे गए थे। वहीं अफगानिस्तान के सरकारी प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने मरने वाले नागरिकों की कुल संख्या 38 बताई थी। इन पाकिस्तानी हमलों में जान गंवाने वालों में कई बेकसूर महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल थे। तालिबान के इस ताजा एक्शन को उसी पाकिस्तानी हमले का एकदम सीधा और करारा जवाब माना जा रहा है। सोमवार को भारत सरकार ने भी इस बेहद गंभीर मामले पर अपनी बहुत कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक अहम बयान जारी कर अफगानिस्तान पर हुए पाकिस्तानी हमलों की निंदा की। भारत का कहना है कि किसी दूसरे देश की सीमा में घुसकर हमला करना उसकी संप्रभुता का सीधा उल्लंघन है। इससे पूरे इलाके की शांति खतरे में पड़ती है और तनाव काफी हद तक बढ़ जाता है।

आतंकवाद पर एक-दूसरे पर आरोप : भारत ने साफ कहा कि पाकिस्तान अपनी नाकामियों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए ऐसे हमले करता है। पाकिस्तान हमेशा की तरह आरोप लगा रहा है कि अफगानिस्तान कई खूंखार आतंकियों को पनाह दे रहा है। जबकि तालिबान का कहना है कि आतंकवाद पाकिस्तान की खुद की पैदा की हुई अंदरूनी भयंकर समस्या है। अब इस ताजा एयरस्ट्राइक के बाद दोनों मुल्कों के बीच भयानक जंग का खतरा और ज्यादा बढ़ गया है।

ट्रंप की नई सियासी चाल: चुनाव से चार माह पहले डलास में बड़े जलसे का एलान, क्या है रिपब्लिकन खेमे की रणनीति?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि रिपब्लिकन पार्टी मध्यावधी चुनावों से पहले अपना पहला राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगी। यह एक अनोखा राजनीतिक आयोजन होगा, जिसका उद्देश्य आगामी मध्यावधी चुनावों में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करना और कांग्रेस में पार्टी का नियंत्रण बरकरार रखने के लिए समर्थन जुटाना है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह राष्ट्रीय सम्मेलन 9 और 10 सितंबर को टेक्सास के डलास शहर में आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रपति चुनाव की तर्ज पर सम्मलेन की तैयारी : आमतौर पर अमेरिका की दोनों प्रमुख पार्टियां राष्ट्रपति चुनाव के दौरान बड़े राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करती हैं, लेकिन ट्रंप लंबे समय से मध्यावधी चुनावों से पहले भी इसी तरह का आयोजन करने के पक्षधर रहे हैं। उनका मानना है कि इससे हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट की अहम सीटों पर मतदाताओं का ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा। यदि डेमोक्रेट्स कांग्रेस के किसी भी सदन में बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो वे ट्रंप के एजेंडे को आगे बढ़ने से रोक सकते हैं। साथ ही उनके कार्यकाल के अंतिम दो वर्षों में प्रशासन की व्यापक जांच-पड़ताल भी शुरू कर सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस में रिपब्लिकन का बहुमत बेहद मामूली है। अमेरिकी राजनीति में आमतौर पर सत्तारूढ़ पार्टी मध्यावधी चुनावों में सीटें गंवाती है। इस बार ट्रंप स्वयं चुनावी बैलेट पर नहीं होंगे, इसलिए पार्टी नेतृत्व को अपने समर्थकों को मतदान के लिए प्रेरित करने की अतिरिक्त चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप को उम्मीद है कि यह कन्वेंशन पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं में नया उत्साह पैदा करेगा। वह पिछले वर्ष से ही इस योजना पर चर्चा कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन इस आयोजन के जरिए '2024 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद से किए गए बेहतरीन कामों' को जनता के सामने रखेंगे। डलास में सम्मेलन आयोजित करने से टेक्सास की महत्वपूर्ण सीनेट सीट पर भी राष्ट्रीय ध्यान जाएगा। यहां डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जेम्स टैलारिको का मुकाबला रिपब्लिकन उम्मीदवार केन पैक्सटन से होगा। केन पैक्सटन वर्तमान में टेक्सास के अटॉर्नी जनरल हैं। उन्होंने ट्रंप के समर्थन से इस वर्ष रिपब्लिकन प्राइमरी में लंबे समय से सीनेटर रहे जॉन कॉर्निन को हराया था। हालांकि, रिपब्लिकन रणनीतिकारों को आशंका है कि पैक्सटन से जुड़े पुराने विवाद जिनमें विवाहेतर संबंधों के आरोप, महाभियोग और सिक्योरिटीज़ फ्रॉड का मामला शामिल है उनकी चुनावी संभावनाओं को प्रभावित कर सकते हैं और आसान मानी जा रही सीट को मुश्किल बना सकते हैं।

लाहौर में ट्यूशन सेंटर की छत गिरी, 14 बच्चों की दर्दनाक मौत और 20 घायल

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान से एक बहुत ही दर्दनाक और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। लाहौर के काहना नौ इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत में चल रहे प्राइवेट ट्यूशन सेंटर की छत अचानक भरभराकर गिर गई। इस भयानक हादसे में भारी मलबे के नीचे दबकर 14 मासूम स्कूली बच्चों की बेहद दर्दनाक मौत हो गई है। इसके अलावा 20 अन्य बच्चे और एक महिला टीचर भी इस भीषण हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

यह दर्दनाक हादसा उस समय हुआ जब 7 से 13 साल के करीब 30 बच्चे इस सेंटर में बैठकर अपनी पढ़ाई कर रहे थे। घटना की भयानक सूचना मिलते ही पुलिस और रेस्क्यू टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं और अपना बचाव कार्य शुरू कर दिया। एधी फाउंडेशन और अन्य बचाव दल मलबे में फंसे बाकी मासूम बच्चों की बहुत ही तेजी से तलाश कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने सभी घायलों को तुरंत लाहौर जनरल अस्पताल में भर्ती कराया है जहां पर अब इमरजेंसी घोषित कर दी गई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह दर्दनाक घटना लाहौर के घनी आबादी वाले इलाके काहना नौ की ईद गाह कॉलोनी में घटी है। जिस इमारत में इलाके की एक महिला यह प्राइवेट ट्यूशन सेंटर चला रही थी उसके एक हिस्से में निर्माण कार्य भी चल रहा था। हादसे के समय मजदूर वहां अपने काम में पूरी तरह व्यस्त थे तभी अचानक निर्माणाधीन छत मासूम बच्चों के ऊपर गिर गई। इस भयानक लापरवाही के कारण कई मासूम बच्चों की जान चली गई और घटनास्थल पर चारों तरफ चीख-पुकार मच गई।

लाहौर के डीआईजी ऑपरेशंस फैसल कामरान ने पत्रकारों को बताया कि मलबे से अब तक 14 बच्चों के शव निकाले जा चुके हैं। पुलिस ने इस भयंकर लापरवाही के मामले में तुरंत और सख्त कार्रवाई करते हुए जिम्मेदार ठेकेदार को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इस पूरी घटना की बहुत ही बारीकी से जांच की जा रही है ताकि असल दोषियों को सख्त सजा मिल सके। रेस्क्यू टीमें अभी भी घटनास्थल पर मौजूद हैं और बहुत ही सावधानी के साथ भारी मलबे को हटाने का काम कर रही हैं।

राहत और बचाव कार्य में जुटी प्रमुख संस्था एधी फाउंडेशन ने मौतों का आंकड़ा और अधिक बढ़ने की गहरी आशंका जताई है। उनका स्पष्ट कहना है कि अभी भी कुछ मासूम बच्चे इस भारी मलबे के नीचे दबे हो सकते हैं जिनकी लगातार तलाश जारी है।

सीरिया में इजरायली सेना का भारी विरोध, बफर जोन में स्थानीय लोगों ने किया पथराव

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में इजरायली बफर जोन के तहत दक्षिणी सीरिया के अब्दिन गांव में हालात बहुत ज्यादा तनावपूर्ण हो गए हैं। स्थानीय लोगों और इजरायली सेना के बीच हाल ही में बहुत भारी बवाल देखने को मिला है। गुस्साए सीरियाई नागरिकों ने इजरायली सैन्य वाहनों को रोकने के लिए सड़कों पर चट्टानें डाल दीं और जमकर पत्थरबाजी की। इसके जवाब में इजरायली सैनिकों ने भी प्रदर्शनकारियों को डराने के लिए गोलियां चलाईं और बाद में गांव पर तोपखाने से गोले दागे।

संयुक्त राष्ट्र की निगरानी वाले 245 वर्ग किलोमीटर के बफर जोन पर इजरायल के कब्जे से यह पूरा विवाद शुरू हुआ है। अब्दिन गांव में रहने वाले लोगों का कहना है कि इजरायली सैनिक अक्सर उनके घरों में जबरन घुसते हैं और महिलाओं व बच्चों को डराते हैं। इस इलाके में पिछले 24 घंटों के भीतर हिंसा की दो बड़ी घटनाएं सामने आ चुकी हैं जिससे दहशत का माहौल है। सुरक्षा वार्ता रुकने के कारण इस सीमावर्ती क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग अपना घर छोड़कर पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं।

लगातार हो रही है भारी झड़प : अब्दिन गांव में हुई यह हिंसक झड़प पिछले 24 घंटों के अंदर तनाव की दूसरी बहुत बड़ी घटना थी। इससे पहले इजरायली सेना ने दक्षिणी सीरिया में दो बंदूकधारियों को मार गिराने का बहुत बड़ा दावा किया था। सीरियाई गांव हादर के मेयर इमाद हसून के अनुसार एक पिकअप ट्रक पर हमले में दो अज्ञात लोग मारे गए। इजरायली सैनिक इन दोनों अज्ञात लोगों के शवों को अपने साथ लेकर चले गए हैं जिससे गुस्सा और बढ़ गया है।

गांव वालों में खौफ का माहौल : स्थानीय निवासी मोहम्मद अल-हसन ने बताया कि इजरायली सैनिक नियमित रूप से बख्तरबंद गाड़ियों में गांव आते हैं। वे पूरे गांव में घूमते हैं और लोगों के घरों का दरवाजा न खोलने पर उसे जबरन तोड़कर अंदर घुस जाते हैं। सैनिकों की इस डरावनी कार्रवाई से गांव की महिलाओं और मासूम बच्चों में बहुत ज्यादा खौफ पैदा हो गया है। तोपखाने से दागे गए गोलों के डर से अब्दिन के कई नागरिक सोमवार को भी अपने घरों में वापस नहीं लौट सके।

बफर जोन पर इजरायल का कब्जा : दिसंबर 2024 में बशर अल-असद के सत्ता से हटने के बाद इजरायल ने इस बफर जोन को नियंत्रण में लिया था। इजरायल का कहना है कि उग्रवादी हमलों को रोकने के लिए इस रणनीतिक क्षेत्र पर कब्जा बनाए रखना जरूरी है। सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति अहमद अल-शराअ ने गोलाबारी की कड़ी निंदा करते हुए इजरायल से पीछे हटने की मांग की है। 66 वर्षीय किसान सोभी अल-तवलबी ने बताया कि सैन्य तनाव के कारण किसान अपनी फसलों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

ठप पड़ी है जरूरी सुरक्षा वार्ता : लोगों को उम्मीद थी कि अमेरिका की मध्यस्थता में फ्रांस में होने वाली सुरक्षा वार्ता से तनाव काफी कम होगा। लेकिन फिलहाल दोनों देशों के बीच यह महत्वपूर्ण कूटनीतिक बातचीत पूरी तरह से रुक गई है जिससे निराशा है। सुरक्षा की कमी, रोजगार के अभाव और बिजली-पानी की भारी किल्लत के कारण लोग तेजी से पलायन कर रहे हैं। सीरियाई नागरिकों का कहना है कि वे किसी के लिए खतरा नहीं हैं और सिर्फ शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहते हैं।

जानकारी

क्या आप भी चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं? जानें कितना सुरक्षित है फेस वैक्सिंग

कई महिलाएं चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं। जिन महिलाओं के चेहरे पर ज्यादा बाल होते हैं, वो चेहरे पर ब्लीच, थ्रेडिंग या वैक्सिंग कराती हैं। लेकिन जो महिलाएं चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं, उन्हें चेहरे पर वैक्सिंग कराने के साइड इफेक्ट्स के बारे में भी मालूम होना चाहिए। चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। यहां पर हम आपको बता रहे हैं कि चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय किन बातों का ध्यान जरूर रखें।

चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय इन बातों का ध्यान रखें

- चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय जरा सी गलती होने पर चेहरे की खूबसूरती बिगड़ सकती है इसलिए चेहरे पर वैक्सिंग बहुत सोच-समझकर कराएं।
- चेहरे की त्वचा बहुत सॉफ्ट होती है और चेहरे पर वैक्सिंग कराने से चेहरे पर बहुत जल्दी झुर्रियां यानी रिंकल्स हो सकते हैं, इसलिए बहुत जरूरी हो तो ही चेहरे पर वैक्सिंग कराएं।
- वैक्सिंग से हेयर फॉलिकल्स को नुकसान पहुंचता है, जिससे चेहरे पर सूजन, दाग पड़ जाना, इंफेक्शन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।
- यदि आपके चेहरे पर बाल कम हैं, तो वैक्सिंग की बजाय चेहरे पर ब्लीच कर लें।
- यदि आपके चेहरे पर बहुत मोटे बाल हैं, तो आपके लिए लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट बेस्ट है।
- यदि आप अपने हाथ-पैर की वैक्सिंग खुद घर पर ही करती हैं, तो भी चेहरे की वैक्सिंग खुद न करें, क्योंकि चेहरे की वैक्सिंग मुश्किल होती है। चेहरे की वैक्सिंग करते समय वैक्स का टेम्प्रेचर, वैक्सिंग स्ट्रिप की क्वालिटी आदि का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है इसलिए हमेशा एक्सपर्ट से ही चेहरे की वैक्सिंग कराएं।
- वैक्सिंग कराते समय अपने स्किन टाइप का भी जरूर ध्यान रखें। यदि आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो एक्सपर्ट से इस बारे में पहले ही डिस्कस कर लें, वरना चेहरे पर इंफेक्शन हो सकता है।
- चेहरे की वैक्सिंग कराते समय हाइजीन का विशेष ध्यान रखें, वरना चेहरे पर इंफेक्शन होने की संभावना बढ़ सकती है।
- चेहरे पर वैक्सिंग कराने के तुरंत पहले या बाद में ब्लीच न करें, इससे आपके चेहरे को नुकसान हो सकता है। चेहरे पर ब्लीच करना है या नहीं इसके बारे में एक्सपर्ट से सलाह लें।
- वैक्सिंग कराने के बाद चेहरे पर वैक्सिंग लोशन या फेस सीरम लगाना न भुलें, वरना चेहरे पर रैशेज हो सकते हैं।
- वैक्सिंग कराने के तुरंत बाद धूप में न जाएं और न ही किचन में गैस के सामने खड़े होकर काम करें।
- जब तक जरूरत न हो, चेहरे पर वैक्सिंग न कराएं, जल्दी-जल्दी वैक्सिंग कराने से चेहरे की त्वचा को नुकसान हो सकता है।

थोरेसिक स्पाइन के इलाज में एक नया आयाम वैट सर्जरी

महानगरों की भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी, सोने तथा चलने के तौर तरीकों में बदलाव की बदौलत पीठ तथा गर्दन दर्द के रोगियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। एक मोटे तौर के अनुसार देश में हर सातवां व्यक्ति पीठ तथा गर्दन दर्द से परेशान है। पीठ तथा गर्दन दर्द के रोगियों में महिलाओं की संख्या काफी तादात में है। कमर दर्द के अनेक कारण हैं, लेकिन लगातार झुककर बैठना, रोजाना देर तक स्कूटर व मोटरसाइकिल चलाना, दफ्तर में झुककर काम करना और देर तक कंप्यूटर या टाइपराइटर पर काम करने वाले लोगों में यह दर्द ज्यादा होता है।

वर्तमान समय में कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण गर्दन दर्द का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि देश के बड़े शहरों एवं महानगरों में कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण कमर दर्द से ग्रस्त लोगों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। यूं तो बच्चों से लेकर बुजुर्ग सभी कमर दर्द से प्रभावित हो सकते हैं। बढ़ती उम्र, भारी शारीरिक कार्य, लंबी अवधि तक एक ही स्थिति में काम करने वाले लोग (जैसे सेक्रेटरी, रिसेप्शनिस्ट, काल सेंटर के कार्मिक) भारी सामान उठाने वाले, वाइब्रेटर टूल आपरेटर आदि अधिक प्रभावित होते हैं। यदि इस के उपचार की बात की जाए तो कई प्रकार के उपचार भी मौजूद हैं। जैसे- बेड रेस्ट, इंजेक्शन, शल्य-चिकित्सा, स्पाइनल फ्यूजन, डिस्क प्रत्यारोपण, वर्टिब्रोप्लास्टी, पिन होल सर्जरी और मिनिमल इंवेसिव सर्जरी आदि। लेकिन हर उपचार की अपनी कुछ सीमाएं हैं। मगर अब वैट सर्जरी (वीडियो एसिस्टेड थोरोस्कोपी) नामक एक नई सर्जरी की शुरुआत की गई है।

थोरेसिक स्पाइन की आम बीमारियां क्या हैं?

थोरेसिक स्पाइन में गर्दन व कमर की तरह कई सारी बीमारियां हो सकती हैं जैसे कि स्लिप्ड डिस्क, ट्यूमर, संक्रमण जैसे टी.बी., फेक्चर, कूबड़ इत्यादि। इन बीमारियों में सीने के पीछे कमर में दर्द व सीने में खिंचाव रहता है और ये दर्द कभी कभी नीचे पैरों तक भी जा सकता है। इसके साथ पैरों का सुन्न होना, चलने में मुश्किल व दैनिक क्रिया करम में दिक्कत पैदा हो सकती है। इन सभी कष्टों का कारण होता है नसों पर दबाव। अब वैट सर्जरी के द्वारा इस दबाव को आसानी से कम किया जा सकता है। इसके साथ-साथ कूबड़ के मरीजों की कमर का टेढ़ापन आसानी से दूर किया जा सकता है।

वैट सर्जरी के क्या फायदे हैं?

वैट सर्जरी में एक पतली सी दूरबीन द्वारा सीने की रीढ़ की हड्डी तक पहुंचकर टीवी स्क्रीन पर देखते हुए, वो सारे आपरेशन संभव हो गए हैं जो कि पहले सीने को खोलकर संभव हो पाते थे। इसमें एक विशेष किस्म की बेहोशी करके मरीज के एक फेफड़े को पिचका दिया जाता है, जिससे कि बिना किसी रुकावट के ट्यूमर या डिस्क को आसानी से निकाला जा सकता है। यह पूरी सर्जरी केवल एक या दो घंटे में पूरी हो जाती है। इसका मुख्य फायदा यह है कि मरीज अगले दिन से चल फिर सकता है। खून बहने व संक्रमण का रिस्क नहीं होता और मरीज को तीन दिनों में अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है, जिससे कि दवाईयां व अस्पताल का खर्च बच जाता है। वास्तव में यह सर्जरी बहुत ही उपयोगी व मरीजों के लिए एक वरदान के समान है।

डॉ. सतनाम सिंह छाबड़ा, सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली

स्लिप्ड डिस्क किस उम्र में खतरा ज्यादा होता है

- आमतौर पर 30 से 50 वर्ष की उम्र में कमर के निचले हिस्से में स्लिप्ड डिस्क की समस्या हो सकती है।
- 40 से 60 वर्ष की आयु तक गर्दन के पास सर्वाइकल वर्टिब्रा में समस्या होती है।
- विशेषज्ञों के अनुसार अब 20-25 वर्ष के युवाओं में भी स्लिप डिस्क के लक्षण तेजी से देखे जा रहे हैं। देर तक बैठ कर कार्य करने के अलावा स्पीड में बाइक चलाने या सीट बेल्ट बांधे बिना ड्राइविंग करने से भी यह समस्या बढ रही है। अचानक ब्रेक लगाने से शरीर को झटका लगता है और डिस्क को नुक्सान हो सकता है।

सामान्य लक्षण

- नसों पर दबाव के कारण कमर दर्द, पैरों में दर्द या पैरों, एडी या पैर की अंगुलियों का सुन्न होना।
- पैर के अंगूठे या पंजे में कमजोरी।
- स्पाइनल कॉर्ड के बीच में दबाव पडने से कई बार हिप या थाईज के आसपास सुन्न महसूस करना।
- समस्या बढने पर यूरिन-स्टूल पास करने में परेशानी।
- रीढ के निचले हिस्से में असहनीय दर्द।
- चलने-फिरने, झुकने या सामान्य काम करने में भी दर्द का अनुभव। झुकने या खांसने पर शरीर में करंट सा अनुभव होना।

जांच और उपचार

दर्द लगातार बना रहना, एक्स-रे या एमआरआइ, लक्षणों और शारीरिक जांच से डॉक्टर को पता चलता है कि कमर या पीठ दर्द का सही कारण क्या है और क्या यह स्लिप्ड डिस्क है।जांच के दौरान स्पॉन्डलाइटिस, डिजेनरेशन, ट्यूमर, मेटास्टेज जैसे लक्षण भी पता लग सकते हैं।

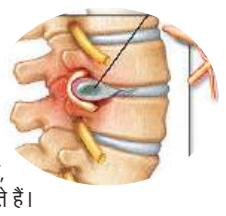

सेहत

मेथी के 16 फायदे

मेथी हर रसोई में मिल जाएगी, खाने का फ्लेवर बढ़ाने के साथ ही ये कई बीमारियों को भी दूर रखती है। ठंड के मौसम में मिलने वाले मेथी के पत्तों की सब्जी बनाकर खाएं। स्वाद में भले ही ये थोड़ी कड़वी होती है, मगर सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। खासकर महिलाओं के लिए। वैसे सूर्फि मेथी के पत्ते ही नहीं, मेथी दाना भी सेहत का खजाना है। मेथी में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है।

- डिलीवरी के बाद महिलाओं को मेथी के लड्डू खाने को कहा जाता है। इससे प्रेग्नेंसी के बाद शरीर मजबूत बनता है और कमजोरी महसूस नहीं होती। ब्रेस्टफीड करानेवाली महिलाओं के लिए मेथी के पत्तों की सब्जी बहुत फायदेमंद होती है। मेथी कैल्शियम का भी बेहतरीन स्रोत है।
- पेट में जलन होने पर मेथी की सूखी पत्तियों और शहद को मिलाकर काढ़ा बनाएं। दिन में दो बार इसे पीने से पेट की जलन से राहत मिलती है।
- मेथीदाना को पीस लें और गुड़ में मिलाकर लड्डू बनाएं। ठंड के मौसम में रोजाना एक लड्डू खाने से सर्दी-खांसी की समस्या नहीं होगी।
- मेथी की सब्जी बनाकर खाएं। इससे डाइजेशन ठीक रहता है।
- मेथी बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके हार्ट डिसीज के खतरे को कम करती है।
- मेथी डायबिटीज पेशेंट के लिए भी रामबाण से कम नहीं है. ये शुगर लेवल को कम करने में मदद करती है।
- यह शरीर से हानिकारक टॉक्सिंस को निकालने में मदद करती है।
- मेथी याददाश्त बढ़ाने में भी मददगार है।
- वजन कम करने में भी मेथी कारगर है। इसमें पाए जाने वाले फाइबर्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं।
- मेथी के दानों को रातभर पानी में भिगोकर रखें और सुबह खाएं, बहुत ज्यादा होगा।
- यदि स्किन प्रॉब्लम्स जैसे- रिंकल्स, ब्लैकहेड्स, पिंपल्स, ड्राईनेस आदि से परेशान हैं, तो मेथी की पत्तियों का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं और करीब 20 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें।
- हार्मोनल बैलेंस बनाए रखने में भी मेथी बेहद कारगर होती है।
- मेथी एक बेहतरीन घरेलू दवा का काम करती है। ये बुखार और कई अन्य मौसमी बीमारियों को ठीक करने में मदद करती है।
- मेथी के पत्तों से हर्ब टी बनाई जा सकती है, इसे पीने से दिमाग शांत और फ्रेश रहता है।
- मेथी में आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है, इससे शारीरिक कमजोरी दूर होती है।
- मेथी के नियमित सेवन से महिलाओं को पीरियड्स और मेनोपात के दौरान होने वाली समस्याओं से राहत मिलती है।

मेथी सलाद

एक गड्डी मेथी को धोकर नमक लगाकर 30 मिनट रखकर पानी निचोड़ लें। फिर मेथी के पत्तों को बारीक काट लें। आधा-आधा कप बारीक कटे प्याज और टमाटर, मेथी, आधा टीस्पून लालमिर्च पाउडर, 1 टीस्पून तेल और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। तैयार मेथी सलाद का मजा लें।

मेथी टमाटर

एक गड्डी मेथी को साफ करके काट कर उबाल लें। कड़ाही में 1 टेबलस्पून तेल गरम करके हींग, राई और जीरे का छौंक लगाएं। अब 1 टमाटर बारीक कटा हुआ, आधा-आधा टीस्पून धनिया पाउडर व लालमिर्च पाउडर डालकर 2 मिनट तक भूनें। 2-3 टेबलस्पून पानी डालकर एक उबाल आने पर मेथी व नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। धीमी आंच पर 5-7 मिनट पकने के बाद आंच से उतार लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली -4099

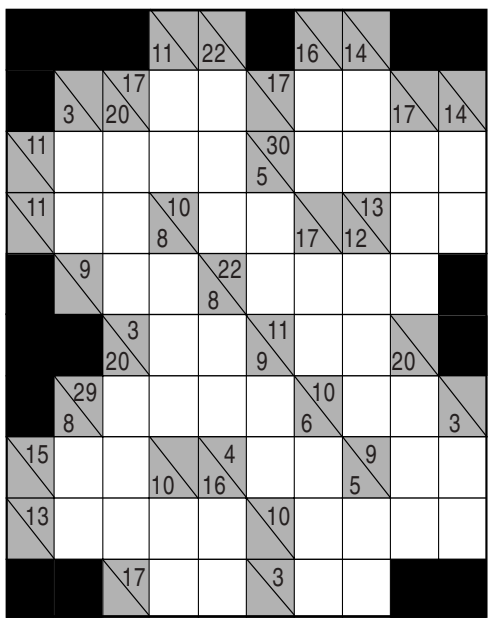

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

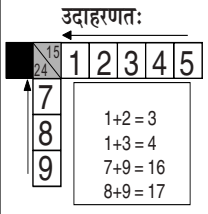

काकुरो -4098

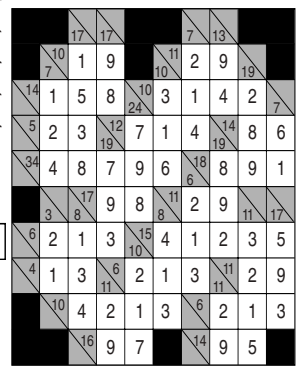

लॉफिंग ज़ोन

विवाह के बाद प्रेमी ने प्रेमिका से कहा कि देखो अब हमारी शादी हो चुकी है।

तुम्हारी कुछ बातें ऐसी हैं, जो मुझे पसंद नहीं आतीं... और मैं तुम्हें वह सब बता देना चाहता हूँ। तुम चाहो तो इन्हें अपनी कमजोरियाँ समझ सकती हो।

प्रेमिका- रहने दो! मुझे अपनी सारी कमजोरियाँ मालूम हैं। आखिर उन्हीं के कारण तो मैं अच्छा पति नहीं पा सकी। इसका मुझे बेहद अफसोस है।

□ □ □

एक मोहल्ले में चल रहे कवि सम्मेलन के दौरान एक कवि मंच पर हाजिर हुआ तो नीचे बैठे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया।

कवि बहुत ज्यादा उत्सुक था, उसने कहा- मेरे प्यारे श्रोताओं! अब मैं तुम्हे जो कविता आपको सुनाने जा रहा हूँ उसका शीर्षक है- पानी, आग और धुआँ।

भीड़ में से एक श्रोता चिल्लाया- अरे, तो सीधे-सीधे क्यों नहीं कहते कि हुक्का है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली-4099

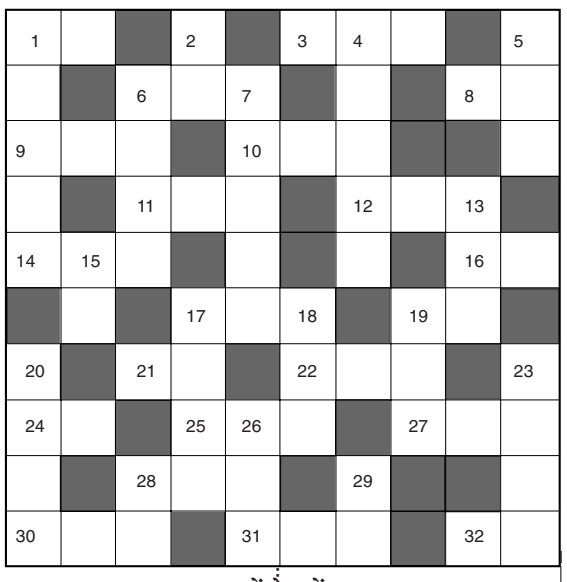

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३.२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीत बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू, रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4098

रो	ड			बॉ	बी		श	य	र	त
टी			अ	क्स		फ	य	ज		ला
	कु	द	र	त		बी		जो	श
आ		ना			म	र्द		ज	ग	
द	म	न		ना			जी	न	त
मी		सा	थी		म	द	र		ह
	वि	मी		अ	वा	म		शु	ल
ही	य		रू	दा	ली		जै		का
	स	नी		ल		फ	की	य	
जी	त		सौ	त	न			जा	ल

सूडोकु -4099

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -14098

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली 4099

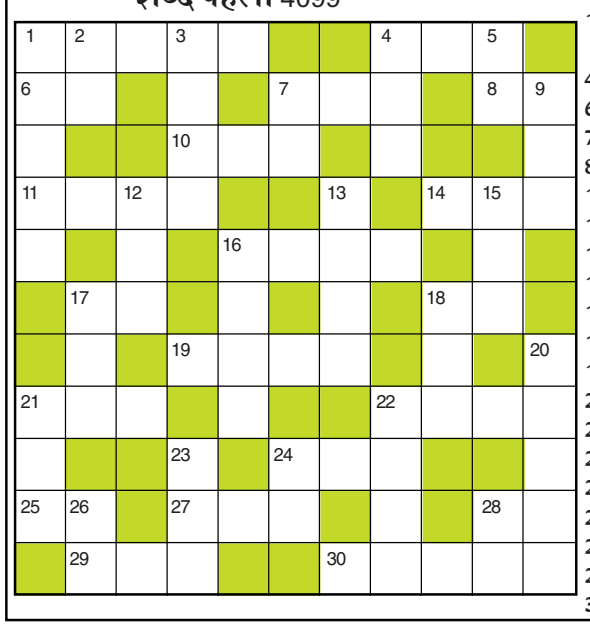

बाएँ से दाएँ

1. पदमाकर,कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान,मंदिर-2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम,सज्जन-2
10. पति,शोहर-3
11. दमकना-4
14. टीस,पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा,इच्छा-2
18. संध्या,शाम-2
19. निराकार,भगवान-4
21. बुझाना,शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे

1. कथा कहने वाला-5
2. चित,जी-2
3. कार्यशाला,यंत्रालय-4
4. माहिर,दक्ष-3
5. आकाश,गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान,अंदाज-3
13. झगड़ा,कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मगरमच्छ-3
24. दर,मूल्य-2
26. भूमि,धरती-2
28. पिता के पिता-2

शब्द पहेली -4098 हल

	बे	मि	सा	ल		प	ह	चा	न	
बे		ल		हु	न	र		क		स
ई	मा	न		लु		ब		र	स	म
मा				हा	ज	रि				क
न	क	ब	ज	न		श	य	न	क	क्ष
	म		र				की		हा	
अ	ल	सु	ब	ह		का	न	भ	र	ना
प				म	लि	न				स
रा	श	न		व		ख		स	ला	म
ध		हा		त	रा	जू		रो		झ
	स	ना	त	न		रा	ज	पा	ट	

जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में महसूस हुए भूकंप के झटके

एजेंसी

जम्मू। रात अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में रिक्टर स्केल पर 5.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में भी महसूस किए गए जिससे कुछ देर के लिए लोगों में दहशत फैल गई। मिली जानकारी के अनुसार, भूकंप रात 11:27:01 बजे आया। इसका केंद्र अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में 70.47एई और 36.53एएन निर्देशांक पर स्थित था जबकि इसकी गहराई 185 किलोमीटर दर्ज की गई। गहराई अधिक होने के कारण भूकंप का असर अपेक्षाकृत कम रहा। फिलहाल किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। भूकंप संबंधी यह जानकारी कश्मीर वेदर ने साझा की है। स्थानीय प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

नीट-पीजी 2026 परीक्षा 30 अगस्त को होगी, आवेदन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) ने नीट-पीजी 2026 परीक्षा की अधिसूचना जारी कर दी है। देशभर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर कंप्यूटर आधारित (सीबीटी) मोड में यह परीक्षा 30 अगस्त को आयोजित की जाएगी। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया एक जुलाई शाम 5 बजे से शुरू होकर 21 जुलाई रात 11:55 बजे तक चलेगी। एनबीईएमएस के अनुसार परीक्षा से संबंधित पात्रता मानदंड, शुल्क संरचना, परीक्षा योजना और अन्य विस्तृत जानकारी सूचना बुलेटिन में उपलब्ध है। सूचना बुलेटिन 1 जुलाई को शाम 4 बजे से वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया गया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार अभ्यर्थियों को उनके परीक्षा शहर की सूचना 11 अगस्त को दी जाएगी। वहीं, परीक्षा परिणाम 30 सितंबर तक घोषित किए जाने की संभावना है। बोर्ड ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे आवेदन करने से पहले सूचना बुलेटिन को ध्यानपूर्वक पढ़ें और अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें। आवेदन की अंतिम तिथि बीतने के बाद किसी भी माध्यम से आवेदन स्वीकार करने का अनुरोध नहीं माना जाएगा। एनबीईएमएस ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस बार परीक्षा शहर या परीक्षा केंद्र का आवंटन 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर नहीं किया जाएगा। यानी आवेदन जल्दी जमा करने से किसी विशेष राज्य, शहर या परीक्षा केंद्र के आवंटन में कोई प्राथमिकता नहीं मिलेगी। बोर्ड ने अभ्यर्थियों से कहा है कि नीट-पीजी 2026 से जुड़े किसी भी प्रश्न, स्पष्टीकरण या सहायता के लिए केवल एनबीईएमएस के आधिकारिक कम्युनिकेशन वेब पोर्टल का ही उपयोग करें। अन्य माध्यमों से भेजे गए प्रश्नों या अभ्यावेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा और उनके उत्तर में देरी हो सकती है।

राष्ट्रीय फार्मेसी आयोग विधेयक के संशोधित मसौदे पर केन्द्र ने मांगे सुझाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में फार्मेसी शिक्षा और पेशे के नियमन में व्यापक बदलाव के उद्देश्य से राष्ट्रीय फार्मेसी आयोग विधेयक, 2026 के संशोधित मसौदे पर आम जनता और संबंधित हितधारकों से सुझाव और टिप्पणियां आमंत्रित की हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को इस संबंध में सार्वजनिक सूचना जारी करते हुए बताया कि संशोधित मसौदा मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय फार्मेसी आयोग विधेयक का प्रारंभिक मसौदा पहले सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किया गया था। उस दौरान विभिन्न संस्थानों, विशेषज्ञों, फार्मासिस्टों, शिक्षाविदों और अन्य हितधारकों से प्राप्त सुझावों एवं टिप्पणियों की विस्तार से समीक्षा की गई। इन सुझावों के आधार पर विधेयक के मसौदे में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। अब संशोधित मसौदे पर एक बार फिर आम जनता और संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे गए हैं, ताकि प्रस्तावित कानून को और अधिक प्रभावी एवं व्यावहारिक बनाया जा सके। इस पहल का उद्देश्य देश में फार्मेसी शिक्षा, फार्मासिस्टों के पंजीकरण और पेशे के नियमन के लिए एक आधुनिक, जवाबदेह और प्रभावी व्यवस्था विकसित करना है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि मौजूदा कानून कई दशक पुराना है और बदलती स्वास्थ्य सेवाओं, आधुनिक फार्मेसी शिक्षा तथा पेशेवर आवश्यकताओं के अनुरूप एक नए नियामक ढांचे की जरूरत है।

विपक्ष को अदालत जाना चाहिए, सीजीआई के कार्यालय को राजनीतिक विवाद में नहीं घसीटना चाहिएः एआईबीए

नई दिल्ली। ऑल इंडिया बार एसोसिएशन ने चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में 23 विपक्षी दलों और एक निर्दलीय सांसद द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश को दिए गए संयुक्त ज्ञापन को संवैधानिक दृष्टि से अनुचित और संस्थागत दृष्टि से असंगत बताया है। एसोसिएशन ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश, भारत निर्वाचन आयोग के प्रशासनिक प्रमुख नहीं हैं। निर्वाचन आयोग के विरुद्ध किसी भी शिकायत को भारत के मुख्य न्यायाधीश को राजनीतिक ज्ञापन भेजकर नहीं, बल्कि सक्षम न्यायालय के समक्ष उचित याचिका दायर करके उठाया जाना चाहिए। ऑल इंडिया बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ आदीश सी. अग्रवाल ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर निर्वाचन आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया से संबंधित राजनीतिक विवाद में मुख्य न्यायाधीश के पवित्र पद को शामिल करने के प्रयास पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके आदीश सी. अग्रवाल ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश को संबोधित कोई ज्ञापन न्यायिक कार्यवाही का विकल्प नहीं माना जा सकता।

स्वच्छ एवं हरित विद्यालय की राष्ट्रीय रेटिंग में मप्र के 10 विद्यालयों का चयन

एजेंसी

भोपाल। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग भारत सरकार द्वारा बुधवार को घोषित स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग (एसएचवीआर) 2025-26 में मध्य प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय चयन सूची में मध्य प्रदेश के 10 विद्यालय विभिन्न श्रेणियों में चयनित हुए हैं। राष्ट्रीय चयन सूची में शहरी वर्ग के अंतर्गत मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के सांदीपनि विद्यालय जावरा ने प्रथम और राजधानी भोपाल के कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। वहीं, देवास जिले की शासकीय माध्यमिक शाला झिकड़ाखेड़ा ग्रामीण श्रेणी में दूसरे स्थान पर है। उल्लेखनीय है कि 'स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग'' भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहल है, जिसके अंतर्गत सुरक्षित पेयजल, बाल-अनुकूल शौचालय, हाथ धुलाई सुविधाएं, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा दक्षता, वर्षा जल संचयन, हरित परिसर विकास, पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली गतिविधियों तथा व्यवहार परिवर्तन आधारित गतिविधियों सहित विभिन्न मानकों पर विद्यालयों का मूल्यांकन किया जाता है। इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान पाने के लिए विद्यालय स्व-मूल्यांकन कर आवेदन करते हैं।

प्रदेश के 78 हजार से अधिक स्कूलों की सहभागिता

राज्य शिक्षा केन्द्र संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया कि इस वर्ष राज्य स्तर पर व्यापक जन-भागीदारी एवं जागरूकता के परिचायक के रूप में प्रदेश की कुल 78,149 शालाओं द्वारा 'स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग' अंतर्गत स्व-मूल्यांकन प्रक्रिया में सहभागिता की गई थी। विभिन्न तकनीकी एवं मूल्यांकन प्रक्रियाओं के आधार पर राज्य स्तर से कुल 20 विद्यालयों का चयन कर उन्हें राष्ट्रीय स्तर के लिए नामांकित किया गया था, जिसमें से मध्य प्रदेश के 10 विद्यालयों का चयन राष्ट्रीय स्तर पर किया गया है।

चयनित विद्यालयों को मिलेगी एक लाख की प्रोत्साहन राशि

उन्होंने बताया कि इन सभी 10 चयनित विद्यालयों को भारत सरकार द्वारा मेरिट प्रमाण-पत्र के साथ स्वच्छता एवं हरित गतिविधियों के सतत सुदृढ़ीकरण के लिए एक लाख रुपये की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही, इन विद्यालयों के संस्था प्रमुखों के लिए विशेष शैक्षणिक अध्ययन भ्रमण भी आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

गृह मामलों संबंधी संसदीय स्थायी समिति तीन दिवसीय अध्ययन दौरे पर सिक्किम पहुंची

एजेंसी

पाक्योंग। गृह मामलों संबंधी संसदीय स्थायी समिति के सदस्य तीन दिवसीय अध्ययन दौरे पर सिक्किम पहुंचे। समिति के अध्यक्ष डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल एक से 3 जुलाई तक सिक्किम में रहेगा।

दौरे के दौरान समिति भारत-चीन सीमा पर स्थित नाथूला का भ्रमण करेगी। वहां समिति के सदस्य भारतीय सेना के अधिकारियों के साथ संवाद करेंगे तथा सीमा प्रबंधन, सुरक्षा चुनौतियों, सीमा पार आवागमन, मानव तस्करी की रोकथाम, साइबर एवं संचार संबंधी चुनौतियों, नागरिक-सैन्य समन्वय तथा सीमा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित जानकारी प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त, समिति उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय, राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक करेगी।बैठक में पीएम-डिवाइन, एनईसी योजनाओं, मिशन सिक्किम ऑर्गेनिक्स सहित केंद्र प्रायोजित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा और मूल्यांकन किया जाएगा। आज रंगपो स्थित पर्यटक सुविधा केंद्र में गृह विभाग के प्रोटोकॉल अधिकारी डीपी सिलाल तथा गंगटोक स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

पाकिस्तान का नैरेटिव फैलाना बंद करे गुपकार गैंग: भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद तरुण चुग ने फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, मीरवाइज उमर फ़ारूक, मनोज झा, हुमायूं कबीर और मणिशंकर अय्यर सहित उन नेताओं पर तीखा प्रहार किया जिन्होंने पाकिस्तान के साथ सामान्य संबंध और वार्ता बहाल करने का समर्थन किया है।

चुग ने मीडिया को जारी बयान में कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में बैठे कुछ राजनीतिक नेता आज भी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की भयावह सच्चाई को नज़रअंदाज़ कर उसके पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे लोग आतंकवाद के सबसे बड़े पीड़ित भारत की पीड़ा को भूलकर पाकिस्तान के दुष्प्रचार को ही बल दे रहे हैं। चुग ने कहा कि यदि इन नेताओं को वास्तव में शांति की चिंता है तो उन्हें भारत सरकार को नहीं बल्कि पाकिस्तान की सरकार और सेना को पत्र लिखना चाहिए। उन्हें पाकिस्तान से मांग करनी चाहिए कि वह अपनी धरती पर चल रहे सभी आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को तत्काल बंद करे, सीमा पार आतंकवाद और घुसपैठ पूरी तरह समाप्त करे,

आतंकवादी संगठनों को मिलने वाला संरक्षण और वित्त पोषण बंद करे तथा पूरी दुनिया के सामने अपनी गलती स्वीकार करते हुए यह घोषणा करे कि वह भविष्य में आतंकवादियों को प्रशिक्षण, हथियार, आर्थिक सहायता और सुरक्षित पनाह देना हमेशा के लिए बंद कर रहा है। चुग ने कहा कि यदि ये नेता वास्तव में शांति के पक्षधर हैं तो उन्हें पाकिस्तान से यह भी कहना चाहिए कि वह आतंकवाद को अपनी राज्य नीति का हिस्सा बनाना बंद करे और विश्व समुदाय के सामने अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करे। यही स्थायी शांति की पहली और अनिवार्य शर्त है। चुग ने कहा कि गुपकार गैंग और उसके वैचारिक सहयोगी वर्षों से आतंकवाद के शिकार भारत और आतंकवाद के संरक्षक पाकिस्तान के बीच झूठी समानता स्थापित करने का प्रयास करते रहे हैं, जबकि पूरी दुनिया पाकिस्तान की भूमिका से भली-भांति परिचित है। चुग ने कहा कि जो लोग पाकिस्तान से संवाद की वकालत कर रहे हैं, उन्हें पहले मुंबई, पठानकोट, उरी, पुलवामा, पहलगाम और अन्य पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमलों में शहीद जवानों तथा निर्दोष नागरिकों के परिवारों को जवाब देना चाहिए।

महाराष्ट्र के 29 जिलों में चार दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट, समुद्र तट के पास न जाने की चेतावनी

एजेंसी

मुंबई। भारतीय मौसम विभाग ने चार दिनों तक सूबे के 29 जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया है। मुंबई और आस-पास बीती रात से हो रही भारी बारिश से निचले इलाकों में जलभराव हो गया है। मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेन सेवा प्रभावित हुई है। इसके साथ ही सड़क यातायात भी बाधित हुआ है। मुंबई सहित समुद्र तटीय इलाकों में उंची लहरें उठ रही है, इससे मछुआरों और सैलानियों को समुद्र तट के पास न जाने की चेतावनी दी गई है।

भारतीय मौसम विभाग केके एस होसालीकर ने आज बताया कि आगामी चार दिनों तक 29 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। इसे देखते हुए मुंबई, मुंबई उपनगर, पालघर, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, रायगढ़ , ठाणे सहित 29 जिलों के लिए ओरेंज एलर्ट घोषित किया गया हऐ। बारिश की रफ्तार आगामी 8 दिनों तक जारी रहने की भी संभावना व्यक्त की गई है।मौसम विभाग ने बताया कि राज्य में 1 से 30 जून के बीच औसत 133 मिमी बारिश होती है, लेकिन इस साल सिर्फ 52 मिमि बारिश रिकॉर्ड की गई है। बीती

रात से हो रही बारिश का असर लोकल ट्रेनों पर पड़ा है। इससे हार्बर रेलवे करीब आधे घंटे तो मध्य रेलवे की लोकलें 15 मिनट देरी से चल रही है। इसी तरह नेरुल-वाशी के बीच ओवरहेड वायर टूटने से हार्बर रेलवे सर्विस में रुकावट आई थीं, जिसे पूर्ववत कर दिया गया है।

मुंबई नगर निगम के प्रवक्ता ने बताया कि मुंबई के कांदिवली, बोरीवली, मलाड, दहिसर, अंधेरी, गोरेगांव समेत सभी इलाकों में बारिश जारी है। भारी बारिश की वजह से गांधी मार्केट, किंगसर्कल, अंधेरी सब वे, मिलन सबवे सहित कई इलाकों में जलभराव हो गया था, लेकिन मुंबई नगर निगम की टीम ने पंपिंग के सहयोग से जलनिकासी का काम शुरु कर दिया है।

भारतीय रेलवे की सभी डिजिटल सेवाओं और तकनीकी प्रणालियों का आधार है सीआरआईएस : जीवीएल सत्य कुमार

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय के अधीन कार्यरत रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र (सीआरआईएस) के प्रबंध निदेशक जीवीएल सत्य कुमार ने 41वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में कहा कि भारतीय रेलवे के बारे में लगभग हर व्यक्ति जानता है, लेकिन बहुत कम लोग सीआरआईएस की भूमिका से परिचित हैं। उन्होंने कहा कि सीआरआईएस ही वह आईटी संगठन है, जो भारतीय रेलवे की सभी डिजिटल सेवाओं और तकनीकी प्रणालियों का आधार है। उन्होंने कहा कि सीआरआईएस भारतीय रेलवे की सभी आईटी प्रणालियों की रीढ़ है और रेलवे में संचालित होने वाले सभी प्रमुख डिजिटल अनुप्रयोगों का डिजाइन, विकास, संचालन और रखरखाव इसी संस्था द्वारा किया जाता है। संगठन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में मजबूत क्षमताएं विकसित की हैं तथा कई एआई आधारित अनुप्रयोग पहले ही सफलतापूर्वक लागू किए जा चुके हैं। कुमार ने कहा कि पिछले चार दशकों में सीआरआईएस ने लगातार अपनी तकनीकी क्षमता का विस्तार किया है। शुरुआती दो दशकों में संगठन का मुख्य फोकस यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) और माल ढुलाई संचालन प्रणाली के विकास पर था।

वहीं पिछले 10 से 12 वर्षों में रेलवे के लगभग हर कार्य का डिजिटलीकरण और स्वचालन किया गया है। सत्य कुमार ने कहा कि भारतीय रेलवे का एंड-टू-एंड आईटी एप्लिकेशन इकोसिस्टम दुनिया में अपनी तरह का अनूठा मॉडल है। उन्होंने इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व को देते हुए कहा कि इन्हीं के मार्गदर्शन में सीआरआईएस ने तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को हासिल किया है। उन्होंने बताया कि संगठन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में मजबूत क्षमताएं विकसित की हैं। कई एआई आधारित अनुप्रयोग अब उत्पादन स्तर पर सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। रेलवे की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन एआई समाधानों को विशेष रूप से तैयार किया गया है, जिससे यात्रियों को बेहतर सेवाएं देने के साथ-साथ परिचालन और रखरखाव की दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। प्रबंध निदेशक ने कहा कि सीआरआईएस द्वारा ट्रेन पाथ प्लानिंग, माल ढुलाई प्रबंधन, प्रिवेंटिव और प्रिडिक्टिव मेंटेनेंस तथा यात्री सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए एआई आधारित कई नई परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। इन पहलों से रेलवे की सुरक्षा, विश्वसनीयता और कार्यकुशलता में और वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि पिछले 41 वर्षों में सीआरआईएस ने पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस), फ्रेट ऑपरेशंस इंफॉर्मेशन सिस्टम, अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली (यूटीएस), नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एनटीईएस), कंट्रोल ऑफिस एप्लीकेशन और भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम जैसी अनेक महत्वपूर्ण डिजिटल प्रणालियां विकसित की हैं, जिन्होंने रेलवे के परिचालन को अधिक पारदर्शी, तेज और यात्री-अनुकूल बनाया है।

ओडिशा के प्रतिनिधिमंडल ने भोपाल के मुगलिया हाट गांव में ग्रामीण पेयजल व्यवस्था का किया अवलोकन

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के प्रवास पर आए ओडिशा के पंचायती राज एवं पेयजल मंत्री रबी नारायण नाइक ने प्रतिनिधिमंडल के साथ भोपाल जिले के मुगलिया हाट गांव पहुंचकर ग्रामीण पेयजल योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का अवलोकन किया। उन्होंने गांव में संचालित पेयजल आपूर्ति प्रणाली, जल गुणवत्ता निगरानी व्यवस्था तथा पंचायत की कार्यप्रणाली का विस्तार से अध्ययन किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने में सामुदायिक भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है और मुगलिया हाट में इसका प्रभावी उदाहरण देखने को मिला। भ्रमण के दौरान मंत्री नाइक ने ग्राम सरपंच, फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) से जुड़ी महिला सदस्यों तथा ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (वीडब्ल्यूएससी) के सदस्यों से संवाद कर जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी, पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव तथा ग्रामीण समुदाय की सहभागिता के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ग्रामीणों द्वारा निभाई जा रही जिम्मेदारियों और पंचायत की सक्रिय भूमिका की सराहना की। ओडिशा के प्रतिनिधिमंडल ने इस अवसर पर पीडीपी पोर्टल के माध्यम से पेयजल योजनाओं की मॉनिटरिंग एवं प्रबंधन व्यवस्था को भी देखा। इसके साथ ही ग्रामीण जल प्रदाय प्रणाली के विभिन्न तकनीकी घटकों का निरीक्षण कर उनके संचालन की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को योजनाओं के संचालन, रखरखाव तथा पारदर्शी निगरानी तंत्र से अवगत कराया। भ्रमण के दौरान मंत्री नाइक एवं प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

टीवी मुक्त भारत अभियान और डेंगू को लेकर केन्द्र की दिल्ली सरकार के साथ समीक्षा बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने दिल्ली सरकार के साथ टीबी मुक्त भारत अभियान और डेंगू से निपटने की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। बैठक में टीबी उन्मूलन अभियान की प्रगति, मरीजों की समय पर पहचान, उपचार और सहायता व्यवस्था की समीक्षा की गई। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारियों, अस्पतालों में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता, मच्छर नियंत्रण अभियान, निगरानी व्यवस्था और जन-जागरूकता कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि टीबी उन्मूलन अभियान को गति मिले और डेंगू जैसी मौसमी बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने टीबी मुक्त भारत अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से और अधिक गति देने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में नड्डा ने कहा कि

अभियान से जुड़ी सभी जानकारियाँ और संदेश सरल एवं आसानी से समझ में आने वाली भाषा में प्रसारित किए जाएं ताकि अधिक से अधिक लोगों तक इसकी पहुँच सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जनप्रतिनिधियों को अभियान से सक्रिय रूप से जोड़ा जाए, जिससे समुदाय स्तर पर सहभागिता और मजबूत हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में आयोजित प्रगति बैठक में दिए गए मार्गदर्शन का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने माई भारत स्वयंसेवकों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया, ताकि जमीनी स्तर पर अभियान को और सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्रत्येक वार्ड की निगरानी वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों द्वारा की जाए, जिससे अभियान के क्रियान्वयन की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सके। टीबी की शीघ्र पहचान को मजबूत करने के लिए जेपी नड्डा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से युक्त हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनों की अधिक संख्या में उपलब्धता को समर्थन दिया जाएगा, जिससे समय पर निदान और केस डिटेक्शन में सुधार हो सके। उन्होंने रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशंस की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए उनके कार्यों और अपेक्षाओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने के निर्देश दिए, ताकि टीबी मुक्त भारत अभियान और डेंगू की रोकथाम दोनों में प्रभावी सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। बैठक में डेंगू से निपटने की दिल्ली सरकार की तैयारियों की भी समीक्षा की गई, जिसमें समन्वित कार्रवाई, प्रभावी निगरानी, जन-जागरूकता और समय पर निवारक उपायों पर विशेष जोर दिया गया।

मध्य प्रदेश ने जल संरक्षण में बनाया रिकॉर्ड, 3.63 लाख संरचनाओं के साथ देश में अग्रणी बना राज्य

एजेंसी

भोपाल । मध्य प्रदेश में संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' 30 जून को संपन्न हो गया। अभियान में जनभागीदारी के साथ 3 लाख 63 हजार से अधिक जल संरचनाओं के निर्माण और जीर्णोद्धार के कार्य किए गए। साथ ही सोशल मीडिया के जरिए करीब 7 करोड़ परिवारों तक पहुंच बनाते हुए जल संरक्षण में जनभागीदारी का नया कीर्तिमान स्थापित किया। जनसंपर्क अधिकारी अनुराग उइके ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में पारंपरिक जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के मुख्य उद्देश्यों के साथ संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश के साथ देश और विदेश के लगभग 7 करोड़ परिवारों तक अपनी पहुंच बनाकर जनभागीदारी का एक नया इतिहास रच दिया है। आगामी मानसून में कम वर्षा की संभावना को देखते हुए पानी की प्रत्येक बूंद को सहेजने के दूरदर्शी उद्देश्य से शुरू हुआ यह महा

अभियान 30 जून 2026 को भव्यता के साथ संपन्न हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दृढ़ संकल्प से यह अभियान महज एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर एक विराट वैश्विक जन आंदोलन के रूप में स्थापित हुआ है। उन्होंने बताया कि इस महाअभियान को सोशल मीडिया और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर जनता का अभूतपूर्व समर्थन मिला। ट्विटर (एक्स), फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर सरकार के आधिकारिक माध्यमों द्वारा प्रतिदिन जागरूकता पोस्टर, लघु फिल्में और इन्फोग्राफिक्स साझा किए गए। जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सतत मॉनिटरिंग और विशेष डिजिटल डैशबोर्ड के माध्यम से अभियान में पूरे राज्य में रिकॉर्ड स्तर पर कार्य किए गए। प्रदेश भर में 10,514 करोड़ रुपये की लागत से 3 लाख 63 हजार से अधिक जल संरचनाओं के निर्माण और जीर्णोद्धार के कार्य पूर्ण किए गए। भू-जल संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए रिकॉर्ड समय में 67,708 खेत-तालाब, 225 अमृत सरोवर और 97,614 कूप रिचार्ज संरचनाएं तैयार की गईं। इसके अलावा 10,000 से अधिक कुओं, नदियों और प्राचीन बावड़ियों की सफाई व सौंदर्यीकरण कर उन्हें अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इन प्रामाणिक कार्यों की बदौलत मध्यप्रदेश जल संरक्षण में देश का अग्रणी राज्य बना है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं विभिन्न जिलों का दौरा कर श्रमदान किया और समाज के हर वर्ग को प्रेरित किया।

आकाशवाणी के 90 वर्ष पूरे होने पर 'स्वर प्रेरणा वीथिका' का शुभारंभ, पंडित हरिप्रसाद चौरसिया ने किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। आकाशवाणी के 90 वर्ष पूरे होने के अवसर पर तथा वर्ष 2027 में देश में रेडियो प्रसारण के शताब्दी वर्ष के आयोजन की तैयारियों के तहत 'स्वर प्रेरणा वीथिका' नामक विशेष फोटो गैलरी का शुभारंभ किया गया। नई दिल्ली स्थित आकाशवाणी भवन के रंग भवन सभागार में आयोजित समारोह में पद्म विभूषण से सम्मानित प्रख्यात बांसुरी वादक पंडित हरिप्रसाद चौरसिया ने इसका उद्घाटन किया।'स्वर प्रेरणा वीथिका' के माध्यम से आकाशवाणी ने उन महान संगीतकारों और कलाकारों को सम्मानित किया है, जिन्होंने वर्षों तक आकाशवाणी से जुड़कर भारतीय संगीत की समृद्ध परंपरा को देश-विदेश तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। समारोह को संबोधित करते हुए प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी ने कहा कि 'स्वर प्रेरणा वीथिका' आकाशवाणी की ओर से उन महान कलाकारों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है, जिनके योगदान से यह संस्थान देश की प्रमुख सांस्कृतिक पहचान बना। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में इस गैलरी का विस्तार किया जाएगा और देशभर के आकाशवाणी केंद्रों पर स्थानीय संगीत विभूतियों को समर्पित ऐसी ही वीथिकाएं भी विकसित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि आकाशवाणी ने हमेशा भारतीय संगीत की विविध परंपराओं को संरक्षण और प्रोत्साहन दिया है। इसके डिजिटल चैनल 'रागम' और 'आराधना' के माध्यम से शास्त्रीय और भक्ति संगीत चौबीसों घंटे श्रोताओं तक पहुंच रहा है। इस अवसर पर पंडित हरिप्रसाद चौरसिया ने कहा कि आकाशवाणी उनके लिए परिवार की तरह है और उनकी संगीत यात्रा की शुरुआत भी आकाशवाणी के बाल कार्यक्रमों से हुई थी। उन्होंने विश्वास जताया कि यह संस्था भविष्य में भी नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करती रहेगी। समारोह में पंडित हरिप्रसाद चौरसिया के शिष्य पंडित रूपक कुलकर्णी ने बांसुरी वादन की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। उनकी प्रस्तुति को उपस्थित श्रोताओं ने खूब सराहा। 'स्वर प्रेरणा वीथिका' पहल भारतीय संगीत विरासत के संरक्षण के साथ-साथ नई पीढ़ी के कलाकारों और संगीत प्रेमियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। गैलरी के प्रथम चरण में 20 प्रतिष्ठित संगीत विभूतियों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इनमें भारत रत्न से सम्मानित एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी, पंडित रवि शंकर, लता मंगेशकर, उस्ताद बिस्मिल्लाह खान, पंडित भीमसेन जोशी और डॉ. भूपेन हजारिका सहित कई महान कलाकारों को स्थान दिया गया है।

अमेरिका विश्वकप जीता तो चांद पर फुटबॉल खेलकर इसे यादगार बनाएंगे: नासा प्रमुख

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के प्रमुख जारेड आइजैकमैन ने अमेरिकी फुटबॉल टीम का मनोबल बढ़ाते हुए कहा है कि अगर टीम फीफा विश्व कप जीतती है, तो इस ऐतिहासिक जीत को चांद पर फुटबॉल भेजकर और भी यादगार बनाया जाएगा। यह घोषणा नासा की चंद्रमा पर मानव बेस बनाने की महत्वाकांक्षी योजना के तहत आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की गई, जिसमें आइजैकमैन ने खिलाड़ियों से कहाया, टीम यूएसए, अब अपना काम पूरा करके दिखाइए!

गौरतब है कि नासा लंबे समय से चंद्रमा पर स्थायी मानवीय उपस्थिति स्थापित करने के लिए प्रयासरत है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, आइजैकमैन का यह अनोखा प्रस्ताव अंतरिक्ष अन्वेषण और खेल को एक साथ जोड़ता है। उन्होंने 1971 के अपोलो-14 मिशन का जिक्र किया, जब अंतरिक्ष यात्री एलन शेपर्ड ने चंद्रमा की सतह पर गोल्फ खेला था। अब, नासा उस उपलब्धि से एक कदम आगे बढ़ना चाहता है। आइजैकमैन ने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य एलन शेपर्ड के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ना है। उन्होंने कहा, अगर अमेरिका वर्ल्ड कप जीतता है, तो हम फुटबॉल को चांद तक पहुंचाएंगे। 2026 फीफा वर्ल्ड कप के मौके पर एक आधिकारिक फुटबॉल पहले ही अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजी जा चुकी है, और अब अगला लक्ष्य उसे चांद की सतह पर पहुंचाना है।

एलन शेपर्ड का गोल्फ शॉट अंतरिक्ष इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक है। वे चांद पर कदम रखने वाले पांचवें इंसान और अमेरिकी अंतरिक्ष कार्यक्रम के शुरुआती दौर के एक दिग्गज अंतरिक्ष यात्री थे। अपने मिशन के अंत में, शेपर्ड ने चतुराई से छुपाकर लाए गए एक छोटे गोल्फ क्लब और दो गोल्फ बॉल से चांद पर दो शॉट लगाए। चंद्रमा के कम गुरुत्वाकर्षण के कारण, गेंदें पृथ्वी की तुलना में कहीं अधिक दूर तक गईं, जिसने दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया। आइजैकमैन का यह नया चैलेंज इसी तरह के एक और ऐतिहासिक पल को रचने का प्रयास है, लेकिन इस बार दांव पर एक वैश्विक खेल प्रतियोगिता की जीत है।

श्रीकांत रिटायर हुए, अकर्षी और तान्या कनाडा ओपन के दूसरे दौर में पहुंची

मार्खम (कनाडा) (एजेंसी)। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत ने फिटनेस संबंधी परेशानी के कारण कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अपने पहले दौर का मुकाबला बीच में ही छोड़ दिया तो वहीं महिला एकल में तान्या हेमनाथ और आकर्षि कश्यप दूसरे दौर में पहुंचने वाली भारत की चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल रहे।

पिछले रविवार को यूएस ओपन 300 में उपविजेता रहे 33 साल के श्रीकांत पुरुष एकल के पहले दौर में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ली जी जिया के खिलाफ 10-11 से पिछड़ रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कोच बी. साई प्रणीत से चर्चा के बाद मैच से हटने का फैसला किया।

महिला एकल में आकर्षि कश्यप ने फ्रांस की अन्ना तात्रानोवा को 21-14, 21-12 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका सामना अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त बेईवेन झांग से होगा। दूसरी ओर तान्या हेमनाथ ने अमेरिका की दिशा गुप्ता को 21-16, 21-18 से शिकस्त दी और अब उनका मुकाबला जापान की रिको गुंजी से होगा।

भारतीय खिलाड़ियों के लिए कुल मिलाकर दिन निराशाजनक रहा। बुधवार को उतरे नौ भारतीय खिलाड़ियों में से सात पहले ही दौर में बाहर हो गए। पांचवीं वरीयता प्राप्त देविका सिहाग चीनी ताइपे की तुंग सिउ-तोंग से 14-21, 15-21 से हार गईं। कनाडा की रेचल चान के खिलाफ रक्षिता रामराज ने कड़ा संघर्ष लेकिन 15-21, 21-14, 15-21 से हारकर बाहर हो गईं।

इस साल अबू धाबी में अल ऐन मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतने वाली श्रियंशी वालिशेट्टी को चीनी ताइपे की हुआंग चिंग पी के हाथों 9-21, 18-21 से पराजय झेलनी पड़ी। अनमोल खरब ने शीर्ष वरीयता प्राप्त मेजबान खिलाड़ी मिशेल ली को कड़ी टक्कर दी, लेकिन 6-21, 26-24, 13-21 से मुकाबला गंवा बैठीं।

पुरुष एकल में सनीत दयानंद और शंकर सुब्रमण्यन भी पहले दौर की बाधा पार नहीं कर सके। सनीत को जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो ने 21-7, 21-11 से हराया, जबकि शंकर को दक्षिण कोरिया के यू ते-बिन ने 19-21, 21-15, 21-15 से मात दी। पुरुष युगल में भारत की एकमात्र जोड़ी अच्युतादित्य राव दोड्डावरापु और अर्जुन रेड्डी पोचाना भी शुरुआती दौर में हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

अगर वैभव को खेलना है तो उन्हें खेलना चाहिए, लेकिन किसी और को टीम से बाहर करके नहीं : पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20आई से पहले भारत के टॉप ऑर्डर को लेकर हो रही चर्चा पर बात की। उन्होंने साफ किया कि भले ही युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में शामिल करने की मांग बढ़ रही है, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि वैभव को जगह देने के लिए संजू सैमसन को टीम से बाहर किया जाना चाहिए। अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि टीम में सैमसन की जगह को लेकर लगातार अटकलें लगाना गैर-जरूरी है और इस विकेटकीपर-बल्लेबाज को लंबे समय तक खेलने का मौका मिलना चाहिए।

पुजारा ने जियोस्टार पर कहा, 'मुझे लगता है कि भारत को संजू सैमसन के साथ बने रहना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि उन्हें किसी तरह का दबाव महसूस करना चाहिए। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में खुद को साबित किया है और उनके पास जो टैलेंट है, उसे देखते हुए उन्हें प्लेइंग XI में होना चाहिए। संजू सैमसन को टीम से बाहर करने को लेकर ज्यादा शोर नहीं होना चाहिए। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उन्हें लंबे समय तक खेलने का मौका मिलना चाहिए। संजू को बस नैचुरली बैटिंग करनी चाहिए और ज्यादा सोचना नहीं चाहिए।'

पुजारा ने माना कि सूर्यवंशी को मौका मिलना चाहिए, लेकिन उन्होंने कहा कि इस युवा खिलाड़ी को शामिल करने के लिए भारत के पहले से तय टॉप ऑर्डर को नहीं बिगाड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वैभव को खेलना है तो उन्हें खेलना चाहिए, लेकिन किसी को टीम से बाहर करके नहीं, बल्कि किसी को आराम देकर। अगर आप उन्हें मौका देना चाहते हैं, तो यह ठीक है। लेकिन आपको भारत के टॉप तीन खिलाड़ियों में से किसी को भी बाहर नहीं करना चाहिए, चाहे वह संजू हों, अभिषेक हों या ईशान किशन। इसके बावजूद वैभव को मौका मिलना चाहिए और उन्हें मौका जरूर मिलेगा।'

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कप्तान और कोच बदले जायें : इडुल्जी

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व भारतीय कप्तान और बीसीसीआई की प्रशासक समिति (सीओए) की सदस्य डायना इडुल्जी ने कहा है कि अब भविष्य के मुकाबले को देखते हुए कप्तान और कोच में बदलाव की जरुरत है। इडुल्जी के अनुसार अब कप्तान हरमनप्रीत कौर और मुख्य कोच अमोल मजूमदार से आगे बढ़ने का समय आ गया है। टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के प्रदर्शन के आधार पर उन्होंने ये बात कही साथ ही कहा कि अब टीम के प्रदर्शन में स्थिरता आ गयी है। इसलिए लिए टीम को नये विचार और योजनाओं वाले कप्तान और कोच चाहिये।

इडुल्जी ने साथ ही कहा, हरमनप्रीत हालांकि मेरी पसंदीदा खिलाड़ी हैं और मैंने हमेशा उनका समर्थन किया है पर मेरा मानना है कि हमें कम से कम टी20 प्रारूप में किसी

और को कप्तानी देनी चाहिये। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत को एक खिलाड़ी के रूप में खेलते रहने दिया जाए, लेकिन कप्तानी के लिए किसी ऐसे व्यक्ति को चुना जाए जिसके पास बेहतर रणनीतिक विचार हों, खासकर गेंदबाजी बदलाव और कप्तानी के अन्य पहलुओं को लेकर। इडुल्जी को लगता है कि हरमनप्रीत की कप्तानी में अब एक ठहराव आ गया है। चयन समिति के फैसलों पर असहमति जताते हुए उन्होंने कहा कि यह कड़े फैसले लेने का सही समय था, भले ही यह विश्व कप हारने के तुरंत बाद की प्रतिक्रिया लगे। इडुल्जी ने हरमनप्रीत के सेफ गेम खेलने की भी आलोचना की, यह कहते हुए कि अगर आप सुरक्षित खेलकर भी हार रहे हैं, तो बेहतर है कि आक्रामक होकर खेलें।

वहीं मुख्य कोच अमोल मजूमदार पर भी इडुल्जी ने सवाल उठाये। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह अब उससे ज्यादा कुछ कर पाएंगे जो उन्होंने पहले ही किया है। हमें अब एक ऐसे कोच की जरुरत है जो टीम का हौसला बढ़ा सके और टीम को उनके कंफर्ट जोन से बाहर निकालने के लिए थोड़ा सख्त हो। इंग्लैंड में टीम के कुछ चयन निर्णयों पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, हमने यास्तिका भाटिया को क्यों खिलाया? वह बल्लेबाजी करने नहीं आईं, न ही वह गेंदबाज हैं। वह दूसरी विकेटकीपर हैं।

साथ ही कहा कि एकदिवसीय डे और टी20 के लिए अलग-अलग टीमों की जरूरत है। उन्होंने नंदिनी शर्मा और क्रांति गौड़ जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लगातार मौका न देने पर भी नाराजगी जताई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की सलाहकार इडुल्जी ने कहा कि खेल के सभी प्रारूपों में एक ही टीम से नहीं खेला जा सकता, क्योंकि इससे खिलाड़ियों की फिटनेस पर असर पड़ता है, जो पहले से ही कम है।

वैभव को आयरलैंड के खिलाफ अवसर नहीं देना एक बड़ी गलती रही : शास्त्री

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रहे रवि शास्त्री ने कहा है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं उतारकर भारतीय टीम प्रबंधन ने गलती की है। शास्त्री का मानना है कि आयरलैंड के हालात वैभव के अनुकूल थे, इसके अलावा उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभवी भी मिल जाता। उसे पूरे दौरे में बेंच पर बैठाए रखने का फैसला सही नहीं था। शास्त्री ने कहा, अरे, उसे आयरलैंड में खेलना चाहिए था। वहां की पिच धीमी थी और मैदान भी छोटा था। वह गेंद को सीधे हवा में खेल देता। उन्होंने साथ ही कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में उसे अवसर मिलेगा या नहीं ये कहा नहीं जा सकता पर मेरा मानना है कि उसे अवसर दिया जाना चाहिये था। शास्त्री ने वैभव के आईपीएल प्रदर्शन की भी प्रशंसा करते हुंए कहा कि उसने हर गेंदबाज के खिलाफ आसानी से खेला था। इसके बाद भी उसे बेंच पर बैठाया हुआ है। शास्त्री ने वैभव को भारतीय टीम का एक्स फैक्टर करार देते हुए उनकी सबसे बड़ी ताकत उनके निडर अंदाज को बताया। उन्होंने कहा, उसके पास युवा जोश है, कोई दबाव नहीं है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। वह शुरुआती कुछ ओवरों में ही मैच का रुख बदल सकता है और मिडिल ऑर्डर के लिए मजबूत मंच तैयार कर सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में भी उन्हें अवसर नहीं मिला अब देखना है कि उन्हें 4 जुलाई को होने वाले दूसरे टी20 में अवसर मिलता है या नहीं। सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं; इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में वह सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए और पिछले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में उनके बल्ले से केवल 6 रन निकले हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि दूसरे टी20 में सैमसन की जगह पर वैभव को उतारना चाहिये।

श्रेयस ने इंग्लैंड में भारतीय कप्तान के तौर पर सबसे बड़ी पारी का रिकार्ड बनाया

डरहम। भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान श्रेयस अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में अर्धशतक लगाते ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। श्रेयस ने इसी के साथ ही तीन पूर्व कप्तानों महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी पीछे छोड़ दिया। श्रेयस ने इस मैच में 47 गेंदों पर 68 रन बनाकर अपना नौवां टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक लगाया। कप्तान के तौर पर यह उनका पहला अर्धशतक था। इस ऐतिहासिक पारी के साथ ही, अय्यर अब इंग्लैंड की धरती पर बतौर भारतीय कप्तान सबसे बड़ा टी20 स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पूर्व कप्तान विराट कोहली के उस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया, जो उन्होंने साल 2018 में कार्डिफ में 47 रन बनाकर बनाया था। वहीं रोहित शर्मा 31 रनों के साथ चौथे स्थान पर हैं और महान कप्तान धोनी 30 रनों (नाबाद) के साथ पांचवें स्थान पर हैं। हालांकि, वैश्विक स्तर पर इंग्लैंड में कप्तान द्वारा सर्वोच्च टी20 स्कोर का रिकॉर्ड अभी भी ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के नाम 90 रन है।

टी20 क्रिकेट बना रहेगा, अश्विन ने वनडे के भविष्य पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि फ्रेंचाइजी आधारित यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ETPL) मौजूदा क्रिकेट परिदृश्य में एक जरूरी पहल है क्योंकि टी20 क्रिकेट का भविष्य बेहद मजबूत है, जबकि वह वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। अश्विन ईटीपीएल में डबलिन गार्जियंस टीम की कप्तानी करेंगे। भारत के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में दूसरे सबसे सफल गेंदबाज अश्विन का मानना है कि 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी को देखते हुए यह लीग खेल के वैश्विक विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अश्विन ने कहा, 'कुछ वर्षों में ओलंपिक होने हैं और क्रिकेट अगर वास्तव में वैश्विक खेल बनना चाहता है तो इस तरह की लीगों की टीमें इसमें अहम योगदान देंगी।' उन्होंने कहा कि टी20 प्रारूप क्रिकेट को दुनिया के अधिक देशों तक पहुंचाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा, 'हमारा पूरा ध्यान टी20 क्रिकेट पर रहेगा और इसे बेहतर बनाने पर होगा। यदि क्रिकेट को वैश्विक खेल और सफल ओलंपिक खेल बनाना है तो छोटा प्रारूप सबसे अधिक व्यावहारिक है।' उन्होंने कहा, 'इसी वजह से टी20 क्रिकेट का लगातार विस्तार होता जाएगा। इससे खिलाड़ियों का दायरा भी बढ़ेगा, जो सालभर आयोजित होने वाली विभिन्न लीगों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। टी20 क्रिकेट यहां लंबे समय तक रहने वाला है। मैं वनडे क्रिकेट के बारे में मैं इतना निश्चित नहीं हूं।'

विंबलडन के तीसरे दौर में पहुंचे सिनर: सबसे अधिक मैच जीतने वाले इटली के खिलाड़ी बने

लंदन (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और मौजूदा चैम्पियन इटली के जैनिक सिनर जीत के साथ ही विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंच गये हैं। सिनर ने पुरुष एकल के दूसरे दौर में पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस को सीधे सेटों में 7-6(4), 7-6(2), 6-4 से हराया। इस जीत के साथ ही सिनर एक बार फिर अपने खिताब को बनाये के लिए आगे बढ़ते दिख रहे हैं। सिनर ने बोर्गेस के खिलाफ मैच में काफी अच्छा प्रदर्शन करने के साथ ही अपनी 95वीं ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ जीत के साथ एक नया रिकॉर्ड भी बनाया। वह इतने मैच जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी हैं। अब तीसरे दौर में उनका सामना अमेरिका के जेनसन

ब्रूक्सबी से होगा।

पुर्तगाली खिलाड़ी के खिलाफ सिनर के मिए मुकाबला आसान नहीं रहा। पहले दो सेटों में बोर्गेस ने उन्हें कड़ी टक्कर दी और मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचा दिया। वहीं सिनर ने धैर्य से खेलते हुए अपने सटीक शॉट्स के साथ अंक हासिल किये। वहीं दूसरे सेट में तो बोर्गेस 5-4 की बढ़त के साथ सर्विस कर रहे थे पर दबाव के क्षणों में सिनर ने जीत के साथ वापसी की। उन्होंने टाई-ब्रेक को 7-2 से जीतकर मैच पर पकड़ बना ली।वहीं तीसरे सेट में भी बोर्गेस ने आक्रामक अंदाज बनाये रखा। उन्होंने सही समय पर निर्णायक ब्रेक हासिल कर मैच जीत लिया। इस जीत के साथ सिनर ने अपने करियर की 95वीं ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ जीत दर्ज की है। इस शानदार उपलब्धि ने उन्हें निकोला पिएट्रांगेली के 94 जीत के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए, ग्रैंड स्लैम इतिहास में सबसे अधिक मैच जीतने वाले इतालवी खिलाड़ी बनने का गौरव प्रदान किया है।, सिनर अब ओपन एरा में लगातार दो बार विंबलडन पुरुष एकल खिताब जीतने वाले विशिष्ठ खिलाड़ियों की प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने का लक्ष्य रख रहे हैं।

अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

डरहम। इंग्लैंड के खिलाफ बारिश के कारण यहां रद्द हुए पहले टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 24 गेंदों में 59 रन की आतिशी पारी के दौरान एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की। अभिषेक इस मैच में दो छक्के लगाते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। अभिषेक ने यह रिकार्ड केवल 785 गेंदों पर ही बना दिया। उन्होंने इस दौरान वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज एविन लुईस के रिकॉर्ड को तोड़ा। लुइस ने 789 गेंदों में अपने 100 छक्के लगाये थे। अभिषेक टी20 में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर आ गये हैं। दूसरे नंबर पर एविन लुईस (789 गेंद), फिन एलन (871 गेंद) के साथ ही तीसरे, टिम डेविड (931 गेंद) चौथे और कॉलिन मुनरो (963 गेंद) के साथ ही पांचवे नंबर रहे हैं। अभिषेक ने अपनी इस पारी के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के सबसे तेजी से 100 टी20 छक्के लगाने के रिकार्ड को भी तोड़ दिया। सूर्यकुमार ने 1007 गेंदों का सामना किया था। अभिषेक ने यह कारनामा सूर्यकुमार से 222 गेंद पहले ही कर दिखाया। अब वे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 या उससे अधिक छक्के लगाने वाले भारत के केवल पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में रोहित शर्मा (205 छक्के), सूर्यकुमार यादव (179 छक्के), हार्दिक पांड्या (126 छक्के) और विराट कोहली (124 छक्के) शामिल हैं, जिनके साथ अभिषेक ने 100 छक्के पूरे कर अपना नाम दर्ज कराया है। अभिषेक नाम अब 1450 से ज्यादा रन हैं और उनका स्ट्राइक रेट 190 से ऊपर है, जो 1000 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सबसे अधिक है। मैच की बात करें तो भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 189 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। हालांकि, इंग्लैंड की पारी शुरू होने से पहले ही बारिश आ गई और उसके नहीं रुकने पर मैच रद्द घोषित कर दिया गया।

सितसिपास को हराकर विंबलडन टेनिस के तीसरे दौर में पहुंचे जोकोविच

लंदन। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने विंबलडन में जीत के साथ ही तीसरे दौर में प्रवेश किया है। जोकोविच ने पुरुष एकल मुकाबले में यूनान के दिग्गज खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास को एकतरफा मुकाबले में आसानी से 6-3, 6-4, 6-2 से हरा दिया। ये मुकाबला करीब डेढ़ घंटे से कुछ अधिक समय तक चला। इस जीत के साथ ही विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच अब ग्रास-कोर्ट पर अपने सातवें खिताब को जीतने प्रतिबद्ध नजर आये। जोकोविच ने इस जीत के साथ रिकॉर्ड 20वीं बार विंबलडन के तीसरे दौर में प्रवेश किया है। मैच के दौरान वह अच्छी लय मे दिखे। उन्होंने कुल 33 विनर्स लगाए और मात्र सात अनफोर्स्ड एरर्स किए, जिससे उनकी क्षमत का अंदाजा होता है। अनुभवी सर्बियाई खिलाड़ी ने विशेष रूप से एक गेम में तीन विनर्स लगाकर बढ़त हासिल की। वह शुरुआत से ही मैच में हावी रहे। अब तीसरे दौर में जोकोविच का मुकाबला 25वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसीसी खिलाड़ी आर्थर रिंडरकनेच से होगा, जिन्होंने हाल ही में मार्टिन डाम को तीन सेटों में हराया था। यह जोकोविच और रिंडरकनेच के करियर का पहला आमना-सामना होगा, जिससे यह मुकाबला और भी रोमांचक होना तय है। मैच के बाद, अपनी शानदार जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए जोकोविच ने कहा, जब आप इस तरह खेलते हैं तो कोर्ट पर बहुत खुशी, संतुष्टि और आनंद महसूस होता है।

सेंटनर की कप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में उतरेगी न्यूजीलैंड, मैथ्यू फिशर नया चेहरा

ऑकलैंड (ईएमएस)। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ इसी माह 12 जुलाई से होने वाली वाली पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए मिशेल सेंटनर को कप्तान बनाया है। 16 सदस्यीया टीम में पहली बार तेज गेंदबाज मैथ्यू फिशर को शामिल किया गया है। फिशर ने अब तक केवल एक टेस्ट और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेला है। वह पहली बार किसी एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल किये गये हैं। ऐसे में उनका डेब्यू तय नजर आता है। कप्तान सेंटनर के अलावा, कई अनुभवी खिलाड़ी भी टीम में वापसी कर रहे हैं। इसमें डेरिल मिचेल, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रेसवेल और जैकब डफी शामिल हैं। डफी हाल ही में पितृत्व अवकाश के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर थे। वहीं कुछ खिलाड़ियों को टीम से बाहर रखा गया है हैं। बांग्लादेश दौरे शामिल रहे अशोक, जोश क्लार्कसन, डेन क्लीवर, विल ओरूर्क और ब्लेयर टिकनर को इस बार टीम में जगह नहीं मिली है जबकि तेज गेंदबाज मैट हेनरी और काइल जैमीसन को इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बाद कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है। ब्लेयर टिकनर टखने की सर्जरी के कारण इस सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण इंग्लैंड से सीधे स्वदेश लौटेंगे और इस दौरे का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं स्टार ऑलराउंडर रचिन रविंद्र मेजर लीग क्रिकेट पहले से तय प्रतिबद्धताओं के चलते टीम के साथ नहीं जाएंगे। एकदिवसीय सीरीज के पहले तीन मुकाबले 12, 14 और 17 जुलाई को प्रोविडेंस, गुयाना में खेले जाएंगे। इसके बाद आखिरी दो मैच 20 और 22 जुलाई को केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में खेले जाएंगे। न्यूजीलैंड की वनडे टीम इस प्रकार है- कप्तान- मिशेल सेंटनर विकेटकीपर- टॉम लैथम, मिशेल हे बल्लेबाज- मार्क चैपमैन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, निक केली, विल यंग, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, क्रिस्टियन क्लार्क ऑलराउंडर- माइकल ब्रेसवेल, नाथन स्मिथ गेंदबाज- मैथ्यू फिशर, जैकब डफी, बेन सियर्स, जेडन लेनोक्स!

'इंग्लैंड में मेरा सही इस्तेमाल नहीं हुआ', टीम से बाहर चल रहे भारतीय ऑलराउंडर का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने इंग्लैंड दौरे 2025 को लेकर बड़ा खुलासा किया है। टीम इंडिया से बाहर चल रहे शार्दुल ने दावा किया कि पांच टेस्ट मैचों की उस सीरीज में उनका सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें कम ओवर ही नहीं दिए गए, बल्कि गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई, जिससे वह टीम के लिए ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

'गेंदबाजी में सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया गया'

शार्दुल ने कहा कि बल्लेबाजी में लीड्स टेस्ट में उन्होंने गलती जरूर की थी, लेकिन मैनचेस्टर टेस्ट में उन्होंने टीम के लिए अहम पारी खेली थी।

उन्होंने कहा, 'जब मैंने इंग्लैंड में खेला तो गेंदबाजी में मेरा सही इस्तेमाल नहीं हुआ। बल्लेबाजी में लीड्स में मेरी गलती थी, लेकिन मैनचेस्टर में मैंने शानदार बल्लेबाजी की। उस समय बादल छाए हुए थे, गेंद स्विंग कर रही थी और पिच मुश्किल थी। अगर मैं उस समय नहीं टिकता तो मैच का नतीजा अलग भी हो सकता था।'

'गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई'

34 वर्षीय ऑलराउंडर ने कहा कि उन्हें गेंदबाजी के लिए सही फेज में नहीं लगाया गया। 'मुझे सिर्फ कम गेंदबाजी नहीं मिली, बल्कि गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई। मुझे लगता है कि रणनीति में कहीं न कहीं गलती हुई थी।' हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मैच के दौरान कप्तान या कोच से इस बारे में बात करना आसान नहीं होता। 'मैदान पर पूरा फोकस मैच पर होता है। जब भी गेंद मिलती है, खिलाड़ी सिर्फ यही सोचता है कि टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है।'

लीड्स टेस्ट का भी किया जिक्र

शार्दुल ने लीड्स टेस्ट को याद करते हुए कहा कि उन्होंने लगातार दो गेंदों पर बेन डकेट और हैरी ब्रूक का विकेट लेकर भारत की वापसी कराई थी, लेकिन इसके बाद उन्हें गेंदबाजी से हटा दिया गया। उन्होंने कहा, 'अगर मुझे लंबा स्पेल मिलता तो शायद एक-दो और विकेट मिलते और मैच का नतीजा भी बदल सकता था।'

'मुझे और मौके मिलने चाहिए थे'

शार्दुल का मानना है कि 2024-25 घरेलू सीजन में अच्छे प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में ज्यादा मौके मिलने चाहिए थे।उन्होंने कहा, 'उस सीजन में जिस तरह का प्रदर्शन मैंने किया, उसके बाद मुझे कुछ और टेस्ट खेलने चाहिए थे। मुझे लगता है कि मैं टीम के लिए अंतर पैदा कर सकता था।'

वापसी का लक्ष्य बरकरार

शार्दुल ने साफ कहा कि भारतीय टेस्ट टीम में वापसी करना ही उनका सबसे बड़ा लक्ष्य है।

'भारतीय टीम में खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मेरी कोशिश 100 प्रतिशत है कि मैं दोबारा टेस्ट टीम में वापसी करूं। जब भी मुझे मौका मिला है, मैंने कई मैचों में टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।'

इंग्लैंड 2025 टेस्ट सीरीज में शार्दुल का प्रदर्शन

मैच- 2, गेंदबाजी- 27 ओवर, विकेट- 2, रन- 46; मैनचेस्टर टेस्ट- 88 गेंदों में 41 रन.

ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन से जुड़कर काफी खुश हैं निरहुआ

निरहुआ सीरीज ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन से जुड़कर वह काफी खुश हैं। हाल ही में बातचीत में निरहुआ ने सीरीज, अपने किरदार और ओटीटी के दौर में बदलती इंडस्ट्री पर बात की।

निरहुआ ने बताया कि ग्राम चिकित्सालय उन्हें शुरू से पसंद था और पहले सीजन में शामिल न हो पाना उन्हें कहीं न कहीं खटका भी था। उन्होंने कहा, 'जब मुझे ये सीरीज ऑफर हुई तो बहुत खुश हुआ। क्योंकि मैं इसका पहला सीजन ही करना चाहता था। जब पहला सीजन आया तो मैंने परिवार के साथ बैठकर देखा और मुझे बहुत आनंद आया। मैं घर में यही बात कर रहा था कि यार मैं भी करने वाला था लेकिन कुछ कारणों से नहीं कर पाया। फिर जैसे ही पता चला कि इसका दूसरा सीजन भी आ रहा है तो बहुत खुश हुआ। मैंने इसमें काम किया क्योंकि यह मेरा फेवरेट शो है।'

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए निरहुआ कहते हैं, 'मेरा किरदार ऐसा है जैसा आदमी लगभग हर गांव में मिल ही जाएगा। एक ऐसा दबंग टाइप का आदमी जिसको सब पता है कि कौन क्या करके आया है? सिस्टम कैसे चलता है? वो सब जानता है। हर जगह ऐसे लोग मिलते हैं और हमारा पाला भी बहुत पड़ता है। लोगों को देखने को मिलेगा कि गांव में दबंग आदमी असल में होता कैसा है।'

अपने किरदार की तैयारी पर निरहुआ ने कहा, 'एक्टर्स के लिए सीखने की प्रक्रिया कभी रुकती नहीं है। हां कुछ किरदारों के लिए ज्यादा वर्कशॉप नहीं करनी पड़ती क्योंकि रियल लाइफ में ऐसे लोग मिलते रहते हैं। हम अभिनेताओं की पढ़ाई 24 घंटा चलती रहती है।

22 साल बाद अक्षय के साथ काम करने पर बोलीं रवीना टंडन

रवीना टंडन और अक्षय कुमार ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। हालांकि, लंबे वक्त से दोनों ने साथ में कोई फिल्म नहीं की थी। दो दशक बाद इन्हें बड़े परदे पर देखा गया है।अभिनेत्री ने खिलाड़ी के साथ रीयूनियन को लेकर बात की और उन्होंने एक्टर के मेहनती रवैये की दिल खोलकर तारीफ की। रवीना टंडन ने समाचार एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में अक्षय कुमार की जमकर तारीफ की। रवीना ने अक्षय को सेट पर सबसे मेहनती और समर्पित कलाकारों में से एक बताया। अपने पुराने साथ काम करने के अनुभवों को याद करते हुए रवीना ने कहा कि इतने वर्षों के बाद भी अक्षय का काम के प्रति समर्पण और काम करने का तरीका बिल्कुल वैसा ही है।

वे सफलता के हकदार हैं

रवीना टंडन ने कहा, 'मुझे लगता है कि इतने वर्षों बाद उनके साथ काम करना बहुत अच्छा रहा। उनमें कोई बदलाव नहीं आया है। वे आज भी उतने ही मेहनती हैं। वही डेडिकेशन है। काम में इतने डूबे रहते हैं कि उनकी मेहनत साफ दिखती है। उन्हें जो भी सफलता मिलती है, वह उसके हकदार हैं, क्योंकि वह सच में उसके लिए मेहनत करते हैं। उन्हें यह आसानी से नहीं मिलती'।

अक्षय और रवीना की फिल्में

रवीना और अक्षय ने कई फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें 'मोहरा', 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी', 'दावा', 'कीमत- दे आर बैक' और 'बारूद' आदि शामिल हैं। इस जोड़ी की 'मोहरा' और 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रहीं। 'मोहरा' 1994 में रिलीज हुई थी। इसे राजीव राय ने डायरेक्ट किया था और इसमें नसीरुद्दीन शाह और सुनील शेट्टी भी मुख्य भूमिकाओं में थे। दूसरी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' 1996 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रेखा भी मुख्य भूमिका में थीं। इन दोनों ने आखिरी बार 2004 में 'पुलिस फोर्स - एन इनसाइड स्टोरी' और 'आन' फिल्मों के लिए साथ काम किया था।

अकेलेपन और रिश्तों की सच्चाई को लेकर शुभांगी अत्रे अपने अनुभव साझा किए

टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहीं शुभांगी अत्रे ने बातचीत में अकेलेपन और रिश्तों की सच्चाई को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह अकेलापन सिर्फ भीड़ या लोगों की कमी से नहीं होता, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और बातचीत की कमी से होता है।

शुभांगी अत्रे ने कहा, ''मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि मेरी जिंदगी में कुछ ऐसे लोग हैं, जो सच में मुझसे पूछते हैं, 'आप कैसी हैं?' और जवाब का इंतजार भी करते हैं। किसी इंसान के लिए सबसे बड़ा सुकून यही होता है कि कोई उसे बिना टोके, बिना जज किए ध्यान से सुने। कई बार सलाह से ज्यादा राहत सिर्फ सुन लिए जाने से मिलती है।'' उन्होंने आगे कहा, 'अकेलापन अक्सर इस वजह से महसूस होता है क्योंकि लोगों के बीच बातचीत तो होती है, लेकिन वह गहराई नहीं होती, जो दिल को छू सके। आजकल लोग एक-दूसरे से जुड़े तो रहते हैं, लेकिन बातचीत अक्सर सतही रह जाती है। ऐसे में इंसान भीड़ में रहते हुए भी खुद को अकेला महसूस कर सकता है। मेरा मानना है कि एक खुली बातचीत, जिसमें व्यक्ति अपने असली विचार और भावनाएं बिना डर के रख सके, वह कई रिश्तों से ज्यादा कीमती होती है।''

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा, ''आज के समय में लोग एक-दूसरे की जिंदगी से तो वाकिफ रहते हैं, लेकिन उनकी भावनाओं से नहीं। हम यह तो देख लेते हैं कि सामने वाला क्या कर रहा है, कहां घूम रहा है या क्या पोस्ट कर रहा है, लेकिन यह नहीं जान पाते कि वह अंदर से क्या महसूस कर रहा है। सोशल मीडिया ने लोगों को ज्यादा विजिबल बना दिया है, लेकिन महसूस करने और समझने वाली गहराई कम हो गई है। असली बातचीत अभी भी स्क्रीन से दूर ही होती है।'' रिश्तों को लेकर उन्होंने कहा, ''आज के समय में सच्चे और भरोसेमंद रिश्ते बनाना आसान नहीं है। भरोसा, समझ और अपनापन धीरे-धीरे बनता है और इसके लिए समय और धैर्य दोनों की जरूरत होती है। जीवन में वही लोग सबसे अहम होते हैं जो अच्छे और बुरे दोनों समय में साथ खड़े रहते हैं। ऐसे रिश्ते ही इंसान को मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं और अकेलेपन को दूर करते हैं।'' उन्होंने निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए कहा, ''मेरी बेटी आशी मेरे जीवन का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। वह 19 साल की हैं और काफी समझदार हैं। वह हमेशा मेरा हालचाल लेती रहती हैं और मेरा ख्याल रखती हैं। मेरे कुछ करीबी लोग भी हैं जिनके कारण मुझे अकेलापन महसूस नहीं होता।''

नेपोटिज्म पर बोलीं कृति सेनन

कृति सेनन इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म को दर्शकों द्वारा पसंद किया जा रहा है और कृति के किरदार व एक्टिंग की भी काफी तारीफ हो रही है। मौजूदा वक्त में कृति इंडस्ट्री की टॉप लीडिंग एक्ट्रेस में से एक हैं। लेकिन एक आउटसाइडर होने के नाते कृति के लिए यहां तक का सफर आसान नहीं रहा। कृति ने अपने सफर को याद करते हुए कहा कि यह सफर आसान नहीं था। ऐसे पल भी आए जब मुझे खुद पर शक हुआ और मनचाहे मौके न मिलने पर निराशा हुई। यह सफर सीधे कामयाबी तक पहुंचने वाला नहीं था; यह धीरे-धीरे आगे बढ़ा। मैंने उतार-चढ़ाव देखे हैं। लेकिन मुझमें हार न मानने और दोबारा कोशिश करने का जज्बा भी रहा है। मेरा पहला फोटोशूट बहुत बुरा रहा था। मेरा पहला रैंप शो भी अच्छा नहीं हुआ था। दोनों बार मैं रोते हुए घर लौटी थी। लेकिन इसके बावजूद मैंने दूसरे शो, दूसरे फोटोशूट और दूसरे ऑडिशन के लिए कोशिश की और इसी वजह से मैं आज यहां तक पहुंच पाई हूं। सीखने की चाहत और हार न मानने का जज्बा ही मुझे यहां तक ले आया है।

टैलेंटेड हैं रणबीर और आलिया

इस दौरान कृति ने नेपोटिज्म के बारे में भी बात की। उनका मानना है कि भले ही स्टार किड्स को भी रणबीर कपूर और आलिया भट्ट जैसे एक्टर्स की तरह खुद को साबित करना पड़ता है, लेकिन वे इस बात से सहमत हैं कि उन्हें अक्सर बाहरी लोगों की तुलना में बहुत आसानी से मौके मिल जाते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार आपको पता चलता है कि किसी फिल्म के लिए आप पर विचार किया जा रहा है, लेकिन वह रोल किसी और को मिल जाता है। साथ ही सवाल सिर्फ नेपोटिज्म का नहीं है। फिल्मी बैकग्राउंड से आने वाले कई एक्टर्स सच में टैलेंटेड होते हैं। चाहे रणबीर कपूर हों या आलिया भट्ट, उन्होंने खुद को साबित किया है। हो सकता है कि उन्हें दूसरों के मुकाबले आसानी से मौके मिले हों, लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत की है और वे बहुत टैलेंटेड हैं। असल बात तब होती है, जब कोई बिना एक्टर के तौर पर खुद को साबित किए आठ या नौ साल तक मौके पाता रहता है। मुझे बस यही बात गलत लगती है। जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते हैं, तो अगर आप शुरुआती कुछ साल में खुद को साबित नहीं कर पाते, तो आप बाहर हो जाते हैं। आपको नजरअंदाज कर दिया जाता है।

...अब नए किरदारों के जरिए दर्शकों का दिल जीतना चाहता हूं

'कोई... मिल गया', 'जोड़ी नंबर 1', 'इंडियन', 'रक्त' और 'पार्टनर' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके अभिनेता रजत बेदी ने अपना 54वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। इस खास अवसर पर उन्होंने बात की और अपनी जिंदगी, करियर, फिटनेस और बदलते मनोरंजन जगत को लेकर विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि आने वाला समय उनके लिए काफी खास रहने वाला है और दर्शकों को जल्द ही उनका एक नया रूप देखने को मिलेगा।

जब उनसे पूछा कि क्या उनकी जिंदगी में कोई ऐसा अनुभव रहा है, जिसने सब कुछ बदल दिया हो, तो रजत बेदी ने कहा, ''मुझे इस साल ऐसा महसूस हो रहा है कि मेरी जिंदगी में बहुत कुछ बदलने वाला है। अब तक मैंने जिन किरदारों को निभाया है, आने वाले समय में उनसे बिल्कुल अलग भूमिकाएं करने वाला हूं। कुछ ऐसे सपने थे जिन्हें मैं पहले पूरा नहीं कर पाया था, लेकिन अब उन्हें साकार करने का मौका मिल रहा है। मेरा वादा है कि आने वाली फिल्मों में दर्शकों को एक बिल्कुल अलग रजत बेदी देखने को मिलेगा।''

अभिनेता ने कहा, ''इस समय मेरा कॉन्फिडेंस लेवल बहुत ऊंचा है और मेरे भीतर काम को लेकर एक नई ऊर्जा है। पहले मैंने इंडस्ट्री में कुछ मौके खोए थे, लेकिन अब नए किरदारों के जरिए दर्शकों का दिल जीतना चाहता हूं।''

इंडस्ट्री में करियर बनाने आ रहे नए कलाकारों को सलाह देते हुए रजत बेदी ने कहा, ''किसी को भी लोगों की बातों में नहीं आना चाहिए। इंसान को हमेशा अपने दिल की सुननी चाहिए। एक समय ऐसा था, जब मैं दूसरों की बातों में आकर खुद को मायूस करने लगता था। अब मैंने सीख लिया है कि जीवन में सबसे जरूरी अपनी सोच और अपने दिल की आवाज पर भरोसा करना है। मैं भविष्य में वही करूंगा, जो मेरा दिल कहेगा और दूसरों की राय को खुद पर हावी नहीं होने दूंगा।''

रजत बेदी ने युवाओं को स्वास्थ्य को सबसे ज्यादा महत्व देने की सलाह दी। उन्होंने कहा, ''अच्छी सेहत जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए रोजाना व्यायाम करें और अपने खानपान पर खास ध्यान दें। भोजन में पौष्टिक और स्वस्थ चीजों को शामिल करना बेहद जरूरी है। अगर शरीर स्वस्थ रहेगा तो व्यक्ति अपने जीवन और करियर में बेहतर ध्यान दे पाएगा।'

बेहद साफ दिल के इंसान हैं संजय दत्त

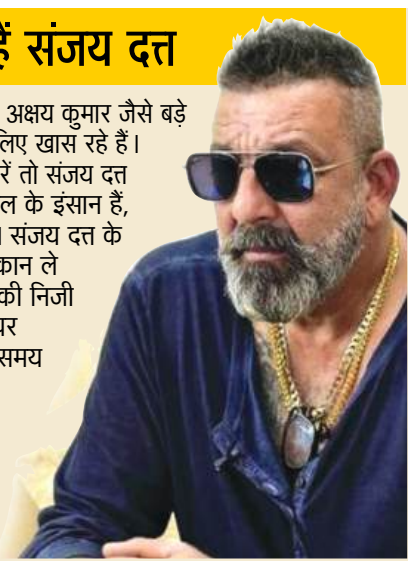

रजत कहा 'मैंने सलमान खान, सुनील शेट्टी और अक्षय कुमार जैसे बड़े सितारों के साथ काम किया है, और ये सभी मेरे लिए खास रहे हैं। लेकिन अगर सबसे पसंदीदा कलाकार की बात करें तो संजय दत्त का नाम सबसे ऊपर आता है। वह बेहद साफ दिल के इंसान हैं, और यही बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद आती है। संजय दत्त के साथ बिताए गए पल आज भी मेरे चेहरे पर मुस्कान ले आते हैं।' सोशल मीडिया के दौर में कलाकारों की निजी जिंदगी पर लगातार नजर रखे जाने के सवाल पर रजत बेदी ने कहा, ''मैं मानता हूं कि आज के समय में सितारों की निजी जिंदगी पहले के मुकाबले काफी कम रह गई है। अब लगभग हर व्यक्ति सोशल मीडिया से जुड़ा हुआ है। ऐसे में कोई भी छोटी या बड़ी बात बहुत जल्दी इंटरनेट पर पहुंच जाती है और लोगों के बीच फैल जाती है।

ऑफिस में कई बार हम कुछ ऐसा पहनकर चले जाते हैं जिससे हम उपहास या गॉसिपिंग का पात्र बन जाते हैं। शालीनता के साथ अगर आप ऑफिस में अपने आपको कैरी करती हैं तो आपको कपड़ों को लेकर कभी शर्मिंदगी उठानी पड़ेगी। आपके ड्रेसिंग सेंस की सब तारीफ करेंगे

ऑफिस में क्या पहनें... जरा ध्यान दें

हर चीज चाहे वो कपड़े ही क्यों न हों, समय और जगह के माकूल होने चाहिए, नहीं तो वो बुरे लगने लगते हैं। यह बात यूं तो हर जगह लागू होती है, पर अगर आप वर्किंग वुमन या गर्ल हैं तो फिर इस बात पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। ऑफिस में कई बार हम कुछ ऐसा पहनकर चले जाते हैं जिससे हम उपहास या गॉसिपिंग का पात्र बन जाते हैं। शालीनता के साथ अगर आप ऑफिस में अपने आपको कैरी करती हैं तो आपको कपड़ों को लेकर कभी शर्मिंदगी उठानी पड़ेगी। आपके ड्रेसिंग सेंस की सब तारीफ करेंगे, सो अलग।

ट्राउजर, जीन्स में फोन पिन न करें

अगर आप इंजीनियर या आर्किटेक्ट जैसे फील्ड वर्क में हैं तो ट्राउजर, जीन्स आदि में फोन पिन करना ठीक भी हैं, लेकिन ऑफिस में यह स्टाइल सही नहीं है। यह देखने में बिल्कुल चाइल्डिश लगता है। मोबाइल फोन को या तो अपने पर्स में या फिर हाथ में ढंग से कैरी करें।

स्किन रिवीलिंग ड्रेस को ना

बहुत ज्यादा स्किन रिवीलिंग ड्रेस पहन कर भी ऑफिस में आना अच्छी बात नहीं है। ऑफिस में इस तरह की ड्रेस न केवल खराब लगती है, बल्कि छवि पर भी इसका खास असर पड़ता है।

शॉर्ट कपड़े न ही पहनें तो अच्छा है

ऑफिस में कोई भी ड्रेस पहनने के लिए कुछ नियम-कायदे होते हैं। ऐसे में आप उन्हें फॉलो न करके शॉर्ट कपड़े पहन कर अगर ऑफिस आती हैं तो एक तो यह ऑफिस डेकोरम के खिलाफ बात होगी, दूसरे आप बिना मतलब के लोगों के बीच चर्चा का विषय बन जाएंगी। इसलिए शॉर्ट ड्रेसेस न ही पहनें तो ज्यादा सही रहेगा।

बहुत ज्यादा टाइट और पतला कपड़ा

बहुत-सी महिलाएं यह मानती हैं कि फिटिंग के कपड़े पहनने से एक कॉन्फिडेंस आता है, यह कुछ हद तक सही है। लेकिन अगर आप ऑफिस में फिटिंग के कपड़े की जगह बिल्कुल ही टाइट फिटिंग और बेहद पतले स्टफ के कपड़े पहन कर आती हैं तो हो सकता है कि आप लोगों के सेंटर ऑफ अट्रैक्शन का पार्ट बन जाएं, जो पॉजिटिव वे में तो कम पर, निगेटिव वे में ज्यादा होगा।

हाई हिल्स पहन कर आना

माना कि हाई हील्स पहनना आपको पसंद है, लेकिन ऑफिस में ये परफेक्ट नहीं। हील्स आवाज बहुत करती हैं, जो ऑफिस में अन्य लोगों को काम करने में बाधा पहुंचा सकती हैं। इसलिए अगर आपको हील पहननी भी हैं तो फ्लैट हील या फिर कम हील की सैंडल्स पहनें या फिर फ्लैट स्टाइलिश स्लीपर पहनें, पर जो भी पहनें, वो आपकी ड्रेस के मुताबिक हो, यह जरूर देख लें।

ज्यादा चटकीले रंग के कपड़े

ऑफिस में सिम्पल और सोबर रंग के कपड़े पहनना ज्यादा सही रहता है। कुछ महिलाएं होती हैं, जो ऑफिस में बहुत ज्यादा कलरफुल और चटकीले रंग के कपड़े पहन कर आती हैं। उनका यह ड्रेसिंग सेंस न तो ऑफिस के लिहाज से अच्छा होता है और न ही लोग उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ करते हैं। हां उल्टे, वो मजाक का पात्र जरूर बन जाती हैं।

नहीं दिखे स्पैगिटी की स्ट्रिप

अंडर समीज या स्पैगिटी की स्ट्रिप अगर बार-बार फिसल कर आपके कुर्ते आदि की बाहों के नीचे आती है तो यह बहुत ही इम्बैरिसिंग मूमेंट हो सकता है आपके लिए। इसलिए ऐसे कपड़े बिल्कुल भी न पहनें, जिनकी वजह से आपको शर्मिंदा होना पड़े पूरे ऑफिस में।

लिविंग रूम को बनाएं जानदार

कपड़े प्रेस करने वाले आयरन में जंग लग जाती है, जिसे आप नमक के घोल से साफ कर सकती हैं।

लिविंग रूम में कई तरह के फूलों के गुलदस्ते भी रखें। गुलदस्ते के लिए आप कृत्रिम के साथ-साथ प्राकृतिक फूलों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। लिविंग रूम को सजाने का यह आसान तरीका है। लिविंग रूम में आप अपनी दीवार के लिए सफेद और मटैलिक सिल्वर के कांबीनेशन का इस्तेमाल कर सकती हैं।

बड़े काम का नमक

अगर कांच के गिलास साफ करने हैं तो उन्हें नमक वाले पानी के घोल में दस मिनट के लिए भिगो कर रखें और फिर उन्हें नींबू और साफ पानी से धो लें। कपडे प्रेस करने वाले आयरन में जंग लग जाती है, जिसे आप नमक के घोल से साफ कर सकती हैं। महीने में एक बार नमक के घोल से चांदी का सामान साफ करें। चांदी के गहनों को नमक वाले घोल में 15 मिनट के लिए भिगो कर बाद में साफ पानी से धो लें।

ट्रेंडी प्रिंटेड ब्लेजर

मौसम को देखते हुए ब्लेजर और ट्रेंड को देखते हुए प्रिंट। यदि इन दोनों चीजों को साथ मिलाया जाए, तो जो मसाला तैयार होगा, वही लेटेस्ट ट्रेंड होगा। डिजाइनर इसी वजह से प्रिंटेड ब्लेजर ला रहे हैं।

लार्ज प्रिंट

व्हाइट बैकग्राउंड के साथ यदि ब्ल्यू लार्ज प्रिंट आजमाया जाए, तो यह सभी को पसंद आएगा। बूटेदार प्रिंट इस मामले में सबसे ज्यादा चलन में है। जारा इंडिया पर इसकी कीमत 4790 रूपए है।

मोनो प्रिंटेड

यदि आपको मल्टीकलर प्रिंट पसंद नहीं, तो वर्कप्लेस पर इसे आजमाएं। ये कई डिजाइन्स में अवेलेबल हैं। कूल्ज ऑनलाइन स्टोर पर इसकी प्राइस 945 रूपए है।

वूलन चैक्ड

इसे किसी भी तरह की रेगुलर ड्रेस के साथ आजमाया जा सकता है। बीकाइंड ब्रांड के इस ब्लेजर की प्राइस 1799 रूपए से शुरू है।

लेपर्ड डिटेलिंग

आप यदि इसे किसी पार्टी में पहन रही हैं, तो लेपर्ड डिटेलिंग को आजमा सकती हैं। साड़ी पर भी ये अच्छे लगते हैं। विवेशियस इन वॉग ब्रांड ब्लेजर की प्राइस 2200 रूपए है।

पिंक फ्लॉरल

यदि आप फ्लॉरल प्रिंट ही आजमाना चाहती हैं, तो पिंक फ्लॉरल को आजमाइए। कूल्ज ऑनलाइन स्टोर पर प्राइस 1185 रूपए है।

कैजुअल प्रिंटेड

सिम्पल और सॉबर ब्लेजर के लिहाज से कैजुअल प्रिंटेड ब्लेजर बेस्ट ऑप्शन है। इन्हें किसी भी मौके पर कैरी किया जा सकता है। स्टाइलटॉस पर प्राइस 1399 रूपए से शुरू है

ब्राइट होलोग्राफ

यदि आप कॉलर लैस ब्लेजर पसंद करती हैं, तो यह ब्राइट ब्लेजर आपको पसंद आएगा। ग्लेम एंड लक्स ब्रांड के ब्लेजर की कीमत 1999 रूपए है।

बढ़ती है आपकी उम्र

माना आजकल बहुत ज्यादा प्रदूषण हो गया है और चेहरे को हमेशा साफ रखना चाहिए, पर इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आप हर घंटे ही अपना चेहरा धोते रहें। दिन में चेहरे को दो बार धोना चेहरे को साफ रखने के लिए पर्याप्त है।

चेहरे की त्वचा पर एक झुर्री या फाइन लाइन क्या दिखी, महिलाएं परेशान हो जाती हैं, क्योंकि हर कोई हमेशा जवां बना जो रहना चाहता है। लेकिन क्या आपको पता है कि हम रोजाना ऐसी बहुत-सी हरकतें या आदतें दोहराते हैं जिस वजह से हम बहुत हद तक खुद ही बुढ़ापे को न्योता देते हैं। आइए जानते हैं ऐसी ही छोटी पर महत्वपूर्ण आदतों के बारे में, जो आप और हममें होती हैं, जिसका खामियाजा हमारी त्वचा को उठाना पड़ता है।

वजन कम करने की चाहत

आजकल तो वजन कम करने का एक ट्रेंड ही चल पड़ा है। कई बार तो कुछ महिलाएं अपना वजन इतना ज्यादा कम कर लेती हैं कि बाद में उन्हें शरीर को सही रखने के लिए वजन बढ़ाना पड़ता है। ऐसा करने से त्वचा अपनी कसावट खो देती है। जिस वजह से त्वचा लटकती नजर आती है और उसका कसाव कम हो जाता है।

बहुत ज्यादा मुंह धोना

माना आजकल बहुत ज्यादा प्रदूषण हो गया है और चेहरे को हमेशा साफ रखना चाहिए, पर इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आप हर घंटे ही अपना चेहरा धोते रहें। दिन में चेहरे को दो बार धोना चेहरे को साफ रखने के लिए पर्याप्त है। एक बात का ध्यान रखें कि बार-बार चेहरे को धोने से चेहरे की त्वचा में मौजूद प्राकृतिक तेल खत्म हो जाता है और त्वचा अपने आप रूखी हो जाती है। जिससे रिंकल्स पड़ने की आशंका रहती है

स्ट्रॉ से पेय पदार्थ पीना

आप इसे फैशन मानें या फिर कुछ और, पर अधिकतर महिलाएं सॉफ्ट ड्रिंक्स आदि को पीने के लिए स्ट्रॉ का उपयोग ही करती हैं, पर स्ट्रॉ का उपयोग करते वक्त उन्हें यह बिल्कुल ख्याल नहीं रहता है कि ऐसा करने से होंठों के चारों ओर की त्वचा सिकुड़ जाती है और इससे होंठों के आसपास की त्वचा में झुर्रियों की आशंका होती है।

कॉन्टेक्ट लेंस पहनना

कॉन्टेक्ट लेंसेस का कॉन्सेप्ट उन लोगों के लिए आया था, जिनकी आंखों में बहुत ज्यादा पावर वाला चश्मा होता था, लेकिन आज मामला थोड़ा उल्टा है। आजकल बाजार में हर रंग के कॉन्टेक्ट लेंसेस मिलते हैं, जिन्हें अक्सर लड़कियां फैशन स्टेटमेंट के चलते कैरी करती हैं। हमेशा कॉन्टेक्ट लेंसेस का इस्तेमाल करने से आंखों को चोट भी पहुंच सकती है और आंखों के आसपास की त्वचा चूंकि नाजुक होती है तो झुर्रियां पड़ने की आशंका भी होती है।

आंखें चेक कराएं

यूं तो कायदे से साल में एक से दो बार आंखों का चेकअप कराना बहुत ही जरूरी है, पर अधिकतर महिलाएं ऐसा बिल्कुल नहीं करतीं। ऐसे में आंखों में भैंगापन की समस्या हो सकती है और इस कारण आपकी खूबसूरती भी जाती रहेगी और दोनों भौंहों के बीच झुर्रियों की समस्या भी हो सकती है, इसलिए समय पर नियमित रूप से चेकअप कराना बहुत फायदेमंद रहता है

ज्यादा ड्राइविंग से बचें

आपमें से अधिकतर महिलाएं ये सोचती होंगी कि कार में ड्राइविंग करते वक्त वो सूरज की अल्ट्रा वायलेट किरणों से बची रहती हैं।